जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 333 प्रभात चूरू, मंगलवार 4 अप्रेल, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

नॉर्थ अमेरिका में पाई जाने वाली स्टॉर्क की एकमात्र प्रजाति है वुड स्टॉर्क। लगभग पचास सालों तक विलुप्ति के कगार पर रहने के बाद सारस की यह प्रजाति अब एन्डेन्जर्ड स्पीशीज़ लिस्ट से बाहर हो सकती है। गौरतलब है कि, अमेरिका में चलाए जा रहे संरक्षण कार्यक्रम का नवीनतम लाभार्थी वुड स्टॉर्क ही है, इसे 1984 में एन्डेन्जर्ड स्पीशीज़ एक्ट के दायरे में लिया गया था। उस समय इसके घोंसला बनाने वाले जोड़ों की संख्या 20,000 से घटकर मात्र 5000 रह गई थी। ये पक्षी साउथ फ्लोरिडा के एवरग्लेड्स क्षेत्र और बिग सायप्रस इकोसिस्टम में घर बनाते हैं। रिकवरी कार्यक्रम का लक्ष्य था, उन इकोसिस्टम्स की रक्षा करना व उन्हें पूर्व की स्थिति में लाना, जिन्हें साढ़े चार फुट लम्बे ये वुड स्टॉर्क अपना घर कहते हैं। आज वुड स्टॉर्क के प्रजनन करने वाले जोड़ों की संख्या दस हजार हो गई है, यही नहीं, इनकी रेंज का विस्तार भी हुआ है। दलदली इलाकों और नदियों में मछली, मेंढक तथा क्रस्टेशिअन्स (कड़े खोल वाले जानवर) का शिकार करने वाले इन पक्षियों की बस्तियां 29 से बढ़कर 99 हो गई हैं। फिश एण्ड वाइल्डलाइफ विभाग ने बताया कि, लम्बी टांगों वाले ये पक्षी अपने नए आवासीय क्षेत्रों से अनुकूलन कर रहे हैं और तटवर्ती सॉल्ट मार्श क्षेत्र में उत्तर की तरफ, पुराने चावल के खेतों में, जंगल के वैटलैण्ड्स और मानव निर्मित वैट लैण्ड्स में घर बनाने लगे हैं। एण्डीज़ पर्वत श्रृंखला के पूर्व की तरफ लगभग सम्पूर्ण साउथ अमेरिकन महाद्वीप में फैली इनकी रेंज के कारण इन्टरनैशनल यूनियन फॉर द कंज़र्वेशन ऑफ नेचर की लिस्ट में इसे ''लीस्ट कन्सर्न'' वर्ग में रखा गया है। फिश एण्ड वाइल्डलाइफ, एण्ड पार्क्स विभाग की सह सचिव शैनन एस्टीनोज़ ने कहा कि, आवास संरक्षण की वजह से ही इन पक्षियों की संख्या बढ़ी है।

राहुल को कुछ समय और मोदी कांग्रेस का नेतृत्व प्रदान करने देना चाहते हैं

अगर राहुल से नेतृत्व प्रदान करने का अधिकार छिन जाता है तो, यह जिम्मेवारी निभाने के लिये प्रियंका गांधी को आगे आना पड़ेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। राहुल गांधी को अब लम्बे समय तक अदालतों के चक्कर लगाने होंगे तथा गुजरात की अदालतों से अपनी दोष-सिद्धि के फैसले को पलटवाने के लिए बहुत श्रम करना पड़ेगा। लेकिन उन्हें जमानत मिल गई है तथा इसलिये उन्हें, कम से कम फिलहाल तो, जेल नहीं जाना पड़ेगा।

राजनैतिक पंडितों का कहना है कि राहुल गांधी का चुनाव लड़ पाना बड़ा मुश्किल होगा, क्योंकि गुजरात की अदालतों की कानूनी प्रक्रिया लम्बे समय तक चलती, बल्कि घिसटती रहेगी।

गुजरात के सत्र-न्यायालय ने राहुल गांधी को जमानत दे दी है तथा अदालत उनकी दोष-सिद्धि को उलटने के लिये दायर की गई याचिका की सुनवाई 13 अप्रैल से करेगी।

राहुल गांधी का अदालत में उपस्थित होना अपेक्षित नहीं होगा क्योंकि अपील का काम उनके वकील सँभालेंगे।

आज अपील दायर करने के लिये भी उन्हें अदालत में उपस्थित होने की जरुरत नहीं थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी वहाँ भीड़ इकट्ठी करने तथा राहुल गांधी के प्रति जनता की सद्भावना का संदेश भेजने का निर्णय लिया था।

- इस प्रकार का घटनाक्रम, भाजपा के पक्ष में नहीं है। राहुल गांधी तो कोर्ट केसों में फंसे होने के कारण, अपनी व्यस्तता के कारण कांग्रेस को पूर्ण एकाग्रता व समय नहीं दे पा रहे।
- पर, प्रियंका गांधी के समक्ष ऐसी कोई मजबूरी नहीं होगी। यह भांपते हुए, पार्टी के कई वरिष्ठ नेता गण, अब प्रियंका गांधी की ओर मुड़ने लगे हैं।
- इस झुकाव को आगे बढ़ने देने का मौका नहीं देने के लिये, राहुल गांधी ने सूरत के न्यायालय में स्वयं उपस्थित होने का निर्णय लिया, हालांकि, वहां न्यायालय में उनकी स्वयं उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं थी।
- कांग्रेस ने, सूरत में राहुल की उपस्थिति को भारी महत्व देते हुए भारी संख्या में कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं को न्यायालय प्रांगण में भेजा तथा कांग्रेस के तीनों मु. मंत्रियों को भी न्यायालय में उपस्थित होने की हिदायत दी। प्रियंका गांधी इस मौके पर सारे समय मौजूद रहीं।
- पर जानकार लोगों का यह भी मानना है कि, इस हालात में राहुल गांधी का चुनाव लड़ना मुश्किल होगा, क्योंकि, राहुल को गुजरात के न्यायालयों से जल्दी कोई भी रिलीफ मिलने की आशा नहीं है तथा मुकदमा लम्बे समय तक खिंच सकता है।

लेकिन और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी कि राहुल गांधी यह संदेश भी भेजना चाहते थे कि वे अब भी कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा हैं।

कांग्रेस के तीनों मुख्यमंत्रियों- राजस्थान के अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल तथा हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू को सूरत में उपस्थित होने को कहा गया था। गुजरात के पार्टी नेताओं को प्रियंका गांधी के साथ-साथ सूरत जाने के लिये कहा गया था।

लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसदों से कहा गया था कि वे संसद भवन में एकत्रित होने के लिए कह दिया गया था ताकि राहुल गांधी के प्रति एकजुटता दर्शायी जा सके।

पार्टी के उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के मुद्दे को लेकर नरेन्द्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'छह साल पहले दिए आदेश की पालना करो वरना हाजिर हों स्वास्थ्य सचिव'

जयपुर, 3 अप्रैल (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चयनित वेतनमान से जुड़े मामले में छह साल पहले दिए आदेश की पालना नहीं होने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह बड़े आश्चर्य की बात है कि हाईकोर्ट ने 25 मई, 2017 में आदेश जारी कर चार माह में पालना के लिए कहा था,

- हाई कोर्ट ने 25 मई 2017 को चिकित्सा विभाग के एक कर्मचारी को नियुक्ति तिथि से चयनित वेतनमान का लाभ देने का आदेश दिया था, पर आदेश की अब तक पालना नहीं हुई है। इसीलिए हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव को तलब किया है।

लेकिन छह साल बीतने के बाद भी अब तक आदेश की पालना नहीं हुई है। ऐसे में यदि अब भी आदेश की पालना नहीं हो तो पांच अप्रैल को स्वास्थ्य सचिव व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर बताएं कि छह साल बीतने के बाद भी अब तक आदेश की पालना क्यों नहीं की गई। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश बी.एन. शर्मा की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता चिकित्सा विभाग में बहुउद्देशीय कार्यकर्ता के पद से सेवानिवृत्त हुआ था। उसे चयनित वेतनमान का लाभ नियुक्ति तिथि से नहीं दिया गया और चयनित वेतनमान निचले पे-स्केल से दिया गया। इसे चुनौती देने पर हाईकोर्ट ने 25 मई 2017 को विभाग को आदेश दिए थे कि चार माह में याचिकाकर्ता को प्रथम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सपा की ''दलित मैत्री'' नीति से मायावती विचलित हुईं

अखिलेश ने पहले तो कांशीराम के जन्मदिन को धूमधाम से मनाया और अब डॉ. अम्बेडकर के जन्मदिन पर और भारी आयोजन करने की घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। ऐसा प्रतीत होता है कि कभी ताकतवर रही बहुजन समाज पार्टी, जो राष्ट्रीय राजनीति में ऐतिहासिक भूमिका निभाने की आकांक्षी थी, अब महत्वहीन होती जा रही है तथा चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी मायावती अपनी पार्टी को अकेली ही खींचती तथा अपने दलित जनाधार को अपने पास बनाये रखने के लिये हाथ-पैर मारती दिखाई दे रही हैं।

समाजवादी पार्टी ने हाल ही में बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयन्ती मनाई थी तथा उसी वक्त घोषणा कर दी थी कि वह (सपा) 14 अप्रैल को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनायेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा दलितों को आकर्षित करने के नियोजित प्रयासों को लेकर खीजी हुई मायावती ने कल लखनऊ में आयोजित बसपा के प्रान्तीय पदाधिकारियों तथा जिला इकाई अध्यक्षों की मीटिंग में कहा कि सपा ने ''मान्यवर कांशीराम जी के नाम का फायदा उठाने का राजनैतिक स्टंट शुरु कर दिया है, जबकि इसका लम्बा इतिहास दलितों के प्रति राजनैतिक एवं जातीय शत्रुता का रहा है।''

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि सपा कांशीराम, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तथा अत्यन्त पिछड़े वर्गों के प्रति कृतघ्न रही है तथा उसके इसी रूख के कारण, 1995 की ''गैस्ट हाउस'' घटना हुई थी तथा सपा के साथ हमारा गठबंधन समाप्त हो गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मायावती ने कहा, सपा का इतिहास, दलितों से शत्रुता व दमन की कार्यवाहियों से भरा हुआ है और दलितों से मैत्री केवल एक राजनीतिक स्टंट है सपा का।
- यह सच है कि, यादवों पर दलितों के दमन व अत्याचार का आरोप किसी हद तक सच है, पर, अब वर्तमान राजनीतिक माहौल में उस आरोप को दोहराना, भाजपा विरोधी एकता को कमजोर करना है।

'इंग्लिश मीडियम में पढ़े अभ्यर्थी ही पात्र क्यों?'

जयपुर, 3 अप्रैल (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक अध्यापक संविदा भर्ती-2023 में सिर्फ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थियों को ही पात्र मानने पर शिक्षा सचिव, पंचायती राज सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश मयंक कुमार शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने सहायक अध्यापक संविदा भर्ती 2023, में सिर्फ अंग्रेजी माध्यम में पढ़े अभ्यर्थी को ही पात्र मानने पर शिक्षा सचिव, पंचायती राज सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक से जवाब मांगा है।

सिद्धू को फिलहाल पंजाब से बाहर ही रखेगी कांग्रेस

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। 1998 के रोड रेज केस में, 10 महीने की कैद की सजा काटने के बाद, क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब की पटियाला जेल से रिहा हो गये लेकिन उन्हें उनके गृह राज्य पंजाब में कोई महत्वपूर्ण भूमिका मिलने की संभावना नहीं है।

उनकी कैद की अवधि के दौरान, पंजाब में कांग्रेस में बहुत बड़ा बदलाव हो गया है।

युवा नेता अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग पंजाब पी.सी.सी. के अध्यक्ष नियुक्त कर दिये गये हैं तथा प्रताप सिंह बाजवा के पास राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता पद का दायित्व है। राज्य में पार्टी जिस तरह से चल रही है, उससे कांग्रेस नेतृत्व संतुष्ट प्रतीत हो रही है। इस बीच, ऐसा भी प्रतीत नहीं होता कि सिद्धू ने जेल में अपनी मुलाकातों के चलते, पिछले 10 महीनों में अपनी कोई अच्छी छवि प्रस्तुत की हो। जेल में उनसे मुलाकात करने वाले लोगों में मनप्रीत बादल शामिल हैं, जो कई कांग्रेस नेताओं को साथ लेकर कुछ महीने पहले भाजपा में पहुँच गये हैं। गत वर्ष पी.सी.सी. अध्यक्ष के अपने कार्यकाल के दौरान, सिद्धू ने कुछ विवादों को भी जन्म दे दिया था, जिनके परिणामस्वरूप पार्टी कार्यकर्ता किंकर्तव्यविमूढ़ हो गये थे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''इसलिये ऐसी संभावना नहीं है कि पार्टी इसी समय सिद्धू को पंजाब में कोई बड़ी भूमिका दे दे।''

महत्वपूर्ण बात यह भी है कि उनकी रिहाई पर जेल से बाहर उनका स्वागत करने के लिये राज्य के बड़े कांग्रेस नेता उपस्थित नहीं थे। लेकिन जहाँ तक सिद्धू का प्रश्न है, अपनी रिहाई के बाद वे विवादों से दूर हैं। हाँ, उन्होंने केन्द्र सरकार तथा राज्य की आप सरकार की कड़ी आलोचना जरूर की है।

सिद्धू की अपनी ताकत एवं मजबूत पक्ष भी है। वे फायर ब्रान्ड नेता तथा प्रखरवक्ता है। वे सुपरिचित एवं लोकप्रिय हस्ती है तथा अपने राजनैतिक विरोधियों से टक्कर लेने के मामले में निडर हैं।

इसलिये ऐसा संभव है कि कर्नाटक के सन्निकट चुनावों में उनसे प्रचार करने के लिये कहा जाये तथा उसके बाद, उन्हें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा तेलंगाना में भी प्रचार का दायित्व सौंपा जाये। इस प्रकार निकट भविष्य में सिद्धू को पंजाब से बाहर रखे जाने की संभावना है।

- सिद्धू के दस महीने के जेल प्रवास में कांग्रेस ने पंजाब में नये पी.सी.सी. अध्यक्ष अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग तथा नये विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के नेतृत्व में टीम विकसित कर ली है तथा कांग्रेस इस टीम को ''डिस्टर्ब'' नहीं करना चाहेगी।
- कांग्रेस सिद्धू को पहले कर्नाटक व बाद में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में जरूर उपयोग करेगी।

अचानक सऊदी अरब ने अपना क्रूड ऑयल प्रोडक्शन घटाने की घोषणा की

अन्य ओपेक देशों ने भी इस मामले में सऊदी अरब के साथ खड़े होते हुए अपना ऑयल प्रोडक्शन घटाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। सऊदी अरब द्वारा तेल के उत्पादन मे अचानक से कटौती किए जाने के निर्णय से दुनिया अचानक से एक गंभीर संकट में आ गई है। सऊदी अरब के इस निर्णय के साथ ही ऑर्गनाइजेशन ऑफ पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कन्ट्रीज़ (ओ.पी.ई.सी.) व उसके अन्य सदस्य देशों ने भी अपने-अपने उत्पादन में इसी अनुरूप कमी करने की घोषणा की है।

तेल के वैश्विक उत्पादन में कुल कमी का आकलन प्रयोगात्मक रूप में 2 मिलियन बैरल प्रतिदिन का किया जा रहा है, जो कि वैश्विक मांग का 2 प्रतिशत है। तेल की कीमतें आज वैश्विक बाजारों में करीब 5.5 प्रतिशत तक बढ़ीं।

ऑयल मार्केट विशेषज्ञों को आशंका है कि इस वर्ष के अन्त तक तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं। इसके मायने भारत के साथ ही दुनिया के लिए बेचैन करने वाले हो सकते हैं। इससे वैश्विक बाजारों में स्थायित्व की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। केन्द्रीय बैंक का विकार अब यह है कि पहले ब्याज दरों में वृद्धि के काम को कभी-कभी रोका गया, ताकि आर्थिक रिकवरी अवरूद्ध ना हो। तथापि, तेल की कीमत वृद्धि और सामान्य वस्तुओं की कीमत पर पड़नें वाले इसके असर की आशंका इतनी अधिक है, कि केन्द्रीय बैंकों को अपने नरम रूख पर पुनर्विचार करना पड़ेगा।

तथापि, इन सतही घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में अमेरिका और सऊदी अरब के बीच बढ़ते रूखे संबंध हैं।

तेल उत्पादन में कटौती के इस वक्त लिए गए निर्णय की अमेरिका ने यह कहते हुए कड़ी आलोचना की है कि तेल की कीमतों में अपरिहार्य रूप से हुई वृद्धि से रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने के लिए संसाधन उपलब्ध हो जाएंगे। इससे पहले, जब सऊदी अरब ने पिछले वर्ष अक्टूबर माह में अपने तेल उत्पादन में थोड़ी कटौती की थी तब अमेरिका ने इसी भांति उस निर्णय का विरोध करते हुए सऊदी अरब को धमकी दी थी कि वह इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

अब अमेरिकी प्रशासन इस पर विचार कर रहा है कि सऊदी अरब के लिए हथियारों और रणनीतिक सिस्अम्स की बिक्री में अच्छी-खासी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- रूस भी इस घटनाक्रम से काफी प्रसन्न है तथा उसने भी अपने क्रूड ऑयल प्रोडक्शन में उतनी ही कटौती करने की घोषणा की, जितना प्रोडक्शन सऊदी अरब ने कम किया है।
- रूस खुश इसलिये है कि, अब उसके क्रूड ऑयल के दाम अपने आप बढ़ेंगे और अपनी क्रूड ऑयल की बिक्री से बढ़े रैवेन्यु के कारण, वो अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाये गये प्रतिबंधों को आसानी से झेल पायेगा तथा यूक्रेन की लड़ाई को आसानी से लंबे समय तक लड़ पायेगा।
- गत अक्टूबर में भी सऊदी अरब ने प्रोडक्शन घटाने की बात कही थी, पर, अमेरिका के आर्थिक व राजनीतिक दबाव के कारण, पीछे हट गया था।
- पर, अब चीन द्वारा सऊदी व ईरान के बीच ''दोस्ती'' करवा देने से, व चीन व रूस के सर्वविदित संबंधों के साये में सऊदी अरब काफी मजबूती महसूस कर रहा है तथा अमेरिका के दबाव को नकार रहा है।

राजेन्द्र राठौड़ दिल्ली में प्र.मंत्री मोदी से मिले

जयपुर, 3 अप्रेल (का.सं.)। भाजपा के नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सोमवार को दिल्ली गए। दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसी के साथ राठौड़ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और नेताओं से भी मुलाकात की।

राठौड़ ने लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, स्पीकर ओम बिड़ला, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व अन्य प्रमुख केन्द्रीय नेताओं से भी मुलाकात की।

विचार बिन्दु

ज्ञानी जन विवेक से सीखते हैं, साधारण मनुष्य अनुभव से,
अज्ञानी पुरुष आवश्यकता से और पशु स्वभाव से। –कौटिल्य

आवश्यकता कानून की नहीं, व्यवस्था सुधारने की है

गत 15 दिनों से पूरे राजस्थान के निजी चिकित्सक हड़ताल पर हैं और इनका आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है । इस आंदोलन का एक ही उद्देश्य है, राजस्थान विधानसभा द्वारा पारित "स्वास्थ्य का अधिकार कानून" को निरस्त करवाना। यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार द्वारा यह कानून कई स्तर पर विचार-विमर्श के बाद बनाया गया। विधान में इससे संबंधित बिल प्रस्तुत किया गया था जिसे विस्तृत चर्चा हेतु प्रवर समिति को सौंप दिया गया। इस समिति में सत्ता और विपक्ष दोनों के विधायक सम्मिलित थे। इस समिति द्वारा निजी चिकित्सकों एवं अन्य संस्थाओं से विचार विमर्श के पश्चात अपनी रिपोर्ट विधानसभा अध्यक्ष को सौंपी गई। उसके बाद सरकार ने इसे संशोधित रूप में "स्वास्थ्य का अधिकार बिल" के रूप में विधानसभा में प्रस्तुत किया और जिसे बहस के बाद पारित किया गया । इस कानून का प्रमुख उद्देश्य राजस्थान के सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना बताया गया है।

राजस्थान के सभी निजी चिकित्सकों की हड़ताल के कारण राज्य के मरीजों को राज्य के बाहर जाकर इलाज कराना पड़ रहा है, क्योंकि सरकारी अस्पताल इतना अतिरिक्त भार वहन करने में सक्षम नहीं हैं। परोक्ष रूप से राजस्थान के सरकारी चिकित्सकों का भी समर्थन इस आंदोलन को प्राप्त हो रहा है।

हड़ताली चिकित्सकों ने एक विशाल रैली का आयोजन जयपुर में किया और अपनी एकजुटता तथा शक्ति का प्रदर्शन किया । ध्यान देने योग्य है कि विधानसभा में बिल प्रस्तुत होने के पूर्व ही आंदोलन प्रारंभ हो गया था और सरकार ने चिकित्सकों के प्रतिनिधियों से वार्ता की और उन्हें बिल में संशोधन के आश्वासन भी दिए। अब जो कानून बना है ,वह इसी वार्ता के अनुरूप बनाया गया । इसके पश्चात भी जब निजी चिकित्सकों द्वारा लगातार हड़ताल की जा रही है और किसी भी प्रकार का इलाज निजी चिकित्सालय में नहीं हो रहा है जिसके कारण राज्य के नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हो रहे हैं तो यह विचार करना आवश्यक है कि इस कानून का इतना विरोध क्यों किया जा रहा है?

यह जानना उपयोगी होगा कि राज्य में जितने मरीजों का इलाज होता है उनमें से लगभग दो तिहाई का निजी चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।

निजी चिकित्सालय दो प्रकार के हैं, एक तो ऐसे जो स्वयं चिकित्सकों द्वारा संचालित होते हैं और अन्य ऐसे जो बड़े कॉर्पोरेट घरानों के द्वारा संचालित किए जाते हैं। निजी चिकित्सालय जो बड़े उद्योगपतियों द्वारा संचालित किए जाते हैं उनमें किस प्रकार चिकित्सकों को आय का लक्ष्य दिया जाता है, यह सर्व ज्ञात है। जो चिकित्सक ऐसा नहीं करना चाहते उन्हें शीघ्र ही बाहर कर दिया जाता है। इस स्थिति का चित्रण प्रभावी रूप से, दो हिन्दी फ़िल्मों, 'गब्बर इज बैक' तथा 'अंकुश अरोड़ा मर्डर केस' में किया गया है। निजी चिकित्सालयों, विशेषकर कॉर्पोरेट हॉस्पिटल के बारे में धारणा बनाने में इस प्रकार की फिल्में सहायक होती हैं। 'गब्बर इस बैक' नामक फिल्म में दिखाया गया कि किस प्रकार एक मृत व्यक्ति को निजी अस्पताल में भर्ती कर लिया जाता है और वहां के चिकित्सक कैसे उसके इलाज का नाटक करके बड़ी धनराशि मृतक के रिश्तेदार से वसूल करते हैं, और बाद में यह कह दिया जाता है कि मरीज को नहीं बचाया जा सका। इसी प्रकार, दूसरी फिल्म में अपनी अस्पताल की गलती को छुपाने के लिए कैसे रिकॉर्ड में हेराफेरी की जाती है एवं किस प्रकार प्रयोगशालाओं को अपने पक्ष में रिपोर्ट देने हेतु मजबूर किया जाता है, इसका विस्तृत चित्रण है। सम्भव है, यह दोनों फिल्में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर स्थिति का वर्णन करती हों, लेकिन निजी चिकित्सकों एवं चिकित्सालय द्वारा शोषण के अनुभव नियमित रूप से समाचार पत्रों के माध्यम से सामने वैसे भी आते रहते हैं कुल मिलाकर निजी चिकित्सकों के प्रति इसी आधार पर अवधारणा बनती है ।

यह सही है कि बिना निजी चिकित्सालय की सहायता के राज्य की पूरी स्वास्थ्य सेवाओं का भार सरकारी अस्पतालों द्वारा वहन किया जाना संभव नहीं है। एक और जन धारणा यह है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज कराना बहुत टेढ़ी खीर है । वहां पर न तो सफाई होती है ना सही तरह से व्यवहार किया जाता है। इसलिए कई बार साधारण परिवारों के व्यक्ति भी सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने के स्थान पर निजी चिकित्सालय का रुख करते हैं। ऐसी परिस्थिति में नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने में निजी चिकित्सालयों के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता । "स्वास्थ्य का अधिकार कानून" में यह प्रावधान किया गया कि आपातकालीन परिस्थिति में कोई मरीज चिकित्सालय में लाया जाता है तो पैसे के अभाव में उसका इलाज करने से मना नहीं किया जाएगा। इस खर्चे का भुगतान निर्धारित दरों पर राज्य सरकार द्वारा बाद में किया जाएगा। मरीज को स्थिर होने के बाद, संबंधित अस्पताल में पहुंचाने की जिम्मेदारी भी निजी चिकित्सकों पर डाली गई है ।

सब लोग जानते हैं कि कानून आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है । लोगों को अच्छे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से, आशा की जानी चाहिए कि दोनों पक्ष विवेकपूर्ण निर्णय लेकर संवाद के माध्यम से इस समस्या से राजस्थान की जनता को इस संकट से मुक्ति दिलाएंगे।

जब से निजी चिकित्सा सेवा में बड़े कॉर्पोरेट घरानों का प्रवेश हुआ है तब से यह एकदम व्यवसायिक रूप ले चुका है ।कई निजी चिकित्सक न चाहते हुए भी कॉर्पोरेट मालिकों के निर्देशानुसार अनावश्यक जांच कराने, अनावश्यक रूप से मरीज को आईसीयू में भर्ती करने हेतु मजबूर हो जाते हैं। वास्तविक आवश्यकता तो इस प्रकार की अनैतिक, शोषणकारी प्रवृत्तियों पर रोक लगाने की है, न कि कानून बनाने की। यह काम तो सरकार अभी तक नहीं कर पाई है जबकि इससे संबंधित संसद से 2010 में ही पारित हो चुका है।

इस पूरे विषय पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी चिकित्सा व्यवस्था का नाकारापन ही मरीजों को निजी चिकित्सालयों की ओर धकेल रहा है। सरकार यदि अपने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज के अस्पताल सुचारू रूप से चलाना प्रारंभ कर दें तो कोई कारण नहीं कि कोई भी नागरिक निजी अस्पतालों में इलाज कराएगा । सरकार जहां अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने में तो असफल रही है वहीं कानून के माध्यम से निजी अस्पतालों को अपने अंकुश में लाने का जो प्रयास कर रही है, वह एक प्रकार से अपनी कमी को दूसरों पर थोपने जैसा लगता है। हां, यदि सरकार अपनी व्यवस्था बहुत अच्छी कर लेती तो फिर नागरिक के पास विकल्प होता कि वह निजी चिकित्सालय में जाए अथवा नहीं । यह भी उल्लेखनीय है के अधिकांश निजी चिकित्सालय एवं कारपोरेट हॉस्पिटल में सरकारी अस्पतालों से सेवानिवृत्त चिकित्सक अथवा सरकार से समय से पूर्व सेवानिवृत्ति लेकर, चिकित्सक काम कर रहे हैं । स्पष्ट है कि इन चिकित्सकों का अनुभव अन्य की अपेक्षा बेहतर होता है। कई बड़े सरकारी चिकित्सकों द्वारा निजी चिकित्सालय मैं जाकर ऑपरेशन किए जाते हैं ।

वर्तमान में राज्य के अनेक निजी चिकित्सालयों ने अपना पंजीकरण चिरंजीवी योजना और आर जी एच एस के लिए करा रखा है, जिससे मरीजों को निजी चिकित्सालय में निशुल्क चिकित्सा प्राप्त होती है ।यह समझ से परे है कि राज्य की योजनाओं के अंतर्गत सरकारी चिकित्सालय में निशुल्क चिकित्सा सुविधा वर्तमान में अभी भी उपलब्ध है तो फिर यह कानून लाने की क्या आवश्यकता हुई? आवश्यकता तो इस बात की वर्तमान योजनाओं की है कि क्रियान्वित को सुधारा जाए एवं उनमें आने वाली दिक्कतों को दूर किया जाए। जैसा कि ऊपर लिखा है सरकारी अस्पतालों को बहुत स्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाला बनाया जाए एवं उनका प्रबंधन भी दक्षता के साथ किया जाए। निजी चिकित्सालयों का अनुभव विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत सरकार से राशि पुनर्भरण के संबंध में बहुत अच्छा नहीं रहा है। इस कानून के माध्यम से सरकारी अधिकारियों का जोर राज्य के नागरिकों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर कम, निजी चिकित्सकों एवं निजी चिकित्सालय पर अंकुश लगाकर उन्हें परेशान करने पर अधिक होगा ।

वास्तव में आवश्यकता नए कानून की नहीं अपितु वर्तमान व्यवस्था को सुधारने की है। इस कानून से राज्य के नागरिकों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो पाएगी, यह संदेहास्पद है। "शिक्षा का अधिकार कानून" लागू होने के 12 साल भी बाद शिक्षा की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है। अनेक प्रकार के कानून निजी चिकित्सकों पर पहले से लागू हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत सेवा में कमी होने पर अस्पताल को जिम्मेदार ठहराया जा कर उससे क्षितपूर्ति कराई जा सकती है। मरीज और डॉक्टर का रिश्ता विश्वास पर आधारित होता है। इस नए कानून के आने के बाद इस रिश्ते की नींव कमजोर होगी ।सरकार को यह चाहिए कि वह नए कानून पर अधिक बल देने के बजाय सरकारी सुविधाओं को सुधारने पर काम करे। संसाधनों की कमी का बहाना सरकार को नहीं बनाना चाहिए। किसी भी सरकार के लिए, विशेषकर कल्याणकारी सरकार के लिए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था सुनिश्चित करना पहला दायित्व है। इस दायित्व की पूर्ति के लिए निजी अस्पतालों पर अंकुश लगाने का रास्ता विवेकशील नहीं कहा जा सकता । होना तो यह चाहिए कि गलत तरीके अपनाने वाले निजी चिकित्सकों पर चिकित्सा से संबंधित नियामक संस्थाएँ त्वरित कठोर कार्यवाही करे। ऐसा होने पर जनता को विश्वास होगा उसका शोषण नहीं किया जाएगा, न तो उसे महंगी दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर किया जायेगा न अनावश्यक जांच हेतु कहा जाएगा। जब ऐसा होता हुआ दिखेगा तो स्वत: ही निजी चिकित्सालयों के प्रति जो धारणा बन गई है उसमें बदलाव आएगा।

चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था के ऊपर भी सरकार को ध्यान देना होगा । वर्तमान में निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ने पर बहुत बड़ी धनराशि व्यय करनी होती है । पढ़ाई पूरी करने के बाद पहला उद्देश्य इस बड़ी धनराशि को वसूल करने का हो जाता है और उसका भार अंतत: साधारण नागरिकों को ही वहन करना होता है। सरकार को अपनी व्यवस्था को इस प्रकार से बनानी होगी कि चिकित्सा शिक्षा पर अत्यधिक खर्च नहीं करना पड़े और एक मध्यमवर्गीय साधारण परिवार का विद्यार्थी भी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके समाज में योगदान दे सके।

इस पूरे प्रकरण में जहां सरकार को संवेदनशील रुख अपनाने की आवश्यकता है, वहीं जो निजी चिकित्सक हड़ताल पर हैं उन्हें भी तत्काल अपनी हड़ताल समाप्त कर वार्ता के जरिए सरकार पर दबाव बनाना चाहिए, अन्यथा जनता का समर्थन भी चिकित्सकों को नहीं मिलेगा। जब जनता परेशान होगी तो वह इस हड़ताल को बंद कराने हेतु स्वयं सड़कों पर उतर सकती है । तब जो स्थिति बनेगी वह दुर्भाग्यपूर्ण होगी। दोनों पक्षों से अपेक्षा है कि वह राज्य के नागरिकों के हित में इसका एक हल संवाद के माध्यम से निकाले। राज्य सरकार इस बात पर प्रसन्न हो सकती है कि ऐसा कानून बनाने वाला देश में राजस्थान पहला राज्य है। सब लोग जानते हैं कि कानून आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है । लोगों को अच्छे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से, आशा की जानी चाहिए कि दोनों पक्ष विवेकपूर्ण निर्णय लेकर संवाद के माध्यम से इस समस्या से राजस्थान की जनता को इस संकट से मुक्ति दिलाएंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मोटा अनाज-भविष्य की मांग पूरी करने की रणनीति बनानी होगी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

2018 में जब मोटे अनाज को पोषक अनाज घोषित कर प्रमोट करने का अभियान चलाया गया हालांकि तब पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि संयुक्त राष्ट्र संघ मोटे अनाज के महत्व को समझते हुए 2023 को इंटरनेशनल मिलेट ईयर घोषित कर देगा। यह भी नहीं लगता था कि दुनिया के देश इतनी जल्दी मोटे अनाज के प्रति जागरुक होंगे। दरअसल जिस तरह से हमारे खान-पान के चलते एक के बाद एक बीमारियों से दो चार होने लगे हैं ऐसे में मोटा अनाज एक बेहतर विकल्प के रुप में उभरा है। पर जिस तरह से अभियान चलाकर मोटे अनाज को प्रमोट करने का अभियान चलाया गया है तो देश विदेश में मोटे अनाज का गुणगान होने लगा है। मोटापा, डायबिटीज, विटामिन्स की डेफिसिएंसी, बढ़ती हार्ट डिजिजेज, एनिमिया, डाइजिनेशन प्राब्लम, कैल्शियम की कमी या यों कहें कि अच्छा खाने के बाद भी खोखले होते शरीर के कारण केमिकल्स पर आधारित दवाओं से अलग हटकर अब लोग मोटे अनाज में विकल्प खोजने लगे हैं। हांलाकि यह तो शुरुआत है और सफर लंबा और कठिनाइयों से भरा है। हमें अभी से भविष्य की मांग पूरी करने की रणनीति बनानी होगी।

दरअसल साठ के दशक तक हमारे यहां खासतौर से गांवों का मुख्य भोजन मोटा अनाज ही रहा है। 1960 के दशक में बार बार अकाल के चलते खाद्यान्न संकट के विकल्प के रुप में हरित क्रांति का दौर आरंभ हुआ और ऐसे में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना पहली प्राथमिकता बनी। हालाकि यह समय की मांग भी थी तो आवश्यकता भी। इस तरह से गेहूं को प्रमुख विकल्प माना गया। इसके बाद एक ओर गेहूं के आयात, गेहूं के उत्पादन बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने के नाम पर रासायनिक उर्वरकों का दौर शुरु हुआ। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रचार तंत्र को एग्रेसिव किया गया और आज हमारे कृषि वैज्ञानिकों, नीति नियंताओं और अन्नदाता की मेहनत से देश खाद्यान्न को लेकर आत्मनिर्भर बन गया है। यहां तक कि कोरोना त्रासदी से लेकर अब तक जरुरतमंद लोगों तक नि:शुल्क खाद्यान्न की उपलब्धता बड़ा सहारा बनी है। हरित क्रांति समय की मांग थी और आज भी है। हांलाकि आज दुनिया के देश तेजी से ओरगेनिक खेती और परंपरागत खेती पर जोर देने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से उर्वरा शक्ति प्रभावित होने के साथ ही जहरीले कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव को भी देखा जाने लगा है।

मोटा अनाज एक समय हमारा प्रमुख भोजन होता था। आज भी दुनिया में कुल उत्पादित मोटे अनाज में हमारे देश की भागीदारी 41 प्रतिशत है। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि प्रमुख राज्य है। आज मोटे अनाज के निर्यात में भी भारत प्रमुख देश है। हमारे देश से गए साल 2.69 करोड़ डॉलर का मोटा अनाज अमेरिका को निर्यात किया गया है। मोटे रुप से 13 प्रकार के अनाज को मोटे अनाज के रुप में माना जाता है। इनमें से प्रमुख रुप से 8 अनाजों बाजरा, रागी, कुटकी, संवा, ज्वार, कंगनी, चेना और कोंदों को माना जाता है। 2020 में देश में 1.2 करोड़ मेट्रिक टन उत्पादन रहा है। मोटे अनाज को प्रमोट करने के विश्वव्यापी प्रयास आरंभ हो गए हैं। युवा एंटरप्रोन्योर स्टार्टअप्स के माध्यम से आगे आ रहे हैं। लोगों को मिलेट रेसिपी भाने भी लगी है। लोग इनके महत्व को समझने लगे हैं। एक समय था जब घर पर मेहमान आने पर ही गेहूं की चपाती बनती थी। मोटा अनाज धीरे धीरे पर्दे के पीछे चला गया और मोटे अनाज का उत्पादन और उपयोग दोनों ही प्रभावित हुए। यह सब तो तब रहा जब कि बाजरा आदि मोटे अनाज के खेती करने पर कम पानी और कम लागत आती है तो दूसरी और मोटा अनाज प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्द्धक तत्वों से भरपूर रहे हैं और इनकी उपयोगिता को आज वैज्ञानिक सिद्ध कर रहे हैं। दरअसल हम जिस तरह से विकास के नाम पर प्रकृति से दूर होते गए वैसे वैसे ही प्राकृतिक तत्वों से भरपूर चीजें हमारी प्राथमिकता से दूर होती गई। अन्यथा प्रकृति स्वयं तय करती रही है। और मौसम के अनुसार फसलों के पैदावार तय रही है। मौसम के अनुसार खेती होने से फसलों के तासीर भी पैदावार पक कर बाजार में आने के बाद उसके उपयोग से तय होती रही है। मोटा अनाज खासतौर से बाजरा खरीफ की प्रमुख फसल है। अब आसानी से समझा जा सकता है कि खरीफ की फसल पक कर तैयार हो जाती है तो उस समय तक सर्दी का मौसम आरंभ हो जाता है। सर्दी में बाजरा कितना स्वास्थ्य वर्द्धक होता है इसको बताने की आवश्यकता नहीं है तो गरमी में बाजरे की राबड़ी की अपनी पहचान से हैं। समय का बदलाव देखिए कि गॉव-गरीब का भोजन आज पंच सितारा होटलों के प्रमुख व्यंजन बन चुका है। शादियों में बाजरे की खिचड़ी या छाछ राबडी प्रमुखता से परोसी जाने लगी है तो इसका मतलब भी समझना होगा। अब कृषि वैज्ञानिकों के सामने नई चुनौती है और वह यह है कि मोटे अनाज की उन्नत व गुणवत्तापूर्ण किस्में विकसित करनी होगी, शोध और अनुसंधान को बढ़ाना होगा और किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक प्रेरित करनी होगी। मोटे अनाज को जब हम एक बार फिर से भविष्य का अनाज देख रहे हैं तो फिर हमें देश दुनिया में मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने के समन्वित प्रयास करने होंगे। भविष्य की मांग को समझना होगा।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

अरावली की वादियों में निखर रहा "बरना ट्री" का सौंदर्य

उदयपुर, (कासं)। समृद्ध जैव विविधता वाले मेवाड़ अंचल में छितराई अरावली की वादियों में इन दिनों पीली, सफेद और हल्की हरी आभा के साथ एक आकर्षक पेड़ सम्मोहित करता प्रतीत हो रहा है, अनूठे सौंदर्य से युक्त यह वृक्ष "बरना ट्री" है। समृद्ध सांस्कृतिक महत्व, विविध उपयोगों और कठोर प्रकृति के लिए सबसे अलग माने जाने वाले बरना ट्री को क्रेटविया रिलिजियोसा या गार्लिक पीयर ट्री के नाम से भी जाना जाता है। यह पेड़ भारत का मूल निवासी है और देश के विभिन्न हिस्सों में बहुतायत में पाया जाता है।

पर्यावरणीय विषयों के जानकार इंद्रजीत माथुर बताते हैं कि बरना वृक्ष एक मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष है, जिसकी औसत ऊँचाई 10 से 20 मीटर तक होती है। यह एक सीधे, बेलनाकार ट्रंक और घने पत्ते के साथ एक व्यापक मुकुट की विशेषता है। पेड़ की पत्तियाँ गहरे हरे रंग की और चमकदार होती हैं और छाल हल्के भूरे रंग की, खुरदरी बनावट वाली होती है। बरना वृक्ष के फूल छोटे और पीले रंग के होते हैं, और ये बसंत के मौसम में गुच्छों में खिलते हैं। पेड़ एक छोटा फल पैदा करता है जो हरे रंग का होता है और इसमें कठोर, लकड़ी का खोल होता है। इसके फल में लहसुन जैसी गंध होती है, और इसलिए इस पेड़ को लहसुन नाशपाती के पेड़ के रूप में भी जाना जाता है।

पर्यावरण प्रेमी जेपी श्रीमाली व सौरभ राठौड़ के अनुसार बरना वृक्ष सदियों से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। यह हिंदू धर्म में एक पवित्र वृक्ष माना जाता है और इसकी पत्तियों और फूलों का उपयोग विभिन्न धार्मिक समारोहों और अनुष्ठानों में किया जाता है। पेड़ अपने औषधीय गुणों के लिए भी जाना जाता है और पेड़ के विभिन्न भागों का उपयोग पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। पेड़ की छाल पेचिश और दस्त के लिए एक उपाय के रूप में उपयोग की जाती है, जबकि फल यकृत और हृदय के लिए टॉनिक के रूप में उपयोग किया जाता है। पेड़ की पत्तियों का उपयोग त्वचा रोगों और कीड़ों के काटने के इलाज के लिए किया जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार अपने सांस्कृतिक और औषधीय महत्व के अलावा, बरना वृक्ष के कई अन्य उपयोग हैं। पेड़ की लकड़ी कठोर और टिकाऊ होती है और इसका उपयोग फर्नीचर, कृषि उपकरण और विभिन्न घरेलू सामान बनाने के लिए किया जाता है। पेड़ की पत्तियों का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में किया जाता है, और फलों का उपयोग पक्षियों और छोटे जानवरों के भोजन के स्रोत के रूप में किया जाता है। पेड़ का उपयोग मिट्टी के संरक्षण के लिए भी किया जाता है, और यह उस मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने के लिए जाना जाता है जिसमें यह बढ़ ता है।

अपने सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व के अलावा, बरना वृक्ष की पर्यावरण में महत्वपूर्ण भूमिका है। यह एक कठोर पौधा है जिसे कम पानी की आवश्यकता होती है और यह उच्च तापमान को सहन कर सकता है। यह छाया का भी एक अच्छा स्रोत है और मिट्टी के कटाव को कम करने में मदद करता है। पेड़ पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक है और विभिन्न पक्षियों और जानवरों के लिए आवास प्रदान करता है। क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बेहतर बनाने में मददगार इस पेड़ पर 1981 में, भारतीय डाक विभाग ने एक डाक टिकट जारी किया था, जिसमें इसके सांस्कृतिक और पारिस्थितिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। राज्य सरकार द्वारा भी इसे दुर्लभ वृक्ष की श्रेणी में रखा है।

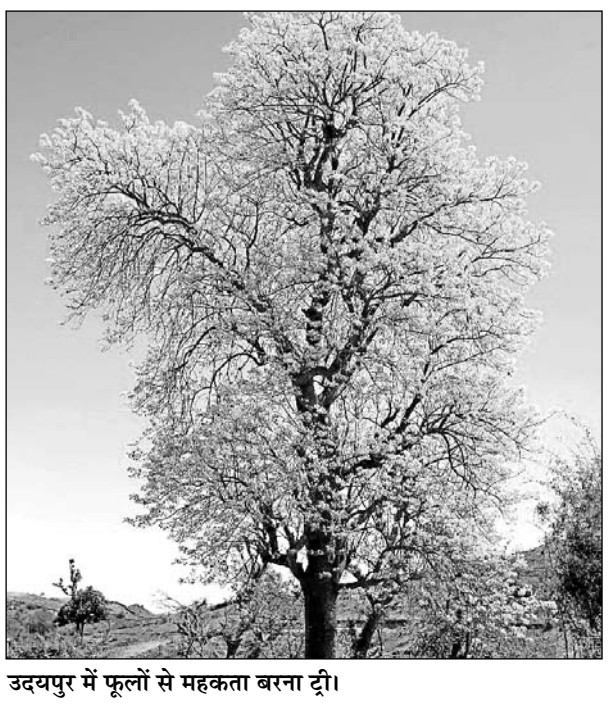

उदयपुर में फूलों से महकता बरना ट्री।

श्री महावीरजी में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया

श्री महावीरजी, (निसं)। सोमवार को महावीर जयंती बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रात:काल श्री जी का अभिषेक मुनि 108 चिन्मयानंद जी सागर महाराज के सानिध्य में पंडित मुकेश जैन शास्त्री द्वारा शांतिधारा मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ किया गया।

प्रात: छह बजे कटला प्रांगण से दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं व शांति नगर गुरुकुल के छात्रों द्वारा जैन धर्म का जयघोष करते हुए वह केसरिया ध्वज लहराते हुए अहिंसा परमो धर्म के नारे लगाते हुए प्रभात फेरी जुलूस मेन मार्केट होते हुए मुख्य मंदिर पहुंचा जहां पर कटला प्रांगण में झंडारोहण किया गया। कटला प्रांगण से जल यात्रा जुलूस बैंड बाजों के साथ निकाला गया जिसमें आगे आगे केसरिया ध्वज लहराते हुए छात्राएं चल रही थी एवं चंदनबाला महिला मंडल व सृष्टि महिला मंडल आदि जैन समाज के गणमान्य लोगों द्वारा गाजे-बाजे के साथ विश्व वंदनीय शासन नायक जियो और जीने दो का संदेश देने वाले भगवान महावीर शोभायात्रा निकली तो जय महावीर का जयघोष गुंजायमान हो उठा। जल यात्रा जुलूस मुख्य मंदिर कटला प्रांगण से मेन मार्केट होते हुए बगीची पहुंचा। जहां पर श्रीजी के कलशों की बोली लगाई गई। तत्पश्चात जल यात्रा जुलूस मुख्य मंदिर पहुंचा। श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं एवं शांति नगर गुरुकुल के छात्रों मोदक वितरण किए गए।

दोपहर चार बजे बजे मुख्य अतिथि द्वारा जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक नारायण टोंगस का मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल व मानद मंत्री महेंद्र कुमार पाटनी, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी ने माला पहना कर तिलक लगाकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने प्रदर्शनी का फीता काटकर दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन व प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी प्रांगण पर दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, कृत्रिम पैर, बैसाखी, कैलीपर्स तथा असमर्थ एवं विधवा महिलाओं को हाथ की सिलाई मशीनें वितरित की गई।

प्रदर्शनी के दौरान जिला कलेक्टर व एसपी ने दिव्यांगों को ट्राई साईकिल भेंट की।

राशिफल मंगलवार 4 अप्रैल, 2023

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रात: 9:36 तक, वृद्धि योग रात्रि 3:38 तक, तैतिल करण प्रात: 8:05 तक, चन्द्रमा सांय 4:05 पर कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज शिवदमनक चतुरदशी, नृसिंह दोलोत्सव, महावीर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:26 से 10:59 तक, लाभ-अमृत 10:59 से 2:04 तक, शुभ 3:37 से 5:09 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:19, सूर्यास्त 6:41

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं और समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर
परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मानसिक बीमार व्यक्ति ने आत्महत्या की

सादुलपुर, (निसं)। गुगलवा गाँव निवासी एक मानसीक रूप से बीमार 5० वर्षीय व्यक्ति ने रेलगाडी से कटकर आत्महत्या कर ली। जिसकी हमीरवास थाना में मर्ग दर्ज करवाई गई है। थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि सोनू पुत्र हजारीलाल जाति सुनार निवासी गुगललवा तहसील राजगढ ने लिखित रिपोर्ट देकर मामला दर्ज करवाया है कि उसके चाचा कबूल पुत्र गणपत राम निवासी गुगलवा थाना हमीरवास जिला चूरू जो काभी समय से मानसिक रूप से बिमार रहते थे कि 3 अप्रेल को सुबह करीब 6 बजे रेलगाडी के आगे आने से मृत्यू हो गई। घटना की मिली सूचना पर मृतक के भतिजे ने बताया कि उसने तथा लीलाराम सोनी मेहर सोनी, मोतीलाल सोनी रिश्तेदार सुरेन्द्र सोनी व सरपंच ने मौके पर आये तथा उनके चाचा कबुल का शव क्षत विक्षत अवस्था में था तथा शव को रामपुरा बेरी रेल्वे स्टेशन पर लाया गया। सोनू ने बताया कि उसके चाचा कबूल की मृत्यू पर उन्हें कोई शक सुबा नहीं है। वहीं हमीरवास थाने के एएसआई गोरूराम प्रजापत ने घटना स्थल को मौका निरीक्षण किया तथा मृतक कबुल पुत्र गणपतराम का शव उनको सौंप दिया गया।

केन्द्र सरकार तमाम मोर्चे पर विफल: हाजी मकबूल मंडेलिया

- 9 अप्रैल को दादाबाड़ी चूरू में होने वाली रोजा इफतारी के संबंध में कार्यकर्ताओं से चर्चा की

चूरू, (कासं)। शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में पूर्व विधायक हाजी मकबूल मंडेलिया ने कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक ली। मंडेलिया ने शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर व देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू की अध्यक्षता में हुई बैठक में 9 अप्रैल को दादाबाडी चूरू में होने वाली रोजा इफतारी के संबंध में कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

चर्चा के दौरान राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक हाजी मकबूल मण्डेलिया ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार तमाम मोर्चे पर विफल हो गयी है और पुन: सता पाने के लिए तानाशाही पर उतर गयी है। मण्डेलिया ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ किये गये षड्यंत्र को जनता देख रही है तथा आने वाले चुनाव में सबक सिखायेगी। उन्होंने विधायक राजेंद्र राठौड को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इसका कोई लाभ चूरू में नहीं मिलने वाला है। पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने 4 साल के कार्यकाल में मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, शहरी रोजगार गारंटी योजना एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी कई योजनाएं शुरू की है जो कि प्रदेश की जनता के लिए वरदान साबित हो रही है।

सभापति पायल सैनी ने कहा कि राठौड ने चरू नगर परिषद के खिलाफ नकारात्मक प्रचार करने के अलावा कोई काम नही किया है। पंचायत समिति प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया ने कहा कि युवा कार्यकर्ता कांग्रेस की रीति-नीति और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता मोहम्मद हुसैन निर्वाण, आदूराम न्यौल, नगर अध्यक्ष असलम अखाण, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नारायण बालाण, जिला परिषद सदस्य कमला पूनियां, मंडल अध्यक्ष नौसाद खान अलमाण, ओमप्रकाश बाकोलिया, हमीद रिसालदार, मूलचंद जांगिड, विकास कडवासरा, सुनीता जांगिड, मजीद खां राणासर, रामेश्वर नायक, विमल शर्मा, अजय दाधिच, सोहनलाल मेघवाल, राजीव बहड, निरज शर्मा, जंगशेर खां भूहान, किरोडीमल मीणा, बरकत खां, डूंगरसिंह, देहात संयोजक आरिफ रिसालदार, अली मोहम्मद भाटी, असलम खान मोयल, ओम गोदारा, लोकेश सैनी, कुरडाराम भाकर, गोकुल शर्मा, विधाधर माहिच, यासीन खां, महावीर सुण्डा, अजीज दिलावरखानी, रणजीत सहारण, इस्माईल भाटी, भंवर सिंह, तारीक नागौरी, शाहरूख खान, नरपत सिंह, संजय भाटी, समीउल्लाह, श्योचन्द प्रजापत, आबीद जाबासरिया, जंगशेर खां सरपंच, अनीश खां, भरत सिंह, शकुर शेख, विकास मावर, आरिफ कुरैशी, दिनेश श्योराण, जमील खिलजी, बुलेशाह, बाबु मंत्री, परमेश्वर ढाका, याकूब पिनारा, रामचन्द्र प्रजापत, उस्मान लुहार, दीपक सिहाग, बनवारी लाल, इस्तियाक खान, लालचन्द सैनी, राजेन्द्र रणवां, खालीद कुरैशी, किशनाराम बाबल, चन्द्रप्रकाश सैनी, विकास कडवासरा, शिवकुमार शर्मा, मनीष कुमावत, पेमराज गेट, बुन्दू लुहार, सतार खटीक, ईकबाल सब्जीफिरोस, सतार पावटीया, सुभाष मिश्रा, हरफूल भाम्भू, रामसिंह पूनियां, नवाब खां, सद्दाम हुसैन, विनोद शर्मा सहित सैकडों कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का सफल संचालन लिलाधर चुलैट व शाहीद गौरी ने किया।

एक ही डॉक्टर के सहारे अस्पताल

बिसाऊ, (निसं)। कस्बे के जटिया अस्पताल में आज सोमवार को मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिली क्योंकि एक ही डॉक्टर के सहारे सभी मरीजों को देखा जा रहा था करीब 1 घंटे बाद रोगियों का देखने का नंबर आ रहा था जिसे रोगियों में अच्छा खासा रोष दिखाई दे रहा था रोगी डॉक्टर से नाराज दिखाई दे रहे थे बताया जा रहा है कि अस्पताल में 7 डॉक्टरों की ड्यूटी है फिर भी एक डॉक्टर के सहारे अस्पताल में रोगियों को देखा जा रहा था आज प्रात: 9:00 से 11:00 का समय ओपीडी का था जिसमें 11:00 बजे तक सभी रोगियों को डॉक्टर ज्योति नहीं दे पाई जिससे रोगियों में रोष व्याप्त दिखाई दिया रोगियों ने कहा कि इतना बडा अस्पताल होने के बावजूद भी एक डॉक्टर सभी रोगियों को देख रहा है रोगियों ने यहां तक बताया कि सभी डॉक्टर एक ही रूम में बैठकर रोगियों को देखते हैं जबकि सभी के चेंबर अलग-अलग बने हुए हैं अपनी मनमर्जी कर रहे हैं डॉक्टर से रोगी परेशान है ऐसा कुछ दिन पहले भी हुआ था कि डॉक्टर एक ही कमरे में बैठकर रोगियों को देखते थे शिकायत होने पर कुछ दिन तो डॉक्टरों ने अलग से देखना शुरू किया फिर ऐसे हालात है।

'हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा' में विधायक ने गिनाई उपलब्धियां

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देसानुसार देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सादुलपुर द्वारा 'हाथ से हाथ जोडो यात्रा' कार्यक्रम विधानसभा क्षेत्र सादुलपुर के बूथ संख्या 223, 224, 226, 233, 234, 235 व 236 दन्देऊ मोहनसिंह, रेबारी बास, सुरा की ढाणी व चाँदगोठी आदि गाँवों में सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया के नेतृत्व में आयोजित की गई।

इस दौरान यात्रा के दौरान चाँदगोठी में आम सभा को संबोधित करते हुए विधायक पदमश्री डॉ कृष्णा पूनिया ने राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विधायक द्वारा कराए गए विकास कार्यों और केंद्र भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों तथा बेरोजगारी-के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि हमने थाना तहसील की राजनीति नहीं करके तहसील के विकास को सर्वोपरि मानते हुए हर गाँव में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाये हैं। इस दौरान देहात अध्यक्ष अशोक पूनिया, करतार टांडी, सरपंच मानसिंह,-पीसीसी मेम्बर शिशुपाल पूनिया, सतबीर बागोत, अमरसिंह गोठवाल, पूर्व सरपंच संजीव पूनिया, नगर अध्यक्ष पवन सैनी, ओमप्रकाश जांगीड, महावीर पीटीआई, उम्मेद श्योराण, एडवाकेट अजय पूनियां बागी, श्रीपाल डारा, रणसिंह पूनियां सहित चाँदगोठी व आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरि.मंडल बिजली इंजीनियर/सामान्य, उ.प. रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते है। 1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता : http://www.ireps.gov.in, 2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय : 24.04.2023 को 15.00 बजे तक, 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय : 24.04.2023 को 15.00 बजे के बाद, निविदा संख्या : 31-इलैक-बीकेएन-ई-निविदा-22-23, कार्य का विवरण : Provision of 11 nos. Lifts at stations of Amrit Bharat Station scheme over Bikaner Division (Hanumangarh-2, Lalgarh-2, Churu-3, Sadulpur-3, Sriganganagar-1) under Sugamya Bharat Abhiyanan., अनुमानित लागत : Rs. 38277652.60, धरोहर रूपये : Rs. 341400.00 338-SN/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक पर रथयात्रा निकाली

सुजानगढ़, (निसं)। दिगम्बर जैन समाज के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक पर जैन समाज द्वारा सोमवार सुबह गाजे बाजे के साथ रथयात्रा निकाली गयी। जियो और जीने दो और अहिंसा परमो धर्म के जयकारों के साथ रथयात्रा श्री दिगंबर जैन मंदिर से घंटाघर, गांधी चौक, लाडनूं बस स्टैंड से दिगंबर जैन नसियां होते हुए नया बास के रास्ते वापस मन्दिर पहुंची। सुबह 5 बजे भगवान जिनेन्द्र की शांति धारा व कलशाभिषेक कार्यक्रम हुआ। इसके बाद भगवान को पालना में झुलाते हुए प्रभात फेरी निकाली गई।

दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला ने बताया कि सुबह की शांतिधारा का मौका शांति देवी छाबडा और डा. सरोज छाबडा को मिला। वहीं रथयात्रा में श्रीजी को विराजमान करने का अवसर लालचन्द प्रकाशचन्द पाटनी परिवार को मिला। साथ ही दाएं चंवर ढुलाने का मौका ललित कुमार अशोक कुमार छाबडा, बाएं चंवर का नेमीचंद पारसमल पांड्या, श्रीजी के खजांची बनने का मौका इंदरचंद, ज्योतिप्रकाश, जयप्रकाश पांड्या परिवार को मिला। रथ के मुख्य सारथी बनने का मौका भंवरलाल टीकमचंद व शमवशरण में शांतिधारा अभिषेक का मौका माणक चन्द पवन कुमार कमल कुमार छाबडा परिवार को मिला। जैन समाज के पुरुषों ने सफेद वस्त्र धारण किये तो महिलाओं ने केसरिया साडियां पहनी। रथयात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

समाज के प्रवक्ता महावीर पाटनी ने बताया कि शाम 7 बजे श्रीजी की आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर रथ यात्रा में समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला की अगुवाई में मंत्री पारसमल बगडा, उपाध्यक्ष लालचंद बगडा, उप मंत्री रौनक पांड्या, नोरतनमल छाबडा, मैना देवी पाटनी, विमला देवी छाबडा, प्रेमलता बगडा, गणपति बगडा, पार्षद उषा बगडा, संतोष गंगवाल, अशोक कुमार विनायक्या, नवीन कुमार पांड्या, खेमचन्द बगडा, डॉ. सरोज छाबडा, पवन छाबडा, मुकेश बगडा, विमल सेठी, विमल पाटनी, ललिता देवी बगडा, मंजू देवी पहाडिया व कुसुम बगडा सहित सैंकडों जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

सी.एम. गहलोत से मिले कांग्रेसी

झुंझुनूं, (निसं)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व गांधी जीवन दर्शन समिति के ब्लॉक संयोजक मेहर कटारिया की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ता ने जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। इस मौके पर मेहर कटारिया ने इस बार मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए शानदार बजट के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि विधायक जेपी चंदेलिया की मांगों को पूरा करते हुए सीएम ने कृषि विद्यालय, माहत्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय, पीडब्लूडी के एक्सईएन कार्यालय के अलावा चिडावा के सरकारी अस्पताल को उप जिला अस्पताल का दर्जा दिया है। वह ऐतिहासिक है। इन सभी से आमजन को काफी लाभ होगा। इस मौके पर कटारिया ने राजकीय चिकित्सालय चिडावा तथा नगरपालिका चिडावा में व्यवस्थाओं को लेकर भी वस्तुस्थिति सीएम गहलोत को बताई। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल में योजनाओं का लाभ पूर्णतया नहीं मिल पा रहा है। जिसकी मॉनेटरिंग करना जरूरी है। इसके अलावा पिछले काफी समय से नगरपालिका चिडावा में भी आमजन के काम पारदर्शिता, जवाबदेहिता के साथ सीएम की मंशा के अनुरूप नहीं हो रहे है।

बाबा गंगाराम महोत्सव की तैयारियां शुरू

- श्री पंचदेव मंदिर में 10 को आयोजित होगा महोत्सव

झुंझुनूं, (निसं)। बाबा गंगाराम के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर में 10 अप्रेल को श्री बाबा गंगाराम महोत्सव आशीर्वाद दिवस के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम के साथ उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। वर्तमान में इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। उक्त समारोह में विशाल भजन-संध्या, नृत्य-नाटिकाएं, दर्शन-पूजन एवं छप्पन-भोग इत्यादि कार्यक्रम होंगे।

महोत्सव में बडी संख्या में प्रवासी श्रद्धालुगण एवं ख्यातिप्राप्त कलाकार यहां पधारेंगे। महोत्सव में 10 अप्रेल शाम 4 बजे से विशाल भजन अमृत-वर्षा होगी। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक नवीन जोशी कोलकाता, मयंक अठावाल पंजाब सहित कई कलाकार संगीतमय भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही मंदिर में फूलों की विशेष सजावट करने के लिए बंगाल के कुशल कारीगरों को बुलाया गया है। मंदिर ट्रस्टी अनिल मोदी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का प्रारंभ सुबह चार बजे महामंगल आरती से होगा। तत्पश्चात सुबह 8.30 बजे से सामूहिक संगीतमय बाबा गंगाराम अमृतवाणी का समवेत स्वर में पाठ नवीन जोशी कोलकाता द्वारा किया जाएगा। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका अनुराधा पोडवाल द्वारा रिकॉर्ड की गई। श्री बाबा गंगाराम अमृतवाणी का लोकार्पण भी किया जाएगा।

इस अवसर पर मंदिर परिसर, प्रधान-मंड, भजन-संध्या में आकर्षक पुष्प-सज्जा, विद्युत-सज्जा की जाएगी एवं पूरे दिन श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन का सिलसिला चलेगा। गौरतलब है कि यह आयोजन प्रति वर्ष बैसाख कृष्ण चतुर्थी को बाबा गंगाराम के परम आराधक भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदनजी के आशीर्वाद दिवस के रूप में बाबा के मुख्य धाम सहित विभिन्न स्थानों पर मनाया जाता है। जिसमे भक्तगण बाबा के दरबार में मनौतियां करते हुए अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं।

बच्चे को आशीर्वाद देने पहुंचे आई.ए.एस.

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में आयोजित एक पुत्र जन्मोत्सव कार्यक्रम में बच्चे को आशीर्वाद देने बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारी पहुंचे। जानकारी के मुताबिक प्राइवेट बस यूनियन अध्यक्ष भोपाल सिंह ने अपने पुत्र आईएफएस अमित गेट और पुत्रवधू डॉ. उपासना के पुत्र रत्न प्राप्ति पर आशीर्वाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ना केवल राजस्थान अपितु बाहरी राज्यों से भी युवा आईएएस अधिकारी पहुंचे। इस अवसर पर श्रीगंगानगर से आईएएस रवि कुमार सिहाग, आईएएस मोहित, सीकर से आईएएस प्रीतम कुमार जाखड़, बिहार से आईएएस राज आनंद, हरियाणा से आईएएस शाश्वत सांगवान, यूपी से आईएएस मोहम्मद सुबुर इत्यादि भारतीय प्रशासनिक सेवा के युवा अधिकारियों ने आईएफएस अमित गेट के पुत्र यथार्थ को आशीर्वाद दिया। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ पहुंचे आईएएस अधिकारियों को देखकर वहां मौजूद हर कोई चर्चा में शामिल कर रहा था। यही नहीं इन सभी अधिकारियों ने सादगी से युवा पत्रकार रणजीत गुर्जर कोहली समेत अन्य लोगों के बीच पहुंच वार्तालाप भी की।

कार्यालय ग्राम पंचायत लालासर बणीरोतान (पं.स. चूरू)

क्रमांक :-निर्माण/ई-निविदा/2022-23/44 दिनांक :- 31.03.2023

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2022-23

इस कार्यालय द्वारा स्वीकृत कार्य के लिए सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित शर्तें एवं विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
UBN No. ZCR2223WSOB01801
UBN No. ZCR2223WSOB01802

सरपंच ग्राम पंचायत लालासर बणीरोतान (चूरू) | ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत लालासर बणीरोतान (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत खण्डवा पट्टा (पं.स. चूरू)

क्रमांक :-निर्माण/ई-निविदा/2022-23/73 दिनांक :- 31.03.2023

ई-निविदा सूचना संख्या 07/2022-23

इस कार्यालय द्वारा स्वीकृत कार्य के लिए सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित शर्तें एवं विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
NIB No.....
UBN No. ZCR2324WSOB00003

सरपंच ग्राम पंचायत खण्डवा पट्टा (चूरू) | ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत खण्डवा पट्टा (चूरू)

लक्ष्य अंत्योदय
जन-जन का कल्याण

G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव | सत्यमेव जयते भारत सरकार

वित्तीय समावेशन

राजस्थान में **3 करोड़** से अधिक लाभार्थियों के प्रधानमंत्री जनधन बैंक खातों में जमा हुई **₹15 हज़ार करोड़** से अधिक की राशि।

चिकित्सकीय समावेशन

आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड के साथ **₹5 लाख** प्रति परिवार तक का मुफ्त उपचार। स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए **99 लाख** से अधिक कार्ड किए गए जारी।

रोशन राजस्थान

सौभाग्य योजना के तहत करीब **2.13 करोड़** कनेक्शन, राजस्थान में हर घर पहुंची बिजली।

कोरोनाकाल में मिला खाद्यान्न

कोविड-19 महामारी के दौरान राजस्थान में **4 करोड़** से अधिक गरीबों को **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना** के अंतर्गत मिला **निःशुल्क राशन**।

सामाजिक समावेशन

सबके लिए घर, सबके लिए स्वच्छ जल, सबके लिए बिजली, सबके लिए शौचालय - भारत सरकार की लगभग सभी योजनाओं में पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं कदम।

"आज देश की नीति है, हर गरीब की सेवा, हर वंचित को प्राथमिकता। जब गरीब-शोषित-वंचित-दलित-आदिवासी की चिंता करने वाली सरकार होती है, तो वो परिश्रम भी करती है, परिणाम भी लाकर दिखाती है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

cbc 22201/13/0001/2324

मालपुरा को जिला बनाने के लिए आंदोलन जारी, गुर्जर समाज अनशन पर बैठा

विधायक व जनप्रतिनिधियों सहित सैंकड़ों लोगों ने स्टेट हाईवे जाम कर स्वैच्छिक गिरफ्तारियां दी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच जिला बनाओ कोर कमेटी के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन सोमवार को 16वें दिन भी जारी रहा। एसडीएम आवास के सामने शुरू किया गया आमरण अनशन व धरना 14वें दिन भी जारी रहा।

जनआंदोलन के समर्थन में उतरे युवाओं ने युवा शक्ति के आव्हान पर शहर में रैली निकाल प्रदर्शन करते हुए स्टेट हाईवे जाम कर दिया। डाक बंगले से काली पट्टीयां बांध कर हाथों में श्लोगन लिखी तख्तियां लहरा गहलोत सरकार होश में आओ मालपुरा को जिला बनाओ जैसी नारेबाजी करते हुए व्यास सर्किल पहुंचे और जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे को जाम कर धरने पर बैठ गये। विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व विधायक रणवीर पहलवान, डीआर भरत राज, पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा, बार अध्यक्ष प्रेमचन्द सैनी, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पदाधिकारी विवेक व्यास, डीआर छोगालाल गुर्जर, गोपाल गुर्जर, कैलाश गुर्जर, नन्दलाल डोई, रघुवीर सिंह, मुंशी खां, मनीष सोनी सहित जनप्रतिनिधियों व सर्वसमाज व सर्व राजनीति दलों से जुड़े लोगों ने युवा शक्ति के साथ तकरीबन एक घंटे स्टेट हाईवे जाम कर धरना प्रदर्शन किया। युवा शक्ति के आव्हान पर विधायक व जनप्रतिनिधियों सहित सैंकडों की संख्या में मौजूद लोगों ने व्यास सर्किल पर स्वैच्छिक गिरफ्तारियां दी। एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, थानाधिकारी भूराराम खिलेरी सहित चारों थानों के पुलिस जवानों ने टोंक से बुलाये गये अतिरिक्त पुलिस जाप्ते के साथ आंदोलनकारियों की गिरफ्तारियां कर अस्थाई जेल भेजा। जेल भरो आंदोलन में सैंकडों लोगों द्वारा स्वैच्छिक गिरफ्तारियां दे मालपुरा को जिला घोषित नहीं किये जाने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

एसडीएम आवास के सामने 14 दिनों से आमरण अनशन व धरने पर बैठे अनशनकारियों से मिलने व स्वास्थ्य को मध्य नजर रखते हुए मालपुरा पहुंचे जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील ने अनशनकारियों से अनशन खत्म कर आंदोलन में भागीदार बनने की अपील करते हुए जल्द मालपुरावासियों की मांग से मुख्यमंत्री को अवगत करवा प्रतिनिधि मंडल से मिलने का समय तय करने का विश्वास दिलाया। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर की दूदू को जिला बना रियासत काल से कमिश्नरी रहे एवं जिला मुख्यालय बनने के सभी मापदण्ड पूरे करने के बावजूद भी मालपुरा को जिला बनाये जाने पर खेद व्यक्त किया।

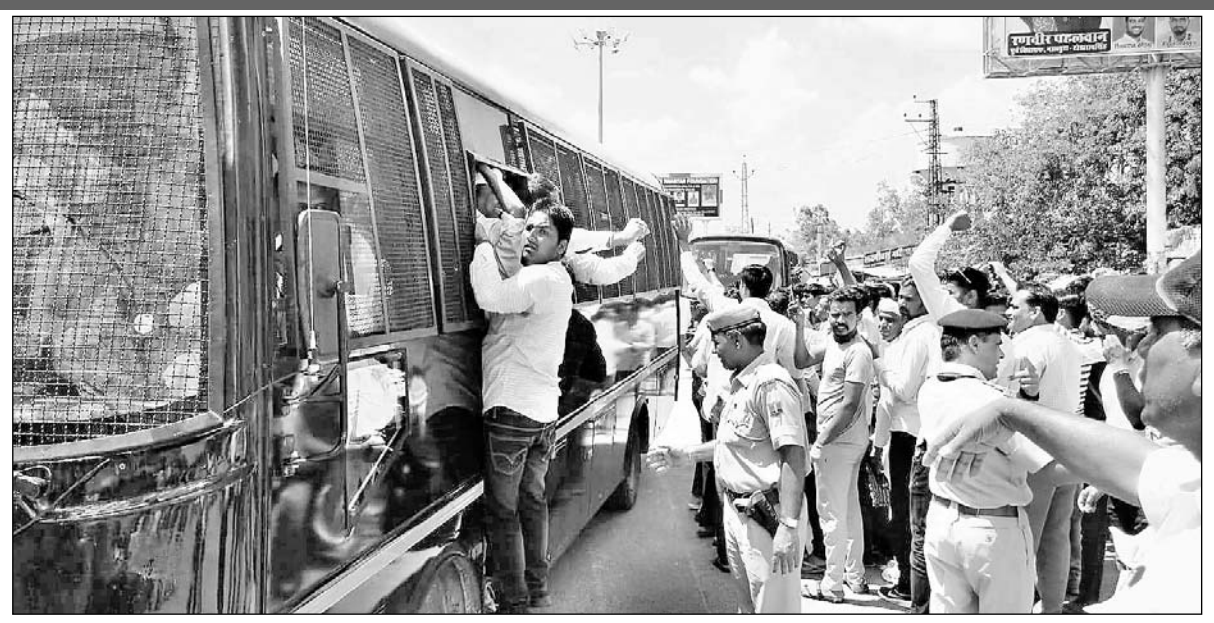

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर युवा शक्ति के आह्वान पर विधायक कन्हैयालाल चौधरी व जनप्रतिनिधियों ने सैंकडों लोगों के साथ स्टेट हाईवे पर धरना प्रदर्शन कर स्वैच्छिक गिरफतारियां दी।

■ **शिक्षकों ने सीएम को राज्य स्तरीय सम्मान लौटाने की चेतावनी दी, आमरण अनशन व धरना जारी**

अविकानगर पहुंचे राज्य के कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचन्द कटारिया को विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने मालपुरावासियों का मांग पत्र व ज्ञापन सौंप मुख्यमंत्री व मालपुरा की जनता के बीच मध्यस्था करते हुए कोर कमेटी से सीएम की वार्ता का समय मांगने की अपील की। सोमवार को गुर्जर समाज व किसान कल्याण सेवा समिति ने सीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंप धरना स्थल पर अनशन पर बैठे।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षक गिरधर सिंह, डॉ. राजकुमार वर्मा, रामप्रसाद वर्मा व बीएल गुर्जर के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मिल मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग करते हुए जल्द सकारात्मक घोषणा नहीं करने पर राज्य सरकार द्वारा उन्हें दिये राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान सरकार को लौटाने की चेतावनी दी। बीते 14 दिनों से अपनी गर्भवती पत्नी के पास रहने से ज्यादा मालपुरा के हित व स्वाभिमान को सर्वोपरि मान आमरण अनशन पर बैठे स्वप्रिल भडाणा के घर में बेटी की किल्लकारी गुंजी। भडाणा की पत्नी ने मीडिया व कोर कमेटी को कहा कि जब तक मालपुरा को जिला नहीं बना दिया जाता तब तक मेरे पति अपने संकल्प को पूरा करने के लिए आंदोलन में भागीदार रहे व अपने मिशन में कामयाब हो। सोमवार को शहर के युवा व्यापारी रजनीश मैन्दवास्या ने भी स्वप्रेरणा से अनशन शुरू किया है। भारत विकास परिषद ने अनशनकारियो को अपना समर्थन दिया। आज बैरवा समाज ने अनशन पर बैठने की घोषणा की है।

विराटनगर को जयपुर जिले में यथावत रखने की मांग

पावटा, (निसं)। विराटनगर, मेड, कुंडला क्षेत्र को जयपुर जिले में यथावत रखने की मांग को लेकर सोमवार को संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर क्षेत्र के सभी सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, नगर पालिका अध्यक्ष सहित पार्षदों की सहमति पत्रों को संलग्न कर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन पत्र के साथ क्षेत्र के सभी सरपंच पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य के लिखित पत्र भी साथ में सौंपे गए। प्रतिनिधिमंडल ने जनमानस की भावनाओं को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अवगत करवाते हुए बताया कि विराटनगर का शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक जुडाव संपूर्ण रुप से जयपुर जिले में ही है। क्षेत्र का जनमानस जयपुर जिले में यथावत रहने की मांग कर रहा है। जिसमें सभी समाज पार्टीवाद से ऊपर उठकर एकजुट है।

■ **विराटनगर क्षेत्र के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मिलकर ज्ञापन सौंपा**

इस दौरान पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश यादव, मंडल महामंत्री सत्यनारायण सैनी, जनसंया समाधान फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन शर्मा जवानपुरा, सेवानिवृत्त अधिकारी बाबूलाल रुंडला, ओएसडी महेंद्र शर्मा, पंकज पाराशर, चेयरमैन प्रतिनिधि नरेंद्र बबेरवाल, जिला पार्षद प्रतिनिधि शिवदान फागणा, प्रेम सैनी, पूर्व सरपंच संतोष मोदी, मंडल अध्यक्ष प्रकाश राठी, मंडल अध्यक्ष सीताराम सैनी, रामेश्वर सैनी, पूर्व सरपंच राजेश यादव, बाबूलाल शर्मा भामोद, सुरेश बादलीवाल, चंद्र प्रकाश सैनी, सुरेंद्र शर्मा पापडा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन द्वारा दर्ज मुकदमे की निंदा की

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। गुढ़ा बचाओ संघर्ष समिति ने गुढ़ागौड़जी में प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस में एक अप्रेल को महापंचायत को लेकर पत्रकारों से बातचीत की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में समिति के संयोजक कुरढ़ाराम जाखड़ ने बताया कि गुढ़ागौड़जी से होकर गुजरने वाली स्टेट हाइवे 37 को जाम करने के लिए महापंचायत में आए हुए महिला-पुरुषों पर पुलिस प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है। जाखड़ ने कहा कि हमने महापंचायत शांतिपूर्ण तरीके से की थी और किसी प्रकार का जाम नहीं लगाया था। मीटिंग में संख्या अधिक होने के कारण दोनों तरफ की रोड पर लोग इकट्ठे हो गए थे। जबकि पुलिस प्रशासन से मीटिंग की परमिशन भी ली गई थी। जिसके बाद ही एक तरफ की रोड़ पर टेंट और दरिया बिछाकर महापंचायत की जा रही थी। अचानक से जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिसके लिए माईक से पुलिस प्रशासन से अपील भी की गई थी की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए। पुलिस ने व्यवस्था को देखते हुए चंवरा मोड़ पर अपनी बस को रोड़ पर आड़ा लगाकर वाहनों को दूसरे रास्ते से सुचारू किया जा रहा था। संपूर्ण महापंचत शांतिपूर्ण तरीके से की गई। इसके बाद राजनीतिक दबाव से पुलिस प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया। जिसकी गुढ़ा बचाओ संघर्ष समिति द्वारा घोर निंदा की गई है।

संघर्ष समिति द्वारा कहा गया है कि पुलिस प्रशासन ने मुकदमा दर्ज किया है और हम पुलिस प्रशासन पर ही मुकदमा दर्ज कराएंगे। जो चंवरा मोड़ पर अपनी बस लगाकर आवागमन को बाधित किया गया था। जिसकी ड्रोन कैमरा से रिकॉर्डिंग की गई हैं और हरेक प्रमाण है। जो पुलिस प्रशासन खुद आवागन को बाधित किया है। इसलिए ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों सहित 67 नाम और 5000 अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। इसका विरोध प्रकट करते हुए संघर्ष समिति पुलिस प्रशासन पर मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। इस प्रेस कांफ्रेंस में कुरड़ाराम, मूलचंद, नरेंद्र, जेपी महला, गणेश, सुनील, प्रहलाद, महताब, रोहितास आदि मौजूद रहे।

रतनगढ़ को जिला बनाने को लेकर संघर्ष समिति का गठन

रतनगढ़, (निसं)। थर्ड गेस्ट हाउस में रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर शहर के युवाओं की बैठक हुई, जिसमें रतनगढ़ जिला बनाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया। समिति सदस्य नवल महर्षि ने बताया कि इस दौरान सर्वसम्मति से संघर्ष समिति अध्यक्ष पद पर सूर्यप्रकाश पारीक वह कोषाध्यक्ष पवन सारस्वत को मनोनीत किया गया है। संपूर्ण कार्यकारिणी का विस्तार आगामी बैठक में किया जाएगा। इस दौरान निर्णय लिया गया कि रतनगढ़ को जिला बनाने की लेकर मुख्यमंत्री के नाम 4 अप्रैल को एसडीएम को ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में हिमांशु, भुवनेश्वर चौहान, राजेश महर्षि, रवि शर्मा, पीयूष स्वामी, महेश जांगिढ़, मनोज सोनी, महेंद्र सिंह शेखावत, राजकुमार स्वामी, श्रीकांत महर्षि, अनिरुद्ध दायमा, टोनी गहलोत, गौरीशंकर महर्षि आदि मौजूद थे।

■ **उपखंड अधिकारी को सीएम के नाम आज ज्ञापन देंगे**

इसी क्रम में शहर ब्लॉक कांठोस कमेटी के अध्यक्ष तरुण कुमार चाकलान ने मुख्यमंत्री को पत्र व ज्ञापन प्रेषित कर रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग की है। चाकलान ने बताया कि रतनगढ़ भौगोलिक दृष्टिकोण से जिला बनने के लायक है। रतनगढ़ के खोए इतिहास को पुन: लोटाने के लिए रतनगढ़ को जिला बनाना अति आवश्यक है। रतनगढ़ पूर्व में भी जिला रहा है क्षेत्रवासियों की भावनात्मक एवं तथ्यात्मक मांग को देखते हुए रतनगढ़ को पुन: जिला बनाने की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं कांग्रेस शहर ब्लॉक अध्यक्ष तरुण कुमार चाकलान ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर रतनगढ़ को जिला बनाने की मांग की है।

महावीर जी मेले के लिये पांचना बांध से छोड़ा पानी

जल संसाधन विभाग की ओर से पांचना बांध के दो गेट खोले

करौली, (निसं)। अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी में चल रहे भगवान महावीर के वार्षिक मेले के लिए रविवार रात को जल संसाधन विभाग की ओर से यहां के पांचना बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई है।

जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रीमहावीरजी मेले के लिए जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता की ओर से मिले आदेश के बाद रात करीब 8.30 बजे बांध के 2 गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई है। इस दौरान बांध से कुल 250 एमसीएफटी पानी छोड़ने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस मौके पर अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पांचना बांध का वर्तमान में जलस्तर 256.45 मीटर पर है। बांध की कुल भराव क्षमता 258.62 मीटर है।

■ **पांचना बांध का वर्तमान में जलस्तर 256.45 मीटर पर है**

उल्लेखनीय है कि चली आ रही परम्परा के अनुसार भगवान महावीरजी के मेले के दौरान भगवान जिनेन्द्र की रथयात्रा निकलती है। रथयात्रा गंभीर नदी के तट पर पहुंचती हैं। जहां परम्परा के अनुसार गंभीर नदी के पानी से भगवान का अभिषेक किया जाता है। इसी के मद्देनजर पांचना बांध से गंभीर नदी के लिए पानी छोड़ा जाता है। इस पानी से श्रीमहावीरजी, टोडाभीम इलाके तक की गंभीर नदी में पानी पहुंचने से क्षेत्र के जल स्रोत भी रिचार्ज होते हैं और गर्मियों में पशु-पक्षियों को भी पानी भी मिलता है।

सिपाही कल्याण सिंह का निधन

पावटा, (निसं)। देश को सबसे अधिक सैनिक और शहीद देनी वाली राजस्थान की वीर धरा लुहाकना खुर्द के बहादुर सिपाही कल्याण सिंह शेखावत का 105 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

कल्याण सिंह शेखावत का सोमवार को उनके पैतृक गांव लुहाकना खुर्द में अंतिम संस्कार कर दिया गया। कल्याण सिंह ने द्वितीय विश्व युद्ध में

बर्मा, ईटली, फ्रांस, जर्मनी सहित अनेक मोर्चों पर जंग लड़ी थी। वे वर्ल्डवार के समय 1939 में सेना में भर्ती हुए थे। राजस्थान के कई बहादुर सैनिकों ने विभिन्न युद्धों में अपने शौर्य का परिचय देते हुए देश के लिए शहादत दी है जिनमें से ये एक थे। वे अपने गांव में ही रह रहे थे। वहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली। कल्याण सिंह के निधन के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अंतिम संस्कार में परिजनों और नाते-रिश्तेदार समेत काफी संख्या में पूर्व सैनिक भी शामिल हुए।

सरकार ने जमीन की लीज दी, ग्रामीण नहीं करने दे रहे खनन

मनोहरपुर गांव में शीशराम रणवा ने 2048 तक के लिए लीज ले रखी है

मनोहरपुर, (निसं)। ग्राम देव का हरवाड़ा के चक मनोहरपुर गांव में सरकार ने शीश राम को जमीन लीज पर दी है। जिसमें उसके द्वारा खनन कार्य किया जा रहा है। जिसको ग्रामीण आबादी क्षेत्र होना बताकर काम नहीं करने दे रहे हैं। जिस पर खनन मालिकों ने मामले की शिकायत थाना पुलिस में की है।

जानकारी के अनुसार चक मनोहरपुर गांव में शीशराम रणवा ने 2048 तक के लिए लीज ले रखी है। जिसमें कुछ दिनों से खनन कार्य कर रहा है। किंतु ग्रामीण मौके पर आ जाते हैं और लीज वाले स्थान पर आबादी बताते हुए जेसीबी मशीन को कार्य नहीं करने देते हैं। मालीराम मीणा ने बताया कि काफी दिनों से चक मनोहरपुर में कोई लीज नहीं है जबकि जमीन की लीज हुई है। यहां आए दिन विवाद के चलते खनन मालिक पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना पुलिस ने लीज मालिक से लीज के दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा है। खदान मालिकों ने खनन से संबंधित कागज भी थाने में प्रस्तुत कर दिए हैं। इस दौरान ग्रामीण विरोध पर अड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जहां अवैध खनन का कार्य चल रहा है वहां पर भोमयाजी महाराज का मन्दिर व शिव मन्दिर भी शामिल है। वहीं पानी की टंकी भी पास में है। एसे में अभी बच्चों की परीक्षा चल रही है। जब खनन का कार्य चलता है तो काफी समस्या होती हैं।

थानाधिकारी उदय सिंह का कहना है कि एसडीएम व तहसीलदार, पटवारी इसकी जांच कर रहे हैं। पटवारी के पास इसका सारा रिकॉर्ड है। अगर यह लीज सही है तो चलेगी नहीं तो नहीं चलेगी।

पालना गृह में नवजात मिला

टोंक, (निसं)। राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह टोंक में स्थित पालना गृह में 2 अप्रेल की शाम को एक अज्ञात लावारिस नवजात शिशु बालक मिला। जिसको पालना गृह से कोर्डिनेटर दत्तक ग्रहण एजेन्सी महेन्द्र कुमार वर्मा, आया गुड्डी देवी व रसोईया ममता ने प्राप्त कर अधीक्षक राजकीय किशोर गृह हरीश वर्मा व सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग नवल खान के निर्देशानुसार अज्ञात बालक को बाल कल्याण समिति टोंक के समक्ष प्रस्तुत किया। बाल कल्याण समिति टोंक के अध्यक्ष हेमराज चौधरी व सदस्य शैफाली जैन, शाहीन हबीब, गौरव मधुकर संजय कांटिया ने बालक को शिशु गृह टोंक में देखभाल व संरक्षण हेतु प्रवेश दिया एवं दिशा निर्देश दिये कि बालक का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जाये व संबंधित थानाधिकारियों को सूचित कराया जावे।

कार्यालय समन्वयक PTET - 2023

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

बाँसवाड़ा-327001 (राज.)

अधिसूचना संख्या : 02 दिनांक : 01.04.2023

राजस्थान राज्य में स्थित विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2023-2024 के लिए दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम तथा चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड बी.ए./बी.एससी. बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय, राज्य सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के नियमानुसार होने वाले प्री-टीचर एज्यूकेशन टेस्ट (पीटीईटी-2023) एवं प्री.बी.ए./बी.एससी. बी.एड. 2023 के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

पात्रता

1. प्री.टीचर एज्यूकेशन टेस्ट (पीटीईटी-2023) : विधि द्वारा स्थापित किसी भी विश्वविद्यालय की स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण, जो राजस्थान राज्य के विश्वविद्यालयों की स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा के समतुल्य मानी गई हो एवं पीटीईटी-2023 की वेबसाईट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशिका में उल्लिखित प्रवेश अर्हताओं की पूर्ति करने वाले अभ्यर्थी आवेदन हेतु पात्र हैं। स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा में राज्य सरकार के नियमों के अनुरूप सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रिमीलेयर) एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (EWS) हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत एवं राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विशेष पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग तथा विधवा/तलाकशुदा महिला अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं।

2. प्री.बी.ए./बी.एससी. बी.एड. 2023 : माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अथवा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अथवा राज्य सरकार द्वारा अन्य राज्यों के समतुल्य घोषित एवं स्वीकृत बोर्ड से सीनियर सैकण्डरी (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा में राज्य सरकार के नियमों के अनुरूप सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रिमीलेयर) एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (EWS) हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत एवं राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विशेष पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग तथा विधवा/तलाकशुदा महिला अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य है।

उपर्युक्त दोनों प्रवेश परीक्षाओं हेतु वांछित न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत गणना में एक अंक भी कम स्वीकार्य नहीं होगा एवं ऐसा होना आवेदक की अभ्यर्थिता को निरस्त करने का पर्याप्त कारण होगा। पात्रता परीक्षा में इस वर्ष (2023) में अर्हता परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थी भी पीटीईटी-2023 एवं बी.ए./बी.एससी. बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2023 के लिए आवेदन कर सकते हैं। बशर्ते उनके काऊंसलिंग में भाग लेने के लिए काऊंसलिंग रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तिथि तक प्रवेश हेतु पात्रता प्रदान करने वाली परीक्षा का परिणाम आ चुका हो तथा अंकतालिका पात्रता प्राप्तांक सहित उनके पास हो।

आवेदन एवं प्रवेश परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियाँ (संशोधित) निम्नानुसार हैं :-

क्र.सं.	विवरण	महत्वपूर्ण तिथियाँ
1.	ऑनलाईन आवेदन-पत्रों की उपलब्धता	15 मार्च, 2023
2.	**परीक्षा शुल्क एवं ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि**	**15 अप्रैल, 2023 (शनिवार) (11:59:59 PM)**
3.	प्रवेश परीक्षा	21 मई, 2023 (रविवार)

आरक्षण : राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर), विशेष पिछड़ा वर्ग, महिलाओं, दिव्यांगों, सैनिकों व उनके आश्रितों, तलाकशुदा/विधवा महिलाओं व टाडा, माडा, सहरिया क्षेत्र (सहरिया जाति) के निवासियों, आर्थिक पिछड़ा वर्ग (EWS) को राज्य सरकार के नियमानुसार सीटों में आरक्षण उपलब्ध होगा।

आवेदन प्रक्रिया : On-Line Application Form विश्वविद्यालय वेबसाईट www.ggtu.ac.in पर जाकर दिये गये टेब बार PTET-2023 के माध्यम से भरे जायेंगे। अभ्यर्थी साईबर कैफे या स्वयं के कम्प्यूटर अथवा ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन पत्र भर सकेंगे।

अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क राशि रू. 500/- का भुगतान ऑनलाईन पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग अथवा ई-मित्र से कर सकेंगे तथा सफलतापूर्वक ऑनलाईन भुगतान के पश्चात् अपने आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी प्रिन्ट कर सकेंगे।

यदि अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क का भुगतान नकद करना चाहते है तो वे फॉर्म भरने के बाद प्राप्त पेमेन्ट इन्वाईस के माध्यम से ई-मित्र की किसी भी शाखा में नकद जमा करवा सकेंगे। ई-मित्र के किसी भी काऊन्टर में शुल्क जमा करवाने के अगले दिन अपने आवदेन पत्र का प्रिन्ट प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाईन भुगतान अथवा चालान के द्वारा आवेदन शुल्क जमा करवाने के पश्चात् भी यदि प्रिन्ट नहीं निकलता है तो निर्धारित अवधि में कार्यालय के हेल्पलाइन 6376265626, 6376200317 एवं ptetggtu2023@gmail.com पर सम्पर्क करें।

ऑनलाईन आवेदन पत्र : ऑनलाईन आवेदन पत्र अत्यन्त सावधानी पूर्वक भरकर उसका प्रिन्ट लें एवं परीक्षा आवेदन पत्र की हार्ड प्रति एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति अपने पास सुरक्षित संभाल कर रख लें। जिन्हें काऊंसलिंग के उपरान्त आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश के समय जमा करवाना आवश्यक है। ऑनलाईन आवेदन के समय चयन किये गये दो जिलों में प्राथमिकता एवं केन्द्र की उपलब्धता के आधार पर ही परीक्षा केन्द्र आंवटित किया जाएगा। परीक्षा केन्द्र आवंटन में समन्वयक, पीटीईटी-2023 एवं चार वर्षीय बी.ए./बी.एससी. बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2023 का निर्णय अन्तिम होगा।

नोट : परीक्षार्थी अपना मोबाईल नम्बर सही भरें ताकि परीक्षा संबंधित सूचना एस.एम.एस. के माध्यम से संबंधित मोबाईल नम्बर पर यथासंभव दी जा सके।

समन्वयक

पी.टी.ई.टी.-2023 एवं 04 वर्षीय बी.ए./ बी.एससी. बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2023

स्टेशनरी की दुकान चलाने वाले दिव्यांग को मिला 12 करोड़ का इनकम टैक्स नोटिस

यह नोटिस सूरत की दो शैल (बोगस) कंपनियों में बोगस खरीद-बिक्री बताने से जुड़ा है

भीलवाड़ा, (निसं)। आयकर विभाग ने एक स्टेशनरी की दुकान चलाने वाले फोटोग्राफर को 12 करोड़ 23 लाख रुपए का इनकम टैक्स नोटिस थमाया है। यह नोटिस सूरत की दो शैल (बोगस) कंपनियों में बोगस खरीद-बिक्री बताने से जुड़ा है। ये दोनों डायमंड कंपनियां हैं। आयकर विभाग ने 10 अप्रैल तक नोटिस का जवाब मांगा है। नोटिस मिलने के बाद से दिव्यांग व उसके परिवार की तो रातों की नींद उड़ी हुई है।

जानकारी के मुताबिक़ शहर की संजय कॉलोनी में महेश मार्ग पर रहने वाले किशन गोपाल छापरवाल ने बताया कि 29 मार्च 2023 को डाक से उसके घर के पते पर आयकर विभाग का नोटिस आया। तब पिता रामेश्वर लाल छापरवाल घर पर थे। उन्होंने नोटिस देखते ही अपने भाई के सीए बेटे को नोटिस व्हाट्सएप किया तो उसे बताया कि ये तो इनकम टैक्स का नोटिस है। पेनकार्ड का दुरुपयोग कर किसी ने बोगस कंपनी बना ली। तब पिता ने बेटे किशन को बाजार से घर बुलाया और नोटिस दिखाया। किशन भी भौंचक्का रह गया।

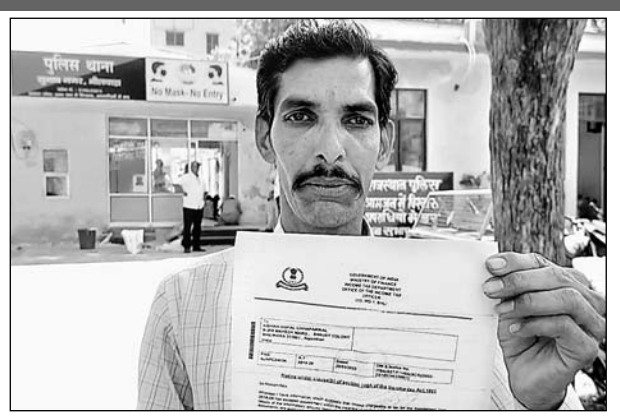

किशन गोपाल छापरवाल को 12 करोड़ 37 लाख का नोटिस मिला।

भीलवाड़ा के वार्ड नंबर 1 के

■ **धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ पीड़ित ने सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दी**

आयकर अधिकारी दिलीप राठौड़ द्वारा 28 मार्च को जारी नोटिस में बताया गया कि आयकर विभाग सूरत तथा मुंबई ने असेसमेंट ईयर 2019-20 की जांच में उसके पैनकार्ड से जुड़ी दो कंपनियों सेठ जैम्स प्रा.लि. तथा दुष्यंत वैष्णव को शैल यानी बोगस कंपनी माना। सेठ जैम्स में 53 लाख 16 हजार 709 रुपए तथा दुष्यंत वैष्यंत में 11 करोड़ 70 लाख 73 हजार 377 रुपए की बोगस खरीद-बिक्री हुई। आयकर अधिकारी ने किशन गोपाल छापरवाल को कुल 12 करोड़ 23 लाख 90 हजार 86 रुपए का कारण बताओ नोटिस भेजा है। नोटिस मिलते ही छापरवाल परिवार की नींद उड़ गई।

किशन गोपाल का कहना है कि वह सांगानेर कस्बे के आजाद मोहल्ला में स्टेशनरी की छोटी सी दुकान चलाता है। शादियों के सीजन में फोटोग्राफी कर गुजारा कर रहा है। वह कभी भीलवाड़ा से बाहर ही नहीं गया। उसके पिता रामेश्वर छापरवाल का कहना है कि हमारी तो इतनी इनकम ही नहीं है। किशन का कहना है कि उनके साथ धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ उन्होंने सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दी है। पेन कार्ड का दुरुपयोग कर फ्रॉड करने वालों के ख़िलाफ़ उन्होंने कार्यवाही की माँग की है।

कांग्रेस नेताओं में उमड़ रहा है भाजपा के प्रति प्रेम!

दो दिन पहले रामलाल जाट ने आर.एस.एस.-भाजपा की तारीफ की थी, अब महेंद्र चौधरी ने सतीश पूनियां के कसीदे पढ़े

- **इससे पहले एक कैबिनेट मंत्री और दो विधायकों ने मुख्यमंत्री को शिफारशी पत्र लिखकर भाजपा नेता को राजनीतिक नियुक्ति दिलवाई थी**
- **अपने नेताओं का भाजपा प्रेम देखकर कांग्रेसजन असमंजस में नजर आ रहे हैं**

जयपुर, (का.प्र.)। एक ओर तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा लगातार पार्टी की सरकार को रिपीट करने की बात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर अशोक गहलोत के नजदीकी नेताओं में भाजपा और आरएसएस की तारीफ के कसीदे पढ़ने की होड़ लगी हुई है।

दो दिन पहले ही राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने जहां भाजपा और आरएसएस की तारीफ की थी। वही अब सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां के सड़क पर किए गए संघर्ष की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। इससे पहले गहलोत कैबिनेट के एक मंत्री और दो विधायकों ने भी भाजपा नेता के पक्ष में शिफारशी पत्र देकर राजनीतिक नियुक्ति करवाई थी। ऐसे में अब खुद कांग्रेसजन असमंजस में हैं कि आखिरकार कांग्रेस नेताओं का भाजपा के प्रति इतना प्रेम अचानक क्यों उमड़ रहा है।

दो दिन पहले राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने भाजपा और आर एस एस के अनुशासन की तारीफ करते हुए सचिन पायलट पर तंज कसा था और कहा था कि कांग्रेस में अनुशासन नहीं है। वही अब सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर उप नेता प्रतिपक्ष बनाए गए सतीश पूनियां के संघर्ष की तारीख करते हुए कहा है कि भाजपा ने सतीश पूनिया को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाकर किसान के बेटे का अपमान किया है। सतीश पूनिया को हटाकर भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष बदलने पर सहानुभूति जताते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने पार्टी के लिए सड़क से लेकर विधानसभा तक संघर्ष किया है। सतीश पूनियां एक किसान के बेटे हैं, जिनको हटाकर भाजपा ने प्रदेश के किसानों का अपमान किया है। इससे भी आगे बढ़कर महेंद्र चौधरी ने कहा कि सतीश पूनियां ने कितनी यात्राएं की। ऊंट गाड़ियों में यात्रा की, कितने संघर्ष किए। संघर्ष के दौरान कितनी बार हाथ पैर में चोटें लगी। संघर्ष में कितने चश्मे टूट गए। उन पर कोई आरोप नहीं था, इसके बावजूद उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर उपनेता प्रतिपक्ष बना दिया गया।

दरअसल कांग्रेस नेताओं को जिला प्रभारी के तौर पर राहुल गांधी की सदस्यता छीने जाने के खिलाफ मीडिया से बात करनी थी लेकिन राहुल गांधी के लिए तो महेंद्र चौधरी कम बोले और सतीश पूनिया के प्रति सहानुभूति जताते हुए उनकी तारीफ ज्यादा करते रहे।

महेंद्र चौधरी ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के मामले में सिरोही में मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा देश में लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कांग्रेस इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ेगी। महेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी की लोकप्रियता से घबरा गए हैं। इस घबराहट में यह आत्मघाती फैसला लिया है।

गुरुशरण छाबड़ा को शहीद का दर्जा देने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की।

उन्होंने राजस्थान में ''स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा जन जागरूकता अभियान'' को पुन: शुरू करने और स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा को शहीद का दर्जा देने की मांग उठाई।

पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा कि सूरतगढ़ के पूर्व विधायक स्व. गुरुशरण छाबड़ा ने राजस्थान में संपूर्ण शराबबंदी और सशक्त लोकायुक्त के लिए अनशन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। राज्य सरकार उनके इस महान बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दे। इसलिए राजस्थान में नशा मुक्त समाज बनाने के लिए संपूर्ण शराबबंदी लागू हो।

पूनम छाबड़ा ने इसके अलावा सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी, सूरतगढ़ की जनता द्वारा किये जा रहे इस आंदोलन को वार्ता कर सुलझाने का आग्रह किया।

पूनम छाबड़ा की तमाम मांगों को सुनने के बाद गहलोत ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देकर सकारात्मक आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' सम्मान से किया अलंकृत

राज्यपाल ने सोमवार को वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी अजिताभ शर्मा को ''राजस्थान गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया। इस मौके पर संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा भी मौजूद थे।

- **प्रतिभाएं राष्ट्र और समाज की धरोहर : राज्यपाल**

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रतिभाएं किसी एक समाज की नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और समाज की धरोहर होती हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों का सम्मान यदि होता है तो इससे पूरे समाज में एक सकारात्मक वातावरण बनता है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को संस्कृति युवा संस्था द्वारा एक निजी होटल में आयोजित राजस्थान गौरव सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान गौरव से अलंकृत विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हुए सम्मानित प्रतिभाओं को भविष्य में इसी तरह समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हुए अपना सर्वोत्कृष्ट देने का आव्हान किया।

मिश्र ने संस्कृति संस्था द्वारा पिछले 28 वर्षों से राजस्थान गौरव सम्मान, विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, जयपुर मैराथन आदि आयोजनों के लिए संस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन पथ पर वही व्यक्ति निरंतर आगे बढ़ते हैं जो अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की और व्यस्टि नहीं समष्टि भाव की सर्व कल्याण की सोच से सभी को कार्य करने का आव्हान किया। राज्यपाल ने नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए भी अधिकाधिक कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पहले राज्यपाल मिश्र ने भारतीय सेना में कारगिल युद्ध के नायक रहे रिटायर्ड कर्नल वी.एस. बालोठिया, सीनियर आईएएस अजिताभ शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी डॉ. राजीव पचार, भारतीय इंजिनियरिंग सेवा के आशु सिंह राठौड़, भारतीय राजस्व सेवा के नितिन कुमार जैमन, सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक अचल शर्मा, दुबई के यंग एंटरप्रेन्योर अंकित जैन, शिव विलास रिसोर्ट के चैयरमेन स्व. बृजमोहन शर्मा, इंटरनेशनल वुडबॉल प्लेयर अजय सिंह, मांड गायिका बेगम बतूल, आईटी प्रोफेशनल सुदीप, व्यवसाय के क्षेत्र में प्रताप सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, फुटबाल खिलाड़ी अजय सिंह मीणा आदि प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' सम्मान से सम्मानित किया।

आरंभ में संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा ने संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों, सार्वजनिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एच.सी. गणेशिया, दिनेश शर्मा, गौरव धामाणी ने भी विचार रखे। राज्यपाल मिश्र ने पूर्व में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

वोटों की राजनीति के कारण एक वर्ग का तुष्टिकरण कर रही है सरकार : अरूण चतुर्वेदी

- **'बम ब्लास्ट में 71 लोगों की जान गई, राजस्थान सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति क्यों नहीं की गई'**
- **'कांग्रेस पार्टी ने विधायकों की सदस्यता बचाने के लिए सीनियर वकील खड़े किए'**

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर में हुए बम ब्लास्ट से जयपुर शहर दहल गया था, 71 लोगों की जान गई, 185 घायल हुए व कई जिंदगी भर के लिए अपंग हो गए, घायल हुए लोगों के लिए खून देने के लिए ब्लड बैंक के बाहर लोगों की कतार लग गई थी और जनता और पीड़ित परिवारों को भी आशा थी, गुनहगारों को फांसी की सजा मिलेगी। निचली अदालत ने तथ्यों के आधार पर व प्रभावी पैरवी से आरोपियों को सजा दी गई, लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने हाईकोट में बम ब्लास्ट मामले में प्रभावी पैरवी नहीं की, इसका जिम्मेदार कौन है। यह प्रश्न जयपुर की जनता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछती है।

उन्होंने कहा कि ऐसा क्या कारण रहा, राजस्थान की सरकार छोटे-छोटे मामले में एडवोकेट जनरल व सुप्रीम कोर्ट के बड़े-बड़े वकीलों को लाखों रुपए एक-एक दिन की पैरवी करने के लिए देती है। इस मामले में 48 पेशी में केवल सरकार की ओर से जूनियर सरकारी अधिवक्ता उपस्थित हुआ, अतिरिक्त महाधिवक्ता व सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता से पैरवी नहीं करवाई, एक हाईकोर्ट में सरकार की ओर से लचर पैरवी के कारण से आंतकवादी जिन्होंने जयपुर शहर को खून से छलनी करने का काम किया था, देश और प्रदेश की जनता जानना चाहती हैं।

चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय रकबर माबलिंचिग के मामले में अलवर कोर्ट में ट्राईल के दौरान आपराधिक मामले के वरिष्ठ अधिवक्ता नासिर अली को हर तारीख पेशी पर सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिए भेजा गया, जयपुर शहर में जब 71 लोग बम ब्लास्ट में मारे जाते हैं तब राजस्थान सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति क्यों नहीं की गई। बम धमाके के समय राजस्थान में भाजपा की सरकार थी जो इस केस को स्पेशल कोर्ट में ले जाकर गुनहगारों को फांसी की सजा तक लेकर गई, लेकिन जैसे ही राजस्थान में कांग्रेस सरकार आई, तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए परिणाम जनता के सामने हैं। विधायक इस्तीफा प्रकरण में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने याचिका दायर की तब कांग्रेस पार्टी ने विधायकों की सदस्यता बचाने के लिए सीनियर वकील खड़े कर दिए, इस प्रकरण में जब राजेन्द्र राठौड़ ने सुनवाई की मांग की, तब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने इसके विरोध में जमकर पैरवी की और लगातार हर सुनवाई में स्वयं मौजूद रहे। बसपा विधायकों के असंवैधानिक रूप से कांग्रेस में विलय किये जाने के मामले में जब भाजपा विधायक मदन दिलावर ने न्यायालय में चुनौती दी, तब सरकार ने लाखों रूपए खर्च कर महंगे और नामी वकील बसपा विधायकों के लिए खड़े किये। जयपुर बम ब्लास्ट मामले में सरकार ने लापरवाई की पराकाष्ठा की, सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल या कोई भी वरिष्ठ अधिवक्ता जयपुर बम ब्लास्ट की सुनावाईयों में शामिल नहीं हुआ।

अयोध्या की तर्ज पर सजाया जायेगा रामलला दरबार

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी में पहली बार हनुमान जन्मोत्सव के तहत अयोध्या की तर्ज पर रामलला का दरबार सजाया जाएगा। देशभर के विख्यात हनुमान मंदिरों की झलकियां भी देखने लायक रहेगी। सालासर बालाजी भक्त मंडल जयपुर की ओर से बुधवार को हल्दियों का रास्ता स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में शाम 7.30 बजे से कार्यक्रम आयोजित होगा। अध्यक्ष रामप्रसाद कारोड़िया ने बताया कि पर्व के तहत विभिन्न जगहों के कलाकारों की ओर से रामलला का हुबहू दरबार सजाया जाएगा। 100 किलो से अधिक फूलों से श्रृंगार के साथ ही ख्यातिनाम कलाकार भजनों के जरिए पवनपुत्र को रिझाएंगे।

'जनतंत्र बचाओ' रैली निकाली

जयपुर । संगीता गर्ग-राष्ट्रीय सचिव ऑल इंडिया महिला कांग्रेस ने बताया की जनतंत्र बचाओ लोकतंत्र बचाओ रैली प्रदर्शन का आयोजन जंतर-मंतर पर ऑल इंडिया महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया।

आज जनतंत्र, लोकतंत्र बचाने की ज़रूरत क्यों आन पडी आप समझ सकते हैं, भारत के खुबसूरत लोकतंत्र को जिसकी सराहना विदेशों में भी होती है लेकिन पिछले सालों से उस लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का काम केन्द्र के सत्ता मठाधीशों के द्वारा किया जा रहा है। जनता जनार्दन के द्वारा चुनी गई सरकारों को गिराने का काम किया जाता रहा है, संवैधानिक संस्थाओं को हाथ की कठपुतली बनाकर काम किया जा रहा है। संसद में सांसद को बोलने का अधिकार नहीं है, सच बोलने का अधिकार नहीं है की माँग करने का अधिकार नहीं है।

जेपीसी इन तमाम मुद्दों के खिलाफ ऑल इंडिया महिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया और माँग कि अडानी घोटाले में की माँग पूरी की जाए। सच जनता के सामने आना चाहिए। पूरी कांग्रेस पार्टी ना डरी है ना डरेगी। जनता की आवाज बनकर सच के साथ खडी रहेगी। राहुल गांधी की आप लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दे, घर ख़ाली करा ले लेकिन ना राहुलजी इन सबसे डरे है ना हम डरेंगे।

'पुरखों की विरासत संजोए रखना हमारी ज़िम्मेदारी'

- **जयपुर शहर के विघटन को रोककर एक जिला बनाए रखने के लिए विधायक रफीक खान को सौंपा ज्ञापन**

जयपुर (कासं)। 'म्हारो जयपुर- प्यारों जयपुर' अभियान से जुडे जयपुर के प्रबुद्धजनों ने आज जयपुर की आदर्श नगर विधानसभा से विधायक रफीक खान से मुलाकात कर जयपुर शहर के दो हिस्सों में ना बाँटने का ज्ञापन दिया।

सोमवार को विधायक से मिलने की अगुवाई कर रहे कांग्रेस के नेता सुरेश मिश्रा, पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल, पार्षद विमल अग्रवाल व इतिहास विद्ध जितेंद्र सिंह शेखावत ने विस्तार पूर्वक जयपुर शहर के दो हिस्से बनने से जयपुर की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक विरासत पर पडने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया और यह भी बताया की जयपुर की जनता जयपुर शहर के जिले को किस रूप में देखे रहना चाहती है।

रफीक खान साहब ने प्रतिनिधिमंडल की बात पूरी ध्यनापूर्वक सुन और समझकर यह आश्वासन दिया की जनता की भावना के अनुसार जयपुर शहर को एक रखने की मुख्यमंत्री से पुरजोर वकालत करेंगे। जयपुर हम सब की ओर आने वाली पीढ़ी की धरोहर है जिसे संजोए रखना हम सब की बराबर जिम्मेदारी है। कोशिश करेंगे कि 250 वार्डों का पूरा एक जयपुर शहर जिला हो।

प्रतिनिधि मंडल में निम्न जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, सुरेश मिश्रा, अल्प संख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन जसबीर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, पार्षद विमल अग्रवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, जयपुर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष ललित सिंह सांचोरा, जयपुर व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी, सूरजभान सिंह आमेरा, जयपुर व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष भंवरसिंह शेखावत, विष्णु जायसवाल, प्रदीप सिखवाल, अशोक भगत, गिरधारी लाल कुमावत, वैशाली नगर व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह पंचलंगी, चंद्रमोहन गर्ग, एड सुनील जैन, एड रविंदर पालीवाल, घनश्याम मंत्री, आनंद सिंह राठौड, महेंद्र यादव, महेश सैनी, महेंद्र लोहिया, धनंजय सिंह, देवेंद्र शर्मा, एड मिनाक्षी पारिक, एड जुगल किशोर शर्मा, दीप सिंह रावत, एड तपेश अठावाल, एड आशीष शर्मा, आनंदी लाल सेन, आनंद ज़ौहरी, पंकज शर्मा, राजेंद्र कुमावत, तरुण रावत, प्रदीप चतुर्वेदी, भगवान दास वर्मा, महेंद्र सिंह पंवार, योगेश जांगिड, किशोर जोशी लोग शामिल थे।

शादी के 7 दिन बाद जेवर-नकदी समेटकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन

6 परिचित बिचौलियों ने भी युवती से शादी करवाने के नाम पर पीड़ित युवक से 5 लाख रुपये वसूले थे

- **युवती को अनाथ बताकर फरवरी माह में मंदिर में करवाई गई थी शादी**
- **लुटेरी दुल्हन के फरार होने के बाद पीड़ित पति ने वीकेआई थाने में नामजद मुकदमा दर्ज कराया**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा इलाके में शादी के एक सप्ताह बाद ही लुटेरी दुल्हन घर से जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गई। इस संबंध में पीड़ित युवक ने वीकेआई थाने में शादी करवाने वाले आरोपित शंकर यादव, दीपक यादव, सुनील, संदीप, विजय, रीना और लुटेरी दुल्हन पूजा शर्मा के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि बदमाशों ने शादी से पहले भी उससे 5 लाख रुपयें ऐंठ लिए थे।

थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि रोहिणी बिहार निवासी राजपाल यादव ने मामला दर्ज करवाया है कि शंकर यादव नाम के व्यक्ति ने शादी के लिए खुद के भाई दीपक की जानकारी में अच्छी लड़की होना बताया था और शंकर ने अपने भाई दीपक यादव से मिलाया। दीपक ने 4 फरवरी 2023 को उज्जैन (मध्य प्रदेश) ले जाकर सुनील, संदीप और विजय नाम के युवकों से मिलवाया। जहां संदीप को लड़की का भाई और विजय का दोस्त के रूप में परिचय करवाया। इसके बाद शंकर और दीपक ने शादी की एवज में 75 हजार रुपये मोबाइल से ट्रांसफर करवा लिए। शंकर और दीपक यादव ने षड्यंत्र के तहत अपने परिचित सुनील को लड़की का चाचा बताकर मिलवाया। वहीं संदीप ने युवती का नाम पूजा बताया और कहा कि शादी कराने की एवज में उसकी पत्नी रीना के मोबाइल में रुपए डलवा देना। इस पर पीड़ित ने संदीप और विजय के कहे अनुसार संदीप की पत्नी रीना को 2 लाख 20 हजार रुपए नगद और मोबाइल से ट्रांसफर कर दिए। आरोपितों ने अलग-अलग बार में पीड़ित से 5 लाख रुपये लिए।

गत 11 फरवरी को उज्जैन स्थित गणेश मंदिर में पूजा से शादी करवाई,जहां पूजा को अनाथ बताया गया और शादी के संबंध में 500 रुपये के नॉन ज्यूडिशियल स्टांप पर लिखा-पढ़ी की गई। अगले दिन पीड़ित अपनी पत्नी पूजा को लेकर घर आ गया। 18 फरवरी तक पूजा उसके साथ रहीं। गत 19 फरवरी को दुल्हन पूजा पीछे से घर के जेवरात, सोने चांदी की चेन, मंगलसूत्र, पायजेब, सोने की अंगूठी, कानों की बाली समेत अन्य सोने-चांदी के जेवरात और करीब 20 हजार रुपए नकदी लेकर फरार हो गई।

पीड़ित ने काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पीड़ित ने शादी करवाने वाले लोगों से भी बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन किसी से बात नहीं हो पाई। इसके बाद पीडित को उसके साथ हुई धोखाधड़ी और ठगी का पता चलने पर थाने पहुंचा और आरोपित शंकर यादव, दीपक यादव, सुनील, संदीप, विजय, रीना और लुटेरी दुल्हन पूजा शर्मा के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करवाया है। पुलिस लुटेरी दुल्हन पूजा और अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

यूडीएच मंत्री की फटकार के बाद भी नहीं थमी गोल्फ क्लब की मनमानी!

सेंट्रल पार्क की विवादित जमीन पर बिना जेडीए की परमिशन निर्माण कार्य शुरू किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सेंट्रल पार्क की जमीन पर सैकड़ों हरे पेड़ काटने के बाद भी गोल्फ क्लब की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की फटकार के बाद भी क्लब के लोगों ने जेडीए प्रशासन की बिना परमिशन हौद का निर्माण शुरू करवा दिया। मंगलवार को मामला सामने आने के बाद जेडीए की प्रवर्तन विंग मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य बंद करवाया। अब जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने इस निर्माण कार्य के बारे में जोन उपायुक्त अंजू वर्मा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों सेंट्रल पार्क में गोल्फ क्लब के लोगों ने जेडीए की अवाप्तशुदा जमीन पर लगे सैकड़ों पुराने पेड़ काट डाले थे। इस बारे में न तो जेडीए की उद्यानविज्ञ जवाब देना चाहते हैं और न ही जोन उपायुक्त। उद्यानविज्ञ का कहना है कि जिस जमीन पर विवाद है, वह जेडीए ने वर्ष 2018 में अवाप्त की थी। फिलहाल इस जमीन के उपयोग पर कोई निर्णय नहीं हुआ है, ऐसे में यह 1.1 हैक्टेयर भूमि जोन उपायुक्त के संरक्षण में है।

सूत्रों की मानें तो सेंट्रल पार्क की यह 11 बीघा जमीन लिलि पूल का हिस्सा थी, जो जैन नसियां के पीछे है। इस जमीन पर किसी जमाने में अस्तबल (घोडों का फार्म हाउस) था। जेडीए ने इस जमीन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पूर्व राजपरिवार से खाली कराया था। इसके बाद से यह जमीन सेंट्रल पार्क का हिस्सा बनी। लक्ष्मीविलास होटल के पीछे होने के कारण यहां लोगां का आवागमन कम रहता है। इस जमीन के चारों तरफ चारदीवारी बनी हुई थी। पहले इसे तोड़ा गया और इसके बाद यहां लगे सघन पेड़ काटे गए। यहां पर नीम, पीपल, बड़ समेत विभिन्न प्रकार के पेड़ लगे हुए थे।

मामला सामने आने के बाद यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और जेडीए के अफसरों ने मौका निरीक्षण भी किया, लेकिन किसी को भी गोल्फ क्लब द्वारा किया जा रहा निर्माण नहीं दिखा। बताया जा रहा है कि गोल्फ क्लब ने पुराना निर्माण तोड़कर वहां टैंक निर्माण शुरू किया था। मामला तूल पकड़ते देख मंगलवार को जेडीए की प्रतर्वन टीम ने इस निर्माण कार्य को रूकवाकर क्लब के लोगों को पाबंद किया। अब मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने जोन उपायुक्त अंजू वर्मा से पूरे प्रकरण और निर्माण स्वीकृति के बारे में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

उधर सेंट्रल पार्क बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक योगेश यादव का कहना है कि जब गोल्फ क्लब ने यहां पेड़ काटे तो जेडीए प्रशासन ने उसे रोका क्यों नहीं। यह पूरा मामला आपसी मिलीभगत का है। सरकार के खुद के नियम हैं कि अगर किसी प्रोजेक्ट की वजह से पेड़ हटाने भी पड़ते हैं तो पेड़ों की संख्या 5 से ज्यादा होने पर जिला कलेक्टर से इजाजत लेकर उन्हें शिफ्ट करना पड़ता है। जो पेड़ पुन: रोपे जाने योग्य नहीं होते, उस स्थिति में एक पेड़ के बजाय 5 नए पेड़ लगाने का शपथ पत्र देना पड़ता है। सैकड़ों पेड़ों की बलि लेने वाले इन जेडीए के अफसरों व गोल्फ क्लब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे।

सेंट्रल पार्क में सैकड़ों पेड़ काटने के साथ-साथ गोल्फ क्लब ने अब जेडीए की बिना अनुमति अवैध निर्माण शुरू कर दिया।

- **मामला सामने आते ही मंगलवार सुबह जेडीए की प्रवर्तन विंग ने मौके पर पहुंचकर काम बंद कराया**

पूर्व सैनिकों ने निकाला विरोध मार्च, 'वन रैंक वन पेंशन' की विसंगतियों को दूर करने की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर पूर्व सैनिकों ने वन रैंक वन पेंशन की विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला और कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर एडीएम को राष्ट्रपति के नाम वन रैंक वन पेंशन की विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। सभी पूर्व सैनिक संगठनों के संयुक्त आव्हान पर जिले के पूर्व सैनिक और वीरांगनाए शहीद स्मारक पर पहुंची और शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन करते हुए पूर्व सैनिकों ने 6 सूत्री मांगों को लेकर शहीद स्मारक से लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली।

मांग को लेकर विरोध मार्च निकालते पूर्व सैनिक।

कलेक्ट्रेट पर पूर्व सैनिकों ने 6 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए एडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। गौरव सेनानी सेवा समिति के राजवीर चनाना ने बताया कि वन रैंक वन पेंशन की विसंगतियों सहित 6 सूत्री की मांगों को लेकर पूर्व सैनिकों ने अपना विरोध दर्ज करवाया है। विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा। इसी क्रम में 20 अप्रेल को पूर्व सैनिक दिल्ली के जंतर मंतर पर वन रैंक वन पेंशन की विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। जिसमें झुंझुनूं के पूर्व सैनिक भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

इस मौके पर एक्स सर्विसमैन लीग जिलाध्यक्ष कैप्टन ताराचंद नूनियां, सेक्रेटरी कैप्टन अमरचंद खेदड़, कैप्टन रामनिवास नेतड़, उपाध्यक्ष हवलदार कैलाश सूरा, कैप्टन टीपू सुलतान, कैप्टन मोहनलाल, सूबेदार दिनेश कुलहरि, ओजटू के पूर्व सरपंच शीशराम डांगी, सूबेदार बीएन रोहिल्ला, कप्तान सुरेंद्र सिंह, हवलदार राजेश जानूं, कैप्टन गुरदयाल सिंह, कैप्टन विद्याधर सिलायच, कैप्टन विद्याधर ढाका, विजय पूनियां, रामावतार ढिगाल, सूबेदार मेजर मामचंद, कैप्टन सदीक खां, कैप्टन मोहम्मद इकबाल खां, कैप्टन जसवंत खां, हवलदार इकबाल, चिड़ावा ब्लॉक अध्यक्ष सूबेदार रामनिवास थाकन, कप्तान रामनिवास, जिलाध्यक्ष सैनिक सेवा परिषद रामनिवास डूडी, सूबेदार मेजर धर्मपाल भांबू, कैप्टन ओमप्रकाश महला, कप्तान अली मोहम्मद, सूबेदार ओंकारसिंह, सूबेदार दीपचंद, कैप्टन किशनसिंह, सूबेदार ओमप्रकाश, सूबेदार मेजर देवकरण बुरडक, सुमेरसिंह, सूबेदार अमीलाल, सूबेदार सुरेश, सूबेदार बसंतलाल, सूबेदार होशियार सिंह, सूबेदार बसंत लाल, मनरूप सिंह, सुरेश भालोठिया, सूबेदार प्रतापसिंह, कप्तान विनोद कुमार आबूसरिया, जगदीशप्रसाद आदि शामिल थे।

इस मौके पर पूर्व सैनिक राजपाल फोगाअ ने कहा कि सैनिकों के सम्मान के लिए ओआरओपी का निस्तारण अति आवश्यक है। पूरे देश में सैनिकों के आंदोलन करने से वर्तमान सैनिकों के मनोबल में गिरावट आएगी। सत्येंद्र मांजू ने बताया कि राजस्थान सरकार ने सैनिकों को जातियों में बांट दिया। इसके लिए भी सैनिकों में रोष है। आरक्षण के लिए भूतपूर्व सैनिक सम्मेलन 1988 के अनुसार ही रिजर्वेशन रहना चाहिए।

चिकित्सा बिल के विरोध में चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों की विशाल मशाल रैली

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के तत्वावधान में राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में लागू आर.टी.एच. बिल के विरोध में रविवार सांय निजी चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों की ओर से विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया।

जयपुर से प्रारंभ हुई इस मशाल रैली के साथ झुंझुनू से साथ पहुँचे डॉ.

- रैली में सौ से एक हजार चिकित्साकर्मी सम्मिलित हुए

आर.टी.एच. बिल के विरोध में निजी चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों की ओर से विशाल वाहन रैली निकाली गई।

आर.सी. ढाका, डॉ. श्रवण कुमार (जयपुर), डॉ. महेन्द्र ढाका (जयपुर), डॉ. सुनील पूनिया (झुंझुनूं), डॉ. सुभाष सैनी (सिंघाना), डॉ. उमराव कुलहरी (झुंझुनूं), डॉ. राहुल कस्वां (चूरू) आदि का सादुलपुर प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन की ओर से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। हास्पिटल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रामावतार सोनी के निर्देशन में शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई इस विशाल वाहन रैली में सौ से अधिक वाहन तथा प्रदेश भर के लगभग एक हजार चिकित्साकर्मी सम्मिलित हुए। बाजार के प्रमुख लोगों व आम जनता ने पुष्प वर्षा कर चिकित्सकों की माँगों के प्रति समर्थन जताया। कुरेशी मार्केट, संजय बुक डिपो, मदीना मार्केट, भगवानी देवी अस्पताल, घंटाघर पर व्यापार मंडल, श्रीनाथ हॉस्पिटल, जैन अस्पताल के सामने पुजारी हीरालाल भार्गव के नेतृत्व में महिला मंडल तथा ब्रह्माकुमारी आश्रम के भाई बहनों द्वारा स्वागत द्वार बनाकर व जलपान वितरण कर रैली के संभागियों का उत्साहवर्धन किया। सादुलपुर प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों के अलावा नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ आदि ने भाग लिया।

इसके साथ ही अल्ट्रासाउंड एवं सीटी स्कैन सेंटर के प्रबंधक और स्टाफ साथी भी उत्साह के साथ सम्मिलित हुए। सादुलपुर मैडिकल स्टोर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने भी चिकित्सकों की मांगों का समर्थन किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

आर.टी.एच. को लेकर विरोध जारी, आमरण अनशन करेंगे चिकित्सक

झुंझुनूं, (निसं)। आरटीएच बिल के विरोध में कलेक्ट्रेट पर निजी चिकित्सकों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को भी जारी रहा। आरटीएच बिल वापस लेने की मांग को लेकर सोमवार को 5 चिकित्सक क्रमिक अनशन पर बैठे। बिल वापस लेने की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली गई। जो गांधी चौक से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से शुरू होकर कलेक्ट्रेट पहुंची और बिल वापस लेने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

आर.टी.एच. बिल के विरोध में कलेक्ट्रेट पर निजी चिकित्सकों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को भी जारी रहा।

आईएमए झुंझुनूं अध्यक्ष डॉ. लालचंद ढाका ने बताया कि बिल वापस लेने की मांग को लेकर चिकित्सक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे और चिकित्सकों के समर्थन में रैली निकाली गई। मंगलवार से धरना स्थल पर आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। आपको बता दें कि बिल के विरोध में चिकित्सक धरने पर बैठें हैं और बीते 16 दिन से जिले के 112 निजी अस्पतालों पर ताले लटके हुए हैं। सोमवार को क्रमिक अनशन पर डॉ. लालचंद ढाका, डॉ. रजनीश माथुर व डॉ. अंजना माथुर बैठे।

धरना स्थल पर डॉ. हनुमानसिंह शेखावत, डॉ. संतोष ढाका, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. कमल मीणा, डॉ. नरेंद्र श्योराण, डॉ. जेपी बुगालिया, डॉ. शुभकरण कालेर, डॉ. महावीर मील, डॉ. अनिल महलावत, डॉ. खान इकलाख, डॉ. राजीव कटेवा, डॉ. सुमन मान कटेवा, डॉ. मीना शेखावत, डॉ. संगीता उदयपुरिया, डॉ. राजीव कटारा, डॉ. प्राची कटारा, डॉ. रजनीश माथुर, डॉ. राजेश सोमरा, डॉ. आरपी पारीक, डॉ. मनोज वर्मा, डॉ. अजीत चाहर, डॉ. कृष्ण मीणा, डॉ. मनोज जांगिड़, डॉ. सुभाष सैनी, डॉ. ऋतु कटारिया, डॉ. ज्योति ढाका, डॉ. स्मिता तोमर, डॉ. मुकेश बेनीवाल, डॉ. अजय ढाका, डॉ. योगेश गढवाल, डॉ. सुरेश रूलानिया, डॉ. इरफान चौहान, डॉ. सुभाष सैनी, डॉ. फारूकी, डॉ. प्रियंका बुडानिया, डॉ. अंकुर मील, डॉ. कपिल तेतरवाल, डॉ. रणजीत गोरा, डॉ. जगदेव, डॉ. इंदिरा, डॉ. सहीराम, डॉ. नफीस, डॉ. हितेश सोनी, डॉ. ओपी सैनी, डॉ. कुंदन सैन, डॉ. अहसान, डॉ. विनोद बुरी, डॉ. मुन्नवर, डॉ. संजय फांडी, डॉ. मधु राठौड, डॉ. विनोद बुरी, डॉ. टोनी सारण, डॉ. कुलदीप, डॉ. रतन सोनी, डॉ. रहमानी, डॉ. अर्शा चौधरी, डॉ. अशोक, डॉ. हरलाल, डॉ. रशीद, डॉ. अनिल राव, डॉ. रविंद्र शेखावत, डॉ. संगीता तेतरवाल, डॉ. अभिजय जानूं, डॉ. अमित चौधरी, डॉ. अनुश्री, डॉ. सुनिल पूनियां, डॉ. दीपक झाझडिया, डॉ. अशोक सैनी, मुराद अली, अकरम, हासिम, सुभाष शर्मा, सुरेश बेनीवाल, धर्मेंद्र, जितेश, अशोक, जितेंद्र, सरिता प्रजापति, पूजा, कविता, संपत, पिनाक के अलावा झुंझुनूं से उपचार, आईएमए, आईडीए के सभी निजी चिकित्सक शामिल हुए।

प्रधानमंत्री को 101 पोस्टकार्ड लिखे

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यलय में पीसीसी सद्स्य पूसाराम गोदारा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 101 पोस्टकार्ड लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रेषित किए है, पीसीसी सदस्य गोदारा ने बताया कि एआईसीसी के आ ान पर प्रधानमंत्री मोदी पत्र लिखकर एल आई सी व एसबीआई के हजारों करोड़ रुपये गौतम अडानी की कम्पनियों में आवंटन किए गए है जिसका कांग्रेस पूरे देश मे विरोध कर रही है। तथा महंगाई, बेरोजगारी, दूर करने व अडानी मामले में जेपीसी के गठन की मांग प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर की गई है, युवा नेता रामवीर सिंह राईका ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लोकतंत्र का गला घोट रहे है असली मुद्दों से ध्यान भटका रहे है जो गलत है अडानी की सेल में जो 20 हजार करोड़ रुपये लगे है वो किसके है प्रधानमंत्री से जेपीसी का गठन कर इसकी जांच की मांग करते है तथा महंगाई बेरोजगारी को कम करने की दिशा में केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर युवा कांग्रेस नेता संदीप सिंह भोजासर , पार्षद संदीप भार्गव एनएसयूआई छात्र नेता देवकीनंदन माहिच, पार्षद अब्बास गोरी, ओम प्रकाश भार्गव, आसिफ मलिक, वाशिद गोरी, जावेद, असलम निर्वाण, माजिद, सोनू चौधरी, आकाश, चांद खा खोखर आदि मौजूद थे।

भाजपा नेता राजेंद्र भांबू के आवास पर 125 से ज्यादा स्कूलों के टीचर्स का सम्मान

झुंझुनूं, (निसं)। अग्रसेन सर्किल स्थित भाजपा नेता राजेंद्र भांबू के आवास पर 125 से ज्यादा स्कूलों के टीचर्स का सम्मान हुआ। दादूद्वारा बगड़ के महामंडलेश्वर डॉ. अर्जुनदास महाराज के सानिध्य में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति जोधपुर विश्वविद्यालय डॉ. लोकेश शेखावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेजेटी संस्कार केंद्र के संस्थापक चेयरपर्सन रमाकांत टीबड़ेवाल ने की।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिक्षा विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक हरिराम महण, पूर्व विधायक डॉ. मूलसिंह शेखावत, मोरारका कॉलेज के प्रोफेसर इरशाद अहमद एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. हनुमान प्रसाद थे। आयोजक भाजपा नेता राजेंद्र भांबू ने उपस्थित अतिथियों के साथ समस्त अध्यापक अध्यापिकाओं का सम्मान करते हुए गुरु की महत्ता को रेखांकित किया और उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रथम धूरी बताते हुए लगातार प्रकाश देने वाले दीपक की संज्ञा दी। समारोह में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के 125 से अधिक स्कूलों के हजारों अध्यापक-अध्यापिकाओं का शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिह्न और पुस्तक सैट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जेजेटी संस्कार केंद्र द्वारा सभी विद्यालयों के संस्थापकों को पाठ्यक्रम का एक पुस्तक सैट भी भेंट किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. लोकेश शेखावत ने प्रेरक दृष्टांतों के माध्यम से गुरु सत्ता को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि गुरुत्व की अनुभूति होना राष्ट्रीयता की प्रथम निशानी है। हिंदुस्तान अपनी गुरुकुल गौरव पद्धित से जगतगुरु था और भविष्य में भी जगतगुरु की पदवी पर काबिज रहेगा। कार्यक्रम को प्रोफेसर इरशाद अहमद, डॉ. मूलसिंह शेखावत, हरिराम महण, रमाकांत टीबड़ेवाल तथा डॉ. अर्जुनदास महाराज ने संबोधित करते हुए सभी सम्मानित होने वाले अध्यापक-अध्यापिकाओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना देते हुए बधाई दी।

स्कूलों के हजारों अध्यापक-अध्यापिकाओं का शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह और पुस्तक सैट देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राजेंद्र डांगी, अशोक सिंह बड़ागांव, सरदारसिंह बाबल, राजकुमार मोरवाल, सीए महेंद्रसिंह धनखड़, चंचल मालवीय, राजेंद्र मंडीवाल, अभय सिंह मूंड, सुभाष जनेवा, मुकेश कड़वासरा, रामावतार मालसरिया, इकबाल लालपुरिया, जाकिर चौहान, नरेंद्र शेखावत, रामसिंह नेहरा, पवन पुजारी, नरेंद्र वर्मा, दिनेश, विनोद, प्रदीप, प्रमोद जानूं, प्रमोद सहित विद्यालयों के निदेशक, शिक्षक व बड़ी संख्या में झुंझुनूं के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शांतिभंग में तीन को गिरफ्तार किया

सादुलपुर, (निसं)। कस्बा राजगढ में बढती चोरियों को मध्यनजर रखते हुए बीती रात्रि को राजगढ थाना पुलिस ने संदिग्ध धूम रहे तीन लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार राजगढ थाने के विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक मय पुलिस जाब्ते के थानाधिकारी सुभाष चन्द्र ढील सीआई राजगढ के निर्देशानुसार चूरू बाईपास पर नाकाबंदी के बाद गस्त करते हुए सिद्धमुख पुलिया के पास दो ट्रकों की भीडत होने पर रास्ता खुलयावा। तत्पश्चात विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक गस्त करते हुए महाराणा प्रताप चौक, शितला चौक, मौहल्ला नरडियान होते हुए रात्रि 1.3० बजे बहल फाटक कस्बा राजगढ के पास पहुँचे तो तीन लडके जो युवा है, पुलिस की गाडी व बावर्दी पुलिस को देखकर इधर-उधर भागते हुए सडक के पास बनी छोटी-छोटी दुकान व झाडियों में छुप गये। जिस पर सहायक उपनिरीक्षक विजय सिंह ने मय पुलिस जाब्ते के पीछा कर तीनों को दस्तयाब कर नाम पता पूछा तो अपना नाम संदीप, दीपचन्द निवासीगण जिला चूरू होना बताया। तथा पुछताछ में भागने व छुपने का कारण पुछा तो संतोष जनक जवाब नहीं दिया। जिस पर पुलिस टीम ने थाना इलाका में आये दिन चोरी व लूट जैसे संगीन अपराध को मध्यनजर रखते हुए तीनों को युवाओं को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

सरपंच सैनी होंगे सम्मानित

सादुलपुर, (निसं)। अन्तरराष्ट्रीय समरसता मंच एवं इण्डो नेपाल समरसता आर्गेनाईजेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में ०7 अप्रेल को केसर बाग जयपुर में राजस्थान स्थापना दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम के समापन पर पंचायत समिति राजगढ की ग्राम पंचायत ददेरवा के सरपंच जयसिंह सैनी को राजस्थान समरसता रत्न अवॉर्ड देकर सम्मानित किया जावेगा। चयन समिति के संयोजक सुभाष स्वामी ने राजगढ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत ददरेवा के सरपंच जयसिंह सैनी की कर्मस्थली से विकास तक ददरेवा सेवा कार्यो का अवलोकन कर अनवरत परिश्रम पर भारत-नेपाल सांस्कृतिक सम्मेलन में राजस्थान समरसता रत्न अवॉर्ड के लिए प्रतिभा के रूप में जयसिंह सैनी का मनोनयन किया गया है। सचिव योगेश शर्मा ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय समरसता मंच 7300 दिवसीय कार्य योजना के अन्तर्गत राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष में किया जा रहा है।

सुजानगढ़ में सुजला जिले की मांग को लेकर नौ अप्रैल को महारैली होगी

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला जिला बनाने की मांग को लेकर सुजला सत्याग्रह के बैनर तले आगामी 9 अप्रैल को विशाल रैली निकाली जाएगी। रैली को लेकर सोमवार को सुजला माह सत्याग्रह के सदस्यों ने गांवों व शहर में जनसंपर्क किया।

महारैली को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में जनसम्पर्क करते सुजला महासत्याग्रह से जुड़े पदाधिकारी।

नरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि रैली 9 अप्रैल को सुबह 9 बजे शुरू होगी। सुजला महा सत्याग्रह के किशोरदास स्वामी, विजयपाल श्योराण के नेतृत्व में डॉ. भगवान स्वरूप (लालगढ), भंवर लाल जानू, चन्द्र प्रकाश, रण सिंह श्योराण, मंगलचंद सोनी ने ने तहसील के गांवों में जाकर ग्रामीणों से रैली में पहुंचने का आग्रह किया। विजयपाल श्योराण ने डूंगरास आथूना से कोडासर मार्ग पर शहीद देवाराम जानू की प्रतिमा के पास संबोधित करते कहा कि सुजलांचल जिला लाखों लोगों का हक है। मुख्यमंत्री से जिले की घोषणा करवाने के लिये जागरूक लोगों को एक मंच के नीचे आना होगा। रैली को लेकर 5 अप्रैल को दोपहर 11 बजे व शाम 7 बजे गांधी चौक सभा मंच पर बैठक रखी गयी है। हरिओम खोड ने बताया कि 6 अप्रैल को जसवंतगढ, खानपुर, आसोटा व लाडनूं में जनसंपर्क किया जाएगा। इस दौरान खिंवाराम चाहर, एडवोकेट बनवारीलाल खींचड, हरीश गुलेरिया, भंवरलाल, सोहनलाल, देवाराम सिद्ध, सुखराम कालेर, हरि सिंह जानू, भीम सिंह आर्य, रणसिंह, भागीरथ, सहित बडी संख्या में लोग मौजूद रहे। दूसरी और जनहित संघर्ष मोर्चा का बस स्टैण्ड पर धरना जारी रहा। धरने को एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, एड. बनवारी बिजारणियां, कॉ.रामनारायण रूलाणियां, सिराज खान ने सम्बोधित कर सुजला जिले की मांग दोहराई।

जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता

चिड़ावा, (निसं)। डालमिया खेलकूद परिसर में जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में चल रही सीनियर पुरुष वर्ग की जिलास्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सोमवार को रोमांचक मुकाबले हुए। कोच अमित चौहान ने बताया के मुकाबलों में बास बिजौली और मेहाडा जाटूवास के बीच पहला मैच खेला गया। जिसमें मेहाडा जाटूवास की टीम ने 3-2 से जीत हासिल की। दूसरा मैच नांगलिया गुर्जरवास और नवलगढ की टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबर रही। ऐसे में मैच का फैसला पेलेन्टी शूटआऊट से हुआ। जिसमें नवलगढ की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की। तीसरे मुकाबले में भी कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस कांटे के मुकाबले में डालमिया ग्रुप की टीम ने धूधवा को को 1-0 से हराकर जीत हासिल की । प्रतियोगिता का फाइनल मंगलवार को खेला जाएगा। जिसकी विजेता और उप विजेता टीमों को पुरस्कार दिए जाएंगे।

छह टन फूलों से सजेगा बन्धे बालाजी का दरबार

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के श्री बंधे का बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर फूल बंगले की सजावट होगी। बालाजी महाराज के मुख्य मंदिर, शिवालय और निर्भयदास महाराज की कुटिया को करीब छह टन फूलों से सजाया जाएगा।

मंदिर ट्रस्ट के नरेशचंद्र गाडिया ने बताया कि वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर की तर्ज पर इस बार श्री बंधे का बालाजी मंदिर में फूल बंगले की सजावट कराई जाएगी। फूलों की इस डेकोरेशन में करीब 06 टन फूल लगने का अनुमान है। इसके लिए वृंदावन के डेकोरेटर दान बिहारी के निर्देशन में आए 25 कलाकार एक सप्ताह से फूल बंगले की तैयारी में जुटे हैं। कोलकाता और दिल्ली से विभिन्न प्रकार के फूलों के करीब डेढ सौ टोकरे लेकर दो ट्रक मंगलवार को झुंझुनू पहुंचेंगे। इसके साथ फूलों की 25 कारीगर और आ जाएंगे। इस तरह 50 कारीगर दिन-रात जुट कर फूल बंगला सजाएंगे।

झुंझुन शहर के श्री बंधे का बालाजी मंदिर।

गाडिया ने बताया कि नाम के अनुरूप मंदिर परिसर को फूलों के बंगले की भांति सजाया जाएगा। बालाजी मंदिर का गर्भगृह और हॉल को फूलों की मालाओं से भव्य रूप दिया जाएगा। वहीं मंदिर परिसर में बने मुकुंदेश्वर महादेव शिवालय और बाबा निर्भयदास महाराज की कुटिया को भी फूलों से नया रूप दिया जाएगा। मंदिर सभागार की सीलिंग भी फूलों से लदपद रहेगी। फूलों के 20 झाड़ बनाकर जगह-जगह लगाए जाएंगे जो आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

फूल बंगले की सजावट में मुख्य रूप से मोगरा का फूल लगाया जाएगा। इसके साथ ही गुलाब, गैंदा, गुलदाउदी, मर्केट, कनेर, झुगिया, फेडर, घंटी, जरवरा, लटकन व इंग्लिश फूल काम में लिए जाएंगे।

चूरू जिले के 225 जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया

चूरू, (कासं)। दलित साहित्य अकादमी जिला शाखा चूरू के द्वारा जिले के सभी अनुसूचित जाति तथा जनजाति के जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आदर्श छात्रावास चूरू में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चूरू जिले के 225 जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षा भारतीय दलित साहित्य अकादमी के प्रदेशाध्यक्ष प्रोफेसर आत्माराम स्वामी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख वंदना आर्य मौजूद थीं विशिष्ट अतिथि किरोड़ीमल मीणा, धनराज, नानू राम, विद्याधर, बाबूलाल, निर्मल भारतीय, दलित साहित्य अकादमी के संयोजक भोमाराम तथा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मोहनलाल आर्य मंचस्थ अतिथि थे। सर्वप्रथम बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

दलित साहित्य अकादमी ने सभी अनुसूचित जाति तथा जनजाति के जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

उसके पश्चात बिरसा मुंडा, रावत राम आर्य व भारतीय संविधान के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। सभी आगंतुकों का अभिवादन इंजीनियर रवि आर्य ने किया। डॉक्टर निरंजन चिरानिया, पवन गोठवाल, बाबूलाल, भोमाराम आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। जिले के सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, सभी नगर पालिकाओं के पार्षद गण आदि का प्रतीक चिन्ह प्रशस्ति पत्र, माला, दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि वर्तमान समय की मांग शिक्षा से पूरी की जा सकती है। आर्य ने कहा कि सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प हम सभी को यहां से लेकर जाना है ताकि आने वाले समय में शिक्षा के द्वारा समाज की कुरीतियां तथा समाज के विकास में युवाओं की भूमिका अहम साबित हो।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने दो डामर सड़कों का लोकार्पण किया

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद अध्यक्ष एवं सादुलपुर विधायक डॉ कृष्णा पूनिया ने 1 करोड की लागत से दन्देऊ मोहनसिंह से हमीरवास 3 किमी डामर सडक एवं 1 करोड की लागत से नीमां से सुरा की ढाणी 4 किमी डामर सडक का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने विधायक कोटे से दिए हुए रा.उ.प्रा.वि. दन्देऊ मोहनसिंह में 15 लाख की लागत से 2 कमरे मय बरामदा निर्माण कार्य का उद्घाटन अपने कर कमलों से किया।

सडक का लोकार्पण करती विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने कहा कि सडक बनने से ग्राम वासियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी। साथ ही कहा कि जनाऊ खारी से रेबारी बास से 1 किमी डामर सडक भी बन चुकी हैं, जिसकी लागत लगभग 3० लाख हैं। इसके अलावा राउमावि नींमा में चबूतरा निर्माण कार्य एवं टीन शैड निर्माण के लिए विधायक कोटे से लगभग 18 लाख रुपए दिए हैं। नीमा में मस्जिद के सामने स्टेट लाइट लगवाने के लिए विधायक कोटे से 7.50 लाख दिए हैं। इसके साथ ही बास लाल सिंह में मेडी के पास बोरिंग बनवा दिया गया हैं, जिसकी लागत लगभग 10 लाख हैं। उन्होने कहा कि विधायक कोटे से गाँव नींमा में लगभग 20 ढाणियों का विद्युतीकरण करवाया गया हैं। विधायक कृष्णा पूनिया ने आगे कहा कि उन्हें खुशी मिलती हैं कि जनता ने जिस कार्य के लिए उन पर विश्वास जताया था वह इलाके में करवाकर उस पर खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं। हर गाँव खुशहाल हो व वहां पर हर सुविधा मुहैया करवाई जाए, इसके लिए वह हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं व करते रहेंगे।

- रा.उ.प्रा.वि. दन्देऊ मोहनसिंह में दो कमरे मय बरामदा निर्माण कार्य का उद्घाटन किया

इस दौरान विधायक कृष्णा पूनिया ने 4 साल में करवाएं गये विकास कार्यो के बारे में विस्तार से बताया। जिसमें अंतराष्ट्री खेल स्टेडियम, राजकीय कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, ऑक्सिजन प्लांट, कृषि महाविद्यालय, कब्बडी एकेडमी, घर-घर पानी कनेक्शन, सिद्धमुख को तहसील और सिद्धमुख को पंचायत समिति, हमीरवास को उप तहसील आदि विकास कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। और अंत में कहा कि ज्यादातर विकास कार्य मुख्यमंत्री ने बजट में कर दिये, अब मेरा एक सपना बचा हैं वो सादुलपुर विधानसभा में सिंचाई के लिए नहर लेकर आऊ,। इस दौरान मुख्य खेल अधिकारी कोच वीरेंद्र पूनिया, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पूनिया, सरपंच मानसिंह रेबारी, पीसीसी सदस्य शीशपाल पूनिया, करतार टांडी, संजीव पूनिया, सुरेंद्र खरवास, नगर अध्यक्ष पवन सैनी, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह बैरासर, पूर्व सरपंच दलीप भाकर, सूबेसिंह गुज्जर, नागरमल नाई, महावीर नाई, गिरधारी नाई, कमल बजाड, सरदार सिंह राठौड, बजू सिंह राठौड, उम्मेद सिंह राठौड, विनोद सिंह राठौड, करण सिंह राठौड, प्रभातीराम धाणक, मांगेराम धानक, होशियार सिंह धानक, हरिसिंह मेघवाल, प्रभु मेघवाल एव रामेश्वर मेघवाल सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे। और सभी ने विधायक द्वारा करवाए गए विकास कार्यो के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उसकी बल्लेबाजी में सुधार आया है तो वह ऊपरी क्रम पर आयेगा। उसने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अलग अलग पिचों पर शानदार बल्लेबाजी की । उम्मीद है कि वह हमारे लिये रन बना सकेगा। - सौरव गांगुली

दिल्ली कैपिटल्स के टीम निदेशक, अक्षर पटेल को ऊपरी क्रम भेजने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लक्ष्य सेन

खराब फॉर्म में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन लक्ष्य सेन ने कहा कि उन्होंने अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान लगाने के लिये छोटा सा ब्रेक लिया है। अल्मोड़ा का 21 साल का खिलाड़ी इस सत्र में कई टूर्नामेंट में लगातार शुरू में ही बाहर हो रहा है। सेन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, "मैं ब्रेक करने की अहमियत पर बात करना चाहता हूं। मुझे महसूस हुआ है कि कभी कभार अपने लिए सबसे अच्छी चीज यही होती है कि आप 'रिचार्ज' (तरोताजा होने के लिए) एक कदम पीछे लो। इसलिये मैंने सामान्य दिनचर्या से खुद पर ध्यान लगाने के लिए थोड़ा ब्रेक लिया है।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेदें फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

अंपायर को बचाने आए युवक की हत्या

कटक, 3 अप्रैल। ओड़िशा के चौद्वार में कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को एक क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर को हमले से बचाने आए एक युवक की हत्या के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि कटक जिले के बेरहामपुर गांव के रहने वाले सभी चारों आरोपियों ने युवक की समय हत्या कर दी, जब वह 'नो बॉल' के फैसले को लेकर अंपायर को हमले से बचाने आया था। कटक के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पिनाक मिश्रा ने कहा कि चारों आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि दो अप्रैल को चौद्वार थाना क्षेत्र के महिसलंदा गांव में बेरहामपुर और शंकरपुर गांव के बीच क्रिकेट मैच चल रहा था। मैच के दौरान अंपायर ने नो बॉल का निर्णय दिया तो चारों आरोपियों ने इस निर्णय से नाराज होकर अंपायर पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि मामले के मुख्य आरोपी ने अंपायर को बचाने के लिए मैदान में आए युवक के साथ मारपीट की। युवक को अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने चौद्वार पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर एक आरोपी को बेरहामपुर गांव से गिरफ्तार किया और बाद में तीन अन्य को गिरफ्तार किया गया।

शुभमन गिल को कड़ी मेहनत से मुश्किल हालात में मदद मिलती है : विजय शंकर

नयी दिल्ली, 3 अप्रैल। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर विजय शंकर ने सोमवार को कहा कि शुभमन गिल को उनकी कड़ी मेहनत के करण अतीत में मुश्किल हालात से उबरने में मदद मिली है। भारतीय टीम की ओर से पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल ने शुक्रवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच विजयी पारी खेली थी। विजय ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम के आईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "गिल प्रेरणादायी है और उसके साथ गुजरात तथा इससे पहले भारत ए में ड्रेसिंग रूम साझा करना सम्मान की बात है। वह शानदार खिलाड़ी है। वह कड़ी मेहनत करता है और इससे आपको मुश्किल हालात से निकलने में मदद मिलती है।" कई लोगों का मानना है कि 'इंपेक्ट प्लेयर' के नियम से ऑलराउंडरों की भूमिका पर असर पड़ेगा लेकिन विजय का मानना है कि उनके पास पर्याप्त कौशल है कि उन्हें टीम में चुना जाए। उन्होंने कहा, "मैं बल्लेबाजी और गेंदबाजी का लुत्फ उठाता हूं और अगर कल कोई चोटिल हो जाता है तो मैं टीम की जरूरत के अनुसार कोई भी भूमिका निभाने को तैयार हूं।"

न्यूकासल से हारा मैनचेस्टर यूनाईटेड, ईपीएल में शीर्ष चार में जगह सुनिश्चित नहीं

लंदन, 3 अप्रैल। मैनचेस्टर यूनाईटेड को रविवार को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में न्यूकासल यूनाईटेड के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ईपीएल में शीर्ष चार पर रहने की टीम की उम्मीदों को झटका लगा है। ईपीएल में शीर्ष चार में रहने वाली टीमें यूरोप की शीर्ष क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करेंगी। आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी का पहले दो स्थान पर रहना लगभग तय है लेकिन मैनचेस्टर यूनाईटेड की हार के साथ बाकी दो स्थान के लिए दौड़ रोमांचक हो गई है। रविवार को न्यूकासल की ओर से जो विलोक और कैलम विल्सन ने दूसरे हाफ में गोल दागे। इस जीत से न्यूकासल की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मैनचेस्टर यूनाईटेड की टीम के भी न्यूकासल के समान अंक हैं लेकिन खराब गोल अंतर के कारण वह चौथे स्थान पर है। इन दोनों टीम से एक अंक पीछे टोटेनहैम दूसरे स्थान पर है लेकिन उसे सोमवार को एवर्टन से भिड़ना है।

शाकिब अल हसन हुए आईपीएल 2023 से बाहर, कोलकाता नाइट राइडर्स को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। शाकिब अल हसन आईपीएल 2023 से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश के इस ऑलराउंडर ने औपचारिक रूप से कोलकाता नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी को सीजन के लिए अपनी अनुपलब्धता की जानकारी दे दी है। माना जा रहाहै कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और व्यक्तिगत मुद्दों के चलते उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस लिया है।कोलकाता नाइट राइडर्स ने शाकिब अल हसन को इस साल 1.50 रुपए के बेस प्राइज में अपने खेमे में शामिल किया था। शाकिब अल हसन ने अभी तक आयरलैंड के खिलाफ सीरीज की वजह से आईपीएल 2023 का एक भी मैच नहीं खेला है। वह 8 अप्रैल के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ जुड़ने वाले थे। बांग्लादेश को 4 अप्रैल से आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलना है। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन दास को भी कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2023 की नीलामी में खरीदा था। वह आयरलैंड के खिलाफ ये टेस्ट मैच खत्म कर टीम से जुड़ेंगे। बांग्लादेश के इस हरफनमौला ने आईपीएल में खेले अभी तक 71 मुकाबलों में793 रन बनाने के साथ 63 विकेट चटकाए हैं।

चैन्नई की जीत में गायकवाड़, कॉनवे और मोईन चमके

चेन्नई, 3 अप्रैल। चेन्नई सुपर किंग्स ने रुतुराज गायकवाड़ और डेवन कॉनवे की तूफानी शतकीय साझेदारी के बाद मोईन अली की शानदार गेंदबाजी की मदद से घरेलू मैदान चेपौक स्टेडियम पर सोमवार को खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 12 रन से मात दी। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 217 रन बनाये, जिसके जवाब में लखनऊ 205 रन तक ही पहुंच सका।

रुतुराज (31 गेंद, तीन चौके, चार छक्के, 57 रन) और कॉनवे (29 गेंद, पांच चौके, दो छक्के, 47 रन) ने पहले विकेट के लिये 110 रन की साझेदारी करके टीम के लिये मजबूत मंच तैयार किया। रवि बिश्नोई और मार्क वुड ने तीन-तीन विकेट लेकर लखनऊ की वापसी करवाई, लेकिन वे चेन्नई को विशाल स्कोर खडा करने से नहीं रोक सके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज काइल मेयर्स लखनऊ को जीत की ओर ले जा रहे थे, लेकिन मोईन ने उन्हें आउट करके मैच का रुख पलट दिया। मेयर्स ने 22 गेंद पर आठ चौकों और दो छक्कों के साथ 53 रन बनाये और उनका विकेट गिरते ही लखनऊ की पारी का पतन शुरू हो गया। निकोलस पूरन (18 गेंद, 32 रन) ने मध्यक्रम में जुझारू पारी खेली लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला।

चेन्नई के लिये गायकवाड़ ने पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाई तो कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 89 मीटर का छक्का जड़कर चेन्नई के गढ चेपॉक स्टेडियम पर दर्शकों को रोमांचित कर दिया । 'थाला' धोनी ने दो छक्के जड़े लेकिन मार्क वुड को तीसरा छक्का जड़ने के प्रयास में तीन गेंद पर 12 रन बनाकर आउट हो गए ।

गायकवाड़ ने 37 गेंद में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 57 रन बनाये जबकि डेवोन कोंवे ने 29 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे । शिवम दुबे ने 16 गेंद में 27 रन बनाये जिसमें एक चौका और तीन छक्के शामिल थे ।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को पांच विकेट लेने वाले वुड ने चार ओवर में 49 रन देकर तीन विकेट चटकाये । लखनऊ के लिये लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट लिये ।

पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर गायकवाड़ और कोंवे ने पहले छह ओवर में 79 रन बनाये । पहले मैच में 92 रन बनाने वाले गायकवाड़ ने उस लय को कायम रखा और न्यूजीलैंड के कोंवे ने उनका पूरा साथ दिया । चेन्नई के 100 रन आठवें ओवर में बने ।

गायकवाड़ ने के गौतम के पहले ओवर में तीन छक्के लगाये । तेज गेंदबाज आवेश खान ने दूसरे ओवर की पहली चार गेंद में ही 16 रन दे डाले । उन्होंने तीन ओवर मे 39 रन देकर बेन स्टोक्स का विकेट लिया। इससे पहले मैदान पर कुत्ता आने के कारण मैच कुछ मिनट विलंब से शुरू हुआ।

रोहित ने कहा, बल्लेबाजी ने निराश किया, तिलक का प्रयास सराहनी

मुंबई, 3 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के हाथों मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद स्वीकार किया कि तिलक वर्मा के अलावा कोई बल्लेबाज पिच का फायदा नहीं उठा सका।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर रविवार को खेले गये मैच में बायें हाथ के युवा बल्लेबाज तिलक ने महज 46 गेंद पर नाबाद 84 रन बनाये। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने 48 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे लेकिन तिलक ने 182.6 के स्ट्राइक रेट से नौ चौके और चार छक्के लगाकर टीम को 171 रन तक पहुंचा दिया। रोहित ने कहा, "शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन अंत में तिलक का प्रयास अच्छा रहा। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। हमने काफी अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, यह अच्छी पिच थी।"

उन्होंने कहा, "आज उसने (तिलक ने) जो कुछ शॉट खेले उनमें से कुछ में उसने काफी हिम्मत दिखाई। हम बेबाक खेलना चाहते थे। हमें सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के लिये तिलक को श्रेय जाता है। यह बल्लेबाजी के लिये अच्छी पिच थी। हमने अपनी क्षमता के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं की। हम 30-40 रन और जोड़ सकते थे।"

तिलक का प्रयास हालांकि काम नहीं आ सका और विराट कोहली-फाफ डु प्लेसिस की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 148 रन की साझेदारी करके मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मुंबई के गेंदबाज डु प्लेसिस और दिनेश कार्तिक को आउट करने में सफल रहे, लेकिन तब तक मैच हाथ से निकल चुका था।

रोहित ने कमजोर गेंदबाजी प्रदर्शन पर कहा, "पिछले छह-आठ महीनों से मैं बुमराह के बिना खेल रहा हूं। हम उन चीजों के लिये कुछ नहीं कर सकते जिस पर हमारा नियंत्रण नहीं है। अन्य लोग भी प्रतिभाशाली हैं। बहुत से लोगों ने पहले आईपीएल नहीं खेला है और उनके लिये यह उनका सीजन का पहला मैच था। मुझे लगता है आगे देखने के लिये बहुत कुछ बाकी है।"

विश्व ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग ले सकेंगे रूसी एथलीट

सियोल, 3 अप्रैल। विश्व ताइक्वांडो महासंघ ने सोमवार को कहा कि रूसी एथलीट अगले महीने होने वाली विश्व ताइक्वांडो चैंपियनशिप में हिस्सा ले सकेंगे। विश्व तायक्वोंडो के इस फैसले के कारण युद्धठास्त यूक्रेन चैंपियनशिप का बहिष्कार कर सकता है।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने पिछले हफ्ते खेल निकायों को सलाह दी थी कि वे रूस और बेलारूस से आने वाले एथलीटों को आयोजनों में तटस्थ रूप से भाग लेने की अनुमति दें। यूक्रेनी सरकार ने इसके बाद एक बयान जारी कर कहा था कि उसके एथलीट उन आयोजनों में हिस्सा नहीं लेंगे जहां रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को प्रवेश की अनुमति होगी। तायक्वोंडो विश्व चैंपियनशिप 29 मई को बाकू में शुरू होने वाली है, जहां रूसी और बेलारूसी वीजा प्रतिबंधों के बिना स्वतंत्र रूप से यात्रा कर सकते हैं। विश्व तायक्वोंडो ने कहा कि एक समीक्षा समिति भाग लेने वाले रूसी और बेलारूसी एथलीटों एवं सहायक कर्मियों की तटस्थता सुनिश्चित करने के लिये "सत्यापन प्रक्रिया" की देखरेख करेगी।

विश्व निकाय ने कहा, "समीक्षा समिति द्वारा अंतिम मूल्यांकन और अनुमोदन से पहले तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया में सदस्य राष्ट्रीय संघ और महाद्वीपीय संघ द्वारा सत्यापन शामिल होगा। रूसी तायक्वांडो एथलीटों को यूक्रेन में युद्ध के कारण मेक्सिको में आयोजित 2022 विश्व चैंपियनशिप से बाहर रखा गया था। उन्होंने 2019 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में चार पदक जीते थे। तायक्वांडो के खेल में रूस मजबूत है। इसके ताइक्वांडो एथलीटों ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में दो स्वर्ण सहित चार पदक जीते थे, जबकि यूक्रेन का कोई एथलीट क्वालीफाई नहीं कर सका था।

सीए ने महिला खिलाडियों के वेतन में 25% बढ़ोतरी की

ऑस्ट्रेलिया, 3 मार्च। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने खिलाड़ी संघ के साथ सोमवार को हुए समझौते के तहत महिला टीम के न्यूनतम और औसत वेतन में 25 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। सीए ने इसके अलावा अपनी घरेलू टी20 लीग बिग बैश लीग की वेतन सीमा को 50 प्रतिशत बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। पुरुषों की बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्रत्येक टीम के लिये वेतन सीमा 30 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक बढ़ जाएगी, जबकि महिला बीबीएल की वेतन सीमा को 7.32 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सीए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने इस समझौते पर कहा, "हमने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को पहचाना है कि बदलते वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य में बीबीएल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे। हमें विश्वास है कि यह समझौता ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट सत्र में अपनी जगह बनाए रखने में मदद करेगा।" सीए ने यह भी कहा कि महिलाओं की राष्ट्रीय अनुबंध सूची में खिलाड़ियों की संख्या 15 से बढ़ाकर 18 कर दी जायेगी। घरेलू स्तर पर, राज्य और महिला बीबीएल अनुबंधों पर महिला खिलाड़ियों का औसत वेतन बढ़कर 1.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हो जाएगा। हॉकले ने कहा, "क्रिकेट अब स्पष्ट रूप से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला खिलाड़ियों के लिये किसी भी अन्य टीम खेल की तुलना में कमाई का सबसे अच्छा अवसर प्रदान करता है।" उन्होंने कहा, "यह समझौता विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम और महिला बीबीएल के सितारों के लिये पारिश्रमिक में वृद्धि के साथ महिला क्रिकेट के उदय में एक और बड़ा कदम दर्शाता है।" नये समझौते के तहत, सीए के साथ केंद्रीय अनुबंध में जुड़े 24 पुरुष क्रिकेटरों के औसत वेतन में भी 7.5 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी।

बेंजेमा की हैट्रिक से मैड्रिड ने वलाडोलिड को 6-0 से हराया

मैड्रिड, 3 अप्रैल। करीम बेंजेमा ने सात मिनट के अंदर तीन गोल कर के सत्र के आखिरी 'अल क्लासिको' से पहले रियल मैड्रिड का बड़ी जीत दिलायी। रीयाल मैड्रिड ने रविवार को ला लीगा (स्पेन की शीर्ष फुटबॉल लीग) में वलाडोलिड को 6-0 से करारी शिकस्त दी, जिससे 'कोपा डेल रे' के सेमीफाइनल में बार्सीलोना का सामना करने से पहले टीम का मनोबल बढ़ेगा। रियाल मैड्रिड और बार्सीलोना के मुकाबले को अल क्लासिको के नाम से जाना जाता है।

रीयाल मैड्रिड की टीम बुधवार को दूसरे चरण के मुकाबले (कोपा डेल रे) के लिए बार्सीलोना की यात्रा करेगी। टीम कोपहले चरण में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था। फ्रांस के बेंजेमा ने रविवार को खेले गये मैच के 29वें, 32वें और 36वें मिनट में गोल कर के हैट्रिक पूरी की। टीम के लिए अन्य गोल रोड्रिगो (22वां मिनट), मार्कर्फ असेनिसो (73वां मिनट) और लुकास वाजकेज (90 1 मिनट) ने किये। अन्य मुकाबलों में एटलेटिको ने एंजल कुर्रे के 86वें मिनट में किये गये गोल से रीयाल बेटिस को 1-0 से हराया। विलारीयाल ने सोसिडाड को 2-0 से शिकस्त दी जबकि सेल्टा विगो को अल्मेरिया ने 2-2 की बराबरी पर रोका।

लियोन ने पीएसजी, मोनाको ने स्ट्रासबर्ग को हराया

रिस, 3 अप्रैल। लियोन ने फ्रांस की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग (लीग वन) में तालिका में शीर्ष पर चल रहे पेरिस सेंट जर्मेन को रविवार को यहां 1-0 से हराकर उलटफेर किया। मैच का इकलौता गोल ब्रेडली बारकोला ने 56वें मिनट में किया। पीएसजी की यह लगातार दूसरी और चैम्पियनशिप में कुल पांचवीं हार है। इससे अन्य टीमों को खिताबी मुकाबले में अपनी स्थिति बेहतर करने का मौका मिल गया। इस हार के बाद पीएसजी की टीम दूसरे स्थान पर काबिज लेंस और मार्सीले से छह अंक आगे है एक अन्य रोमांचक मुकाबले में मोनाको ने स्ट्रासबर्ग को 4-3 से हराया।

हार के बावजूद नटराजन से प्रभावित हुए लारा

हैदराबाद, 3 मार्च। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों मिली 72 रन की करारी हार के बावजूद तेज गेंदबाज टी नटराजन के प्रदर्शन से प्रभावित हुए हैं।

चोट के कारण लंबे समय बाद पिच पर लौटे नटराजन ने रविवार को भले ही अपने पहले ओवर में 17 रन दिये, लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और अगले तीन ओवर में 23 रन देते हुए दो विकेट चटकाये। लारा ने कहा, अब वह चोट से वापस आ गए हैं और वह एक अनुभवी गेंदबाज़ हैं। पहले ओवर के बाद उन्होंने जिस तरह वापसी की वह बहुत बेहतरीन था। गेंदबाजों ने अंतिम आठ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय पर राजस्थान 225 तक भी पहुंच सकता था लेकिन हमारे गेंदबाजों ने उन्हें रोक लिया। यह सकारात्मक संकेत हैं। हम यहां से सुधार कर सकते हैं।"

युवा गेंदबाजों के सराहनीय प्रदर्शन के अलावा सनराइजर्स के लिये आईपीएल का पहला मैच अच्छा नहीं रहा। राजस्थान ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 203 रन का स्कोर खड़ा करने के बाद मेजबान टीम को 20 ओवर में सिर्फ 131 रन बनाने दिये। लारा ने हालांकि पहले गेंदबाजी करने के अपने फैसले का बचाव किया।

हमने वास्तविक पिच के साथ बहुत सारे अभ्यास सत्र खेले और हमने यह महसूस किया कि पिच पर गेंदों को काफी उछाल मिल रहा है। जब हमने आज की पिच को देखा तो हमें लगा कि यह अच्छा विकेट है और यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने टीम शिविर में महसूस किया था कि गेंदबाजी हमारा मजबूत पक्ष है, जिससे हम शुरू में ही उनपर दबाव बनाना चाहते थे।" लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स को पहले ओवर में ही ट्रेंट बोल्ट ने दो झटके दिये। मेजबान टीम पावरप्ले में मात्र 30 रन जोड़ सकी, जिससे उभरना उसके लिये मुमकिन नहीं हुआ। लारा ने कहा, हम शुरुआती ओवरों में वैसी गेंदबाजी नहीं कर पाये जैसी हमें करनी चाहिये थी। खिलाड़ियों ने स्वीकार किया है कि वे इसमें सुधार करना चाहते हैं। अगर आप मैच को दो हिस्सों में बांटकर देखें तो पायेंगे कि जब हमारे हाथ में गेंद थी तब हमने पावरप्ले में मैच को हाथ से निकलने दिया। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तब भी विकेट गंवाने के कारण हम पावरप्ले में ही हार गये।

शुरुआती मैचों में लगातार हार मायूस करने वाला : शेन बांड

बेंगलुरु, 3 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बांड ने स्वीकार किया है कि पूर्व चैंपियन का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का सत्र का शुरुआती मैच जीतने में लगातार नाकाम रहना बेहद निराशाजनक है।

पांच बार की चैंपियन टीम को रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से आठ विकेट की हार का सामना करना पड़ा। यह लगातार 11वां मौका है जब मुंबई ने सत्र का पहला मैच गंवा दिया। टीम ने आखिरी बार सत्र के शुरुआती मुकाबले को 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीता था।

बांड ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, " टीम के साथ यह मेरा नौवां सत्र है और हमने अब तक अपना पहला मैच नहीं जीता है। इसलिए मायूसी हो रही है। यहां मुकाबला काफी कठिन है और हार से ज्यादा जीत होना हमेशा बेहतर होता है। यह सत्र शुरू करने का परेशान करने वाला तरीका है।" बांड ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना की, जिन्होंने इशान किशन का विकेट झटकते हुए चार ओवर में सिर्फ 21 रन दिये। उन्होंने कहा, "सिराज आज हमारे खिलाफ बहुत अच्छा था। सिराज के पहले तीन ओवरों (सिर्फ पांच रन) में कोई मौका नहीं दिया। उसने अपने बाउंसरों का बेहतरीन इस्तेमाल किया। उसने हमें कुछ शॉट खेलने के लिए मजबूर किया और इससे विकेट हासिल किए।"

बांड ने कहा, "हम बल्लेबाजी के लिए आसान विकेट पर पावर प्ले में सिर्फ 29 रन बना सके लेकिन हमारा बल्लेबाजी क्रम लंबा है। हमने कोशिश की लेकिन 170 तक ही पहुंच सके। उसका शुरुआती स्पेल शानदार था।" मुंबई के लिए तिलक वर्मा के अलावा कोई भी बल्लेबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। वर्मा ने 46 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए, जिससे टीम को 7 विकेट पर 171 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाने में मदद मिली।

बांड ने कहा, "तिलक ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें ज्यादा मदद नहीं मिली। मुझे लगता है कि छोटे मैदान पर 170 का स्कोर काफी नहीं था। मुझे लगता है कि हमें 190 या उससे अधिक का स्कोर खड़ा करना चाहिए था।" बांड ने कहा, "हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। हम जानते थे कि सलामी जोड़ी की साझेदारी कितनी महत्वपूर्ण होने वाली है। हम इसे तोड़ नहीं पाए और दबाव बनाने में भी नाकाम रहे।"

गुजरात के खिलाफ दिल्ली के गेंदबाजों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

नयी दिल्ली, 3 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को जब अपने घरेलू मैदान पर गत चैम्पियन गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उतरेगी तो उसे अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दूसरी ओर, शुरुआती मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को मात देने के बाद गुजरात के हौसले बुलंद है। घुटने की गंभीर चोट के कारण केन विलियमसन के टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद कागजों पर गुजरात टाइटन्स मजबूत है। दिल्ली कैपिटल्स को सत्र के शुरुआती मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 50 रन से करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में टीम को सबसे ज्यादा निराशा भारतीय तेज गेंदबाजों से हुई थी और एनरिच नोर्किया की गैरमौजूदगी में ये गेंदबाज लखनऊ के बल्लेबाजों को परेशान करने में विफल रहे थे। चेतन सकारिया और मुकेश कुमार सटीक लाइन लेंथ पर गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं।

मुंबई के खिलाफ मैच में आरसीबी के तेज गेंदबाज टॉप्ले का कंधा चोटिल हुआ

बेंगलुरु, 3 अप्रैल। खिलाडियों के चोटिल होने की समस्या का सामना कर ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को तेज गेंदबाज रीस टॉप्ले के दाहिना कंधे में चोट से रविवार को एक और झटका लगा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान टॉप्ले का कंधा खिसक (डिसलोकेट) गया। आरसीबी के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा कि इंग्लैंड के इस खिलाड़ी की चोट की गंभीरता का पता स्कैन के नतीजे आने के बाद चलेगा।हेसन ने रविवार को टीम की जीत के बाद आरसीबी के यूट्यूब चैनल को बताया, " दुर्भाग्य से उसका घुटना जमीन में फंस गया और वह अपने कंधे के बल गिर गया, जिससे उसका कंधा खिसक गया। टीम के चिकित्सक ने हालांकि उसी समय उपचार कर कंधे को उसकी जगह पर कर दिया।" कोच ने कहा, " वह फिलहाल स्कैन कराने के लिए गए हुए हैं। हमें उम्मीद है कि शुरुआती रिपोर्ट चिंताजनक नहीं होगी और वह हमारे साथ बना रहेगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमें फिर कुछ और योजना बनानी होगी। उम्मीद है कि वह ठीक होगा। आरसीबी ने अपने घरेलू मैदान पर रविवार को मुंबई इंडियंस पर आठ विकेट की जीत के साथ सत्र का शानदार आगाज किया। टॉप्ले अगर लंबी अवधि के लिए टीम से बाहर होते है तो वह दाएं हाथ के बल्लेबाज रजत पाटीदार और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की तरह चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जायेंगे। पाटीदार एड़ी की चोट से जूझ रहे है और आईपीएल के कम से कम पहले भाग में नहीं खेल पाएंगे, हेजलवुड के पहले सात मैचों में खेलने की संभावना नहीं है।

सिनर को हराकर मेदवेदेव मियामी ओपन चैम्पियन बने

मियामी गार्डन्स, 3 अप्रैल। डेनियल मेदवेदेव ने मियामी ओपन टेनिस के फाइनल में इटली यानिक सिनर को 7-5, 6-3 से हराकर साल का अपना चौथा एटीपी खिताब जीता। मेदवेदेव की सिनर के खिलाफ छह मैचों में यह छठी जीत है और इस साल अब तक खेले गये अपने 25 मुकाबलों में से उन्होंने 24 में जीत दर्ज की है। इस दौरान उनकी एकमात्र हार का सामना इंडियन वेल्स फाइनल में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी कार्लोस अलकराज के खिलाफ करना पड़ा था।

सिनर ने एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले के शुरुआती सेट में मेदवेदेव को कड़ी टक्कर दी लेकिन रूस के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में उन्हें कोई मौका नहीं दिया। इस साल का पांचवां खिताबी मुकाबला खेलने वाले मेदवेदेव इससे पहले रॉटरडैम, दोहा और दुबई में चैम्पियन बनें है।

ऐसे में शानदार लय में चल रहे शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या को उनके खिलाफ रन बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी

खलील अहमद ने शुरुआती मैच में गेंद से कुछ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन क्षेत्ररक्षण के मामले में वह फिसड्डी रहे है। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ कायल मायर्स का कैच टपकाया था जो टीम को काफी महंगा पड़ा था।

दिल्ली के पास इशांत शर्मा जैसा अनुभवी गेंदबाज है लेकिन यह समझा जाता है कि टीम प्रबंधन ने 100 टेस्ट खेल चुके इस खिलाड़ी को सम्मान दिखाने के लिए आधार मूल्य पर अपने साथ जोड़ा। इशांत का इस्तेमाल 'इंपैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर हो सकता है। दिल्ली के अभ्यास सत्र पर नजर रखने वालों का हालांकि मानना है कि उनकी गति और पैनापन में काफी गिरावट आयी है। टीम को नोर्किया और लुंगी एंगिडी का साथ इस मैच के बाद से ही मिल पाएगा ऐसे में कोच रिकी पोंटिंग और क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली को टीम संयोजन बनाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। ऐसे में टीम सकारिया की जगह मुस्ताफिजूर रहमान को एकादश में मौका दे सकती है लेकिन इसके लिए रिले रोसो को बाहर बैठना पड़ेगा। बल्लेबाजी विभाग में कप्तान डेविड वार्नर चाहेंगे कि पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे भारतीय बल्लेबाज तेज गेंदबाजों का बेहतर तरीके से सामना करें। उन दोनों को मार्क वुड ने अपनी गति से परेशान किया था।

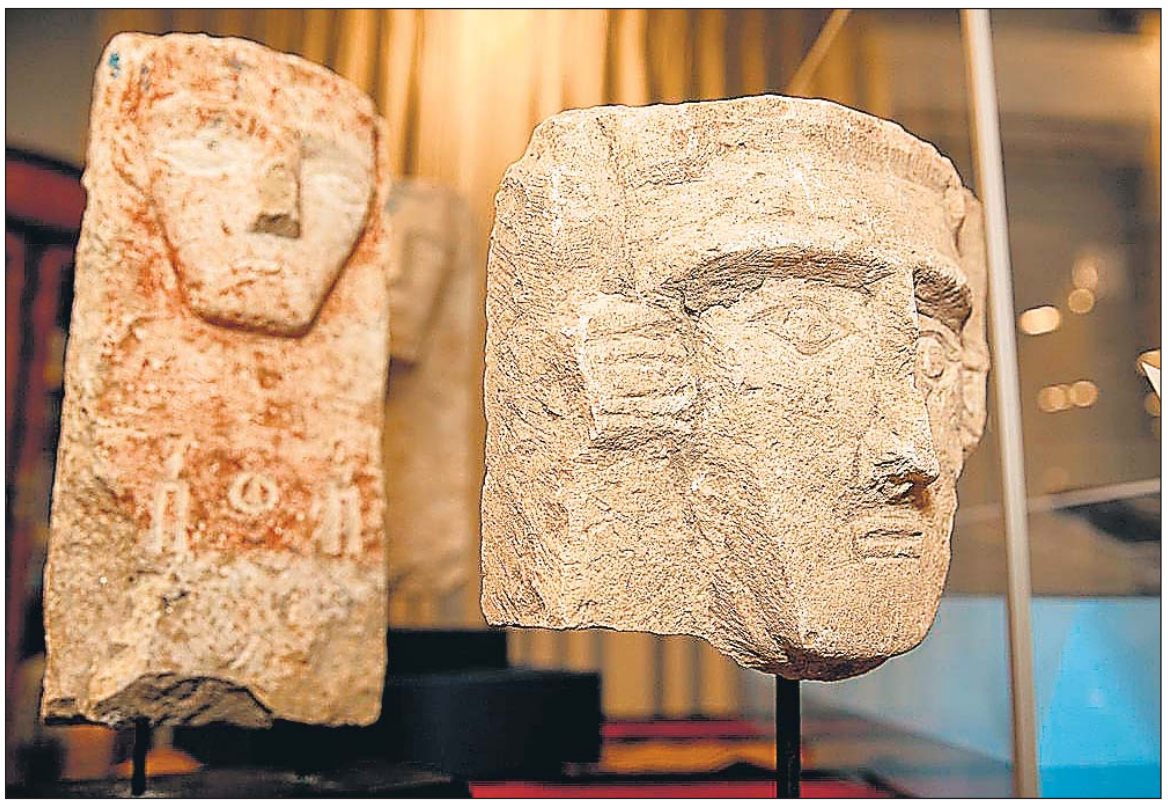

यमन से चुराई गई 77 कलाकृतियाँ अमेरिका उसे लौटा रहा है, लेकिन फिलहाल ये कलाकृतियाँ स्मिथसोनियन नैशनल म्यूज़ियम ऑफ एशियन आर्ट में रखी जाएंगी। यू.एस.ए. में यमन के राजदूत मोहम्मद अल हधरामी ने कहा, "यमन में व्याप्त अशांति और हिंसा को देखते हुए कलाकृतियों को यमन वापस लाना ठीक नहीं है और स्मिथसोनियन दो साल के लिए इन्हें सुरक्षित रखने के लिए मान गया है।" उन्होंने कहा, स्मिथसोनियन का नैशनल म्यूज़ियम ऑफ एशियन आर्ट कल्चर, हैरिटेज और संरक्षण के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर है और हमें खुशी है कि, यह सामान उनकी देखरेख में है। इन 77 कलाकृतियों में, जो बीस सालों में पहली बार अमेरिका यमन को लौटा रहा है, कांसे की एक कटोरी, प्राचीन कुरान के 11 मुड़े हुए पन्ने तथा ईसा पूर्व पहली सदी के 65 नक्काशीदार पत्थर शामिल हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने एक दशक पहले एक न्यूयॉर्क आर्ट डीलर से ये कलाकृतियां जब्त की थीं। कई वर्षों से ये स्टोरेज में थीं और अब जल्दी ही, नई पार्टनरशिप के तहत ये कलाकृतियाँ सार्वजनिक हो सकती हैं। म्यूज़ियम के डायरैक्टर, चेज़ एफ. रॉबिन्सन ने बताया कि, "हमारे संरक्षक और क्यूरेटर इस क्षेत्र में लम्बे समय से सक्रिय थे। हम बहुत जल्दी समझ गए थे कि, हमें यह करना ही होगा।" म्यूज़ियम ने इन कलाकृतियों के प्रदर्शन की अनुमति दे दी है और यमन के लोगों से सम्पर्क कर इनका ब्यौरा भी लिया जा रहा है। म्यूज़ियम इन कलाकृतियों की कहानी सामने लाना चाहता है तथा विश्व का ध्यान यमन की अशांति की ओर आकर्षित करना चाहता है।

राइट-टू-हैल्थ बिल के विरोध में आज जयपुर में महारैली निकालेंगे डॉक्टर्स

आंदोलनकारी निजी चिकित्सकों और सरकार के बीच सोमवार को हुई वार्ता फिर बेनतीजा रही

- डॉ. विजय कपूर का दावा है कि, जयपुर के 218 अस्पतालों ने सरकारी स्कीम बंद करने की लिखित सहमति दे दी है, अन्य 21 जिलों के प्राइवेट अस्पताल भी इस बारे में अपनी सहमति दे चुके हैं।
- बीते 16 दिनों से प्रदेश के निजी अस्पतालों में उपचार को तरस रहे हैं मरीज।
- जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल समेत प्रदेश के तमाम सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ उमड़ रही है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। 'राइट-टू-हैल्थ' बिल पर निजी चिकित्सकों और राज्य सरकार के बीच सोमवार को एक बार फिर वार्ता बेनतीजा रही। ऐसे में प्रदेश में लगातार 16वें दिन भी निजी अस्पतालों में मरीजों का उपचार नहीं हो सका। चिरंजीवी और आर.जी.एच.एस. योजनाओं में मुफ्त इलाज तो दूर लोगों को पैसे चुकाने के बाद भी इलाज नहीं मिल पा रहा है। उधर जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल समेत प्रदेश के तमाम छोटे-बड़े अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस गतिरोध के बीच आंदोलनरत निजी डॉक्टर्स मंगलवार सुबह 11 बजे जयपुर में महारैली निकालकर 'राइट-टू-हैल्थ' बिल का विरोध जताएंगे। दावा किया जा रहा है कि राजस्थान और अन्य राज्यों से भी डॉक्टर्स इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह भीड़ करीब 4 लाख होने की संभावना है।

जानकारी के मुताबिक प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसाइटी के सचिव डॉ.विजय कपूर के नेतृत्व में 6 चिकित्सकों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार दोपहर सचिवालय पहुंचा। जहां उनकी चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी.रविकांत से वार्ता हुई। वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरी हुई लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। डॉक्टरों ने कहा कि सरकार 'राइट-टू-हैल्थ' बिल के प्रावधानों को पहले सरकारी अस्पतालों पर ही लागू करे, इसका नतीजा देखे, उसके बाद निजी अस्पतालों को इसके दायरे में लाया जाये। उधर टी. रविकांत का कहना था कि डॉक्टर्स के सुझावों को रूल्स में ले लिया जायेगा। उनकी इस बात पर डॉक्टर्स राजी नहीं हुए। ऐसे में चिकित्सकों ने अपने आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ होने वाली वार्ताओं के दौर के बीच भी आंदोलन तब तक जारी रखा जाएगा, जब तक कि कोई समाधान नहीं होता।

डॉ. विजय कपूर का दावा है कि 'राइट-टू-हैल्थ' बिल के विरोध में जयपुर के 218 निजी अस्पतालों ने सरकारी योजना को बंद करने के लिए लिखित में अपनी सहमति दे दी है। वहीं प्रदेश के 21 जिलों से शत प्रतिशत चिकित्सालयों ने सरकारी स्कीम्स के मास डीएम्पेनलमेंट के लिखित आवेदन दे दिए है।

मंगलवार को 'राइट-टू-हैल्थ' बिल के विरोध में एक बार फिर चिकित्सक महारैली का आयोजन करने जा रहे हैं, जिसमें पिछले दिनों आयोजित की गई रैली से भी अधिक संख्या में चिकित्सक भाग लेंगे। इस बार चिकित्सकों को अन्य राज्यों से भी समर्थन मिल रहा है।

'छह साल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नियुक्ति तिथि से गणना कर चयनित वेतनमान दिया जाए। इसके बावजूद भी अब तक आदेश की पालना नहीं की गई। वहीं विभाग की ओर से आदेश की पालना के लिए एक सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने विभाग को 5 अप्रैल तक का समय देते हुए कहा है कि पालना नहीं होने पर विभाग के सचिव हाजिर होकर अपना स्पष्टीकरण पेश करें।

'इंग्लिश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने महात्मा गांधी स्कूलों में अध्यापन के लिए गत 15 जनवरी को नौ हजार से अधिक पदों के लिए सहायक अध्यापक संविदा भर्ती निकाली। इसमें सिर्फ उन अभ्यर्थियों को ही पात्र माना गया है, जो अंग्रेजी माध्यम से हैं। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता हिंदी विषय से स्नातक है, लेकिन उसके पास वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी थी। वहीं उसने बीएड और रीट भी अंग्रेजी विषय से ही पास की है। इसके बावजूद उसे पात्र नहीं माना जा रहा है। याचिका में कहा गया कि एनसीटीई के नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि अंग्रेजी माध्यम वाला अभ्यर्थी ही इन स्कूलों में पढ़ा सकता है। नियमों में सिर्फ अध्यापक पात्रता परीक्षा और बीएड पास होने की ही शर्त है। याचिका में यह भी कहा गया कि विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा देने के लिए राज्य सरकार ने महात्मा गांधी स्कूलों की स्थापना की है। शुरुआत में अन्य सरकारी स्कूलों के हिंदी माध्यम वाले शिक्षकों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन कर इन स्कूलों में लगाया गया था। ये हिंदी माध्यम के शिक्षक वर्तमान में भी इन स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। हिंदी माध्यम से पास अभ्यर्थी को भर्ती में शामिल नहीं करने का विभाग का आदेश मनमाना है। ऐसे में याचिकाकर्ता को भी भर्ती के लिए पात्र माना जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

दिवंगत गायक मूसेवाला की तरह नवजोत सिद्धू की सुरक्षा भी घटाई

सिद्धू ने पलटवार करते हुए पंजाब सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा, जैसे दिवंगत मूसेवाला के साथ हुआ ठीक वैसा अब मेरे साथ भी हो रहा है

- नवजोत सिद्धू की सुरक्षा "ज़ैड प्लस" से कम कर "वाई प्लस" कर दी गई है।
- सिद्धू सोमवार को दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के घर उनके परिजनों से मिलने पहुंचे।

चंडीगढ़, 3 अप्रेल। जेल से रिहा पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की सुरक्षा घटा दी गई है। उनकी सुरक्षा जेड प्लस से कम कर वाई प्लस कर दी गई है। सोमवार को दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के घर उनके परिजनों से मिलने पहुंचे नवजोत सिंह सिद्धू ने सुरक्षा घटाने पर प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि जो मूसेवाला के साथ हुआ, वही मेरे साथ हो रहा है। वह चाहते हैं कि मैं घर से न निकलूं लेकिन मुझे किसी का भय नहीं है। पंजाब में कानून व्यवस्था डगमगा गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री बहुत कुछ कर सकते हैं लेकिन सरकार का ध्यान नहीं है। पुलिस कमजोर नहीं होती, उसको ऑर्डर कमजोर करते हैं।

इससे पहले नवजोत सिद्धू ने सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह, माता चरण कौर और ताया चमकौर सिंह के साथ दुख साझा किया। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि वह परिवार के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। बलकौर सिंह ने जेल से लॉरेंस बिश्नोई के इंटरव्यू पर कहा कि बेशक इस पर कमेटी बना दी है लेकिन यह नहीं बताया कि इसकी रिपोर्ट कब आएगी। वहीं, सिद्धू ने कहा कि बड़ी हैरानी की बात है कि पंजाब का नाम चमकाने वाले की सुरक्षा हटा ली गई और गैंगस्टरों को जेड सिक्योरिटी दी जा रही है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि सरकार ने अगर सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा वापस ली थी तो उसकी जानकारी को सार्वजनिक क्यों किया? मूसेवाला की हत्या के पीछे कोई राजनीतिक साजिश हो सकती है। मुझे चुप करवाने के लिए भी सरकार ने मेरी सुरक्षा वापस ले ली है। जो कुछ सिद्धू मूसेवाला के साथ हुआ, वह मेरे साथ हो रहा है लेकिन मैं सच बोलने से रुकने वाला नहीं। पंजाब में गैंगस्टरों के प्रभाव पर सिद्धू ने कहा कि पंजाब की जेलें सुधार घर के बजाय अपराध का सुविधा सेंटर बन गई हैं। नौजवान पंजाब में रहने को तैयार नहीं हैं। वे विदेश जा रहे है। गलत संगत में पड़े नौजवानों का इस्तेमाल कर उनसे वारदातें करवाई जा रही हैं।

भारत को उकसाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है चीन

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। भारत ने हाल ही में सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश में जी20 कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत एक अहम बैठक आयोजित की थी। इस बैठक में चीन शामिल नहीं हुआ था। अब कुछ दिन बाद उसने एक बार फिर भारत को उकसाने की कोशिश की है। उसने अरुणाचल प्रदेश के लिए मानकीकृत नामों की तीसरी लिस्ट जारी की है। इसमें अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों के नाम बताए गए हैं। उसने ये नाम चीनी, तिब्बती और पिनयिन वर्णों में जारी किए हैं।

- चीन ने अपनी स्थानीय भाषा में अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों के नाम जारी किये।

चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के लिए 11 स्थानों के मानकीकृत नाम जारी किए। वह अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी चीन का हिस्सा बताता है और इसे जांगनान कहता है।

'हमें भ्रष्टाचार विरासत में प्राप्त हुआ है'

मोदी ने सी.बी.आई. की स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने की मौके पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सी.बी.आई. को अपने काम में जरा भी हिचकने या ढील देने की जरूरत नहीं है।
- मोदी ने कहा कि, न्याय के, इंसाफ के एक ब्रांड के रूप में सी.बी.आई. हर जुबान पर है। अपनी कार्यप्रणाली, कार्यकुशलता और क्षमताओं से सी.बी.आई. ने लोगों में अपने प्रति गहरी आस्था का भाव जगाया है।

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लोकतंत्र एवं न्याय का शत्रु तथा गरीबी एवं अपराध का मूल बताते हुए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) को आज साफ निर्देश दिया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में पूर्ण राजनीतिक इच्छाशक्ति है और सी.बी.आई. को अपने काम में जरा भी हिचकने या ढील देने की जरूरत नहीं है।

मोदी ने आज यहां विज्ञान भवन में सी.बी.आई. के हीरक जयंती समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। समारोह में प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्मिक, प्रशिक्षण एवं जनशिकायत राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल एवं कैबिनेट सचिव राजीव गौबा भी उपस्थित थे। इस मौके पर सी.बी.आई. के मामलों से जुड़े उच्चतम न्यायालय का संग्रह भी जारी किया गया।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देश की प्रीमियम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के रूप में 60 वर्ष का सफर सी.बी.आई. ने पूरा किया है। ये छह दशक निश्चित रूप से अनेक उपलब्धियों के रहे हैं। सी.बी.आई. ने अपने काम से, अपने कौशल से सामान्यजन को एक विश्वास दिया है।

उन्होंने कहा, आज भी जब किसी को लगता है कि कोई केस असाध्य है तो आवाज उठती है कि मामला सी.बी.आई. को दे देना चाहिए। लोग आंदोलन करते हैं कि केस उनसे लेकर सी.बी.आई. को दे दो। यहां तक कि पंचातय स्तर पर भी कोई मामला आता है तो लोग कहते हैं कि इसे सी.बी.आई. को दे देना चाहिए।

मोदी ने कहा कि न्याय के, इंसाफ के एक ब्रांड के रूप में सी.बी.आई. हर जुबान पर है। अपनी कार्यप्रणाली, कार्यकुशलता और क्षमताओं से सी.बी.आई. ने लोगों में अपने प्रति गहरी आस्था का भाव जगाया है। सी.बी.आई. सत्य, न्याय के ब्रांड के रूप में उभरी है। आम लोगों से इस हद तक आस्था और विश्वास जीतना कोई साधारण बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले छह दशक में सी.बी.आई. ने बहुआयामी और बहुक्षेत्रीय जांच एजेंसी के तौर पर अपनी पहचान बनाई है, आज सी.बी.आई. का दायरा बहुत बड़ा हो चुका है। महानगर से लेकर जंगल तक सी.बी.आई. को दौड़ना पड़ रहा है।

राजेन्द्र राठौड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय वन एव पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजीजू, वाणिज्य व उद्योगमंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। राजस्थान के सांसद व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी मीणा, घनश्याम तिवाड़ी, राजेन्द्र गहलोत आदि से भी राठौड़ ने शिष्टाचार भेट की तथा राज्य के हालात पर चर्चा की। इस दौरान नेताओं ने पुराने अनुभव भी साझा किए। गौरतलब है कि गुलाबचंद कटारिया के असम का राज्यपाल बनने के बाद से ही नेता प्रतिपक्ष का पद खाली पड़ा था। विधायकों ने सर्वसम्मति से राठौड़ को नेता प्रतिपक्ष और सतीश पूनिया को उपनेता प्रतिपक्ष चुना है।

राहुल गांधी के शक्ति प्रदर्शन से भड़की भाजपा

भाजपा ने कांग्रेस की ओर से सूरत में आयोजित जमावड़े को कोर्ट पर दबाव बनाने का ड्रामा करार दिया

- केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव को अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया तो कांग्रेस चुप थी। पी. चिदंबरम और डी.के. शिवकुमार को भी समर्थन नहीं मिला, जो जमानत पर बाहर हैं। केवल राहुल गांधी के लिए कांग्रेस नाटक कर रही है, क्योंकि वे एक परिवार को भारत और उसके कानूनों से ऊपर मानते हैं।

सूरत, 3 अप्रेल। मानहानि मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई दो वर्ष की सजा के खिलाफ अपील करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को सूरत के सत्र न्यायालय पहुंचे तो उनके साथ कई दिग्गज नेता थे।

कांग्रेस इसे राहुल का समर्थन बता रही है, लेकिन भाजपा ने इसे कांग्रेस का ड्रामा करार दिया है। यही नहीं, आरोप लगाया है कि नेताओं की यह भीड़ न्यायपालिका पर दबाव बनाने के लिए जुटाई गई।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी तीन कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लेकर सूरत की जिला अदालत पहुँचे। यह सब कोर्ट पर दबाव बनाने का एक ड्रामा है।

न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने और राहुल की लोकसभा सदस्यता समाप्त होने के बाद से भाजपा और कांग्रेस के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। सत्र न्यायालय में अपील के लिए राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के दिग्गज नेता पहुंचे तो इस मुद्दे पर भी भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया।

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव को अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया तो कांग्रेस चुप थी। पी. चिदंबरम और डी.के. शिवकुमार को भी समर्थन नहीं मिला, जो जमानत पर बाहर हैं। केवल राहुल गांधी के लिए कांग्रेस नाटक कर रही है, क्योंकि वे एक परिवार को भारत और उसके कानूनों से ऊपर मानते हैं। अपील के लिए व्यक्तिगत पेशी पर भी सवाल खड़े किए।

कानून मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी अब तक न्यायालय में व्यक्तिगत पेशी से बचने के लिए वकील खड़े करते रहे हैं और अब सूरत की कोर्ट में खुद पहुंचे हैं, जबकि यहां व्यक्तिगत पेशी की आवश्यकता नहीं थी। आरोप लगाया कि कांग्रेस न्यायालय को दबाव में लेने के लिए ड्रामा कर रही है।

वहीं, केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने पिछड़ों के अपमान के मुद्दे पर फिर राहुल को घेरने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि पिछड़ों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। एक बार नहीं, बल्कि बार-बार कांग्रेस और राहुल गांधी ने पिछड़ों का अपमान किया है। माफी तक नहीं मांगी।

अनुराग ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछड़ों को दबाया और डराया है। संसद सत्र को खराब किया है। विदेशी ताकतों से सहायता मांगी है। आखिरकार ये दबाव बनाकर किसको डराना चाहते हैं? क्यों राज्यों के मुख्यमंत्री को सब काम छुड़वाकर यहां लाया गया।

अमेरिका में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दो की मौत

वाशिंगटन, 3 अप्रैल (वार्ता)। अमेरिका के राज्य अलबामा में शेल्बी काउंटी में एक मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया है। स्थानीय शेरिफ कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। शेल्बी काउंटी शेरिफ के कार्यालय प्रमुख क्ले हैमैक ने एक प्रेस वार्ता में कहा, यह घटना रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5.30 बजे इस वक्त हुई, जब एक पदयात्री के सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने पर, हेलीकॉप्टर को उसकी मदद को लिए भेजा गया था। उसी दौरान, कुछ तकनीकी खामी के कारण हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो गया।

सपा की "दलित मैत्री" नीति से मायावती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- एक पुराने बसपा नेता का कहना है कि, भाजपा सरकार ने जिस सफलता से सैन्ट्रल एजेन्सियों का विरोधियों के खिलाफ प्रयोग करने की नीति अपनाई, और जो लालू यादव के खिलाफ सफलता से उपयोग की गईं, उससे मायावती विचलित हो गई, और उनकी रही सही हिम्मत तब टूट गयी जब उनके मु.मंत्री काल में उनके पावरफुल प्रिंसिपल सैक्रैटरी रहे नेतराम पर 2019 में सैन्ट्रल एजेन्सियों ने धावा बोल दिया।
- इस घबराहट के बाद, मायावती का राजनीतिक वर्चस्व समाप्त होता चला गया तथा अब यह हालत है कि, सपा उनके वोट बैंक पर खुल्लम-खुल्ला कब्जा करने का प्रयास कर रही है।

था। उन्होंने कहा कि अगर सपा ने गठबंधन सरकार कांशीराम के मिशनरी विचारों के अनुसार चलाई होती तो गठबंधन में कोई दरार न आई होती तथा हमारा गठबंधन देश पर शासन कर रहा होता। लेकिन सपा की दलित-विरोधी तथा पिछड़ा वर्ग-विरोधी राजनीति एवं मुस्लिमों को धोखा देने की प्रवृत्ति के कारण यह संभव नहीं हो सका। मायावती ने आगे कहा कि भाजपा इस समय उसी का फायदा उठा रही है।

जहाँ यह एक ऐतिहासिक सच्चाई है कि पिछड़ी जातियाँ, खासतौर से दबदबा रखने वाला यादव समुदाय दलितों का शोषण एवं उत्पीड़न करता रहा है, लेकिन आज, वर्तमान वातावरण में इस मुद्दे का राग अलापना दरअसल ग़ैर-भाजपा विपक्षी मोर्चे को कमजोर करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

देश के इस सबसे बड़े राज्य में बसपा वर्ष 2012 से ही तब से राजनीति आधार खोती रही है, जब मायावती की यह पार्टी विधानसभा चुनाव हार गई थी। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ 17 सीटें ही जीत सकीं और वर्ष 2022 के चुनावी संघर्ष में पार्टी सिर्फ एक सीट पर ही सिमटकर रह गई।

यद्यपि, मायावती एक कठोर परिश्रमी राजनेता रही हैं, लेकिन वह स्व. कांशीराम के मजबूत एवं ठोस कार्यों को आधार कर सत्ता तक पहुंची। कांशीराम ने दलितों के बीच व्यवस्थित ढंग से कार्य किया था।

मायावती ने कभी भी कोई लम्बा राजनीतिक संघर्ष नहीं किया और वह शायद ही कभी जेल गई या उन्होंने शायद ही कभी राजनीतिक अत्याचारों का सामना किया।

इसके परिणामस्वरूप, वह पिछले कुछ वर्षों से हाशिए पर रहती आई हैं, क्योंकि वह मोदी सरकार द्वारा ई.डी., आई.टी. और सी.बी.आई. के जरिए की जा रही कार्रवाहियों से वाकिफ हैं। बसपा के एक सीनियर नेता ने गुप्त रूप से बताया कि केन्द्रीय जांच एजेन्सियों द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के साथ किए गए व्यवहार ने मायावती को भयभीत कर दिया है।

वर्ष 2007 से 2012 तक जब मायावती मुख्यमंत्री थीं, तब नेतराम उनके प्रधान सचिव थे, लेकिन मोदी सरकार की केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने वर्ष 2019 में जब से नेतराम पर छापे मारे, मायावती के कार्य पर तभी से कुठाराघात होता रहा है, और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या उनकी नीतियों पर प्रहार करना बंद कर दिया है, जबकि वह कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी के प्रति कठोर रहती आयी हैं।

राहुल को कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोदी ने बहुत गहराई से और सोच विचारकर काम किया है। उसके अनुसार यह सोचा गया है कि राहुल फिलहाल जेल से बाहर रहें तथा अपने केस लड़े, जिससे कि वे कांग्रेस पार्टी के संचालन में भी सक्रिय रहे और पार्टी का नेतृत्व करते रहें। वरना दूसरी स्थिति में प्रियंका गांधी ही है, जो राहुल गांधी के खाली स्थान को भरने के लिये आगे आ सकती हैं।

बहुत से कांग्रेसजनों ने राहुल गांधी के स्थानापन्न अगले नेता के रूप में, प्रियंका गांधी की ओर रूख करना शुरू भी कर दिया है।

जब तक राहुल गांधी की दोष-सिद्धि का निर्णय उलट नहीं जाता, तब तक वे "डिस्क्वालिफाइड" ही रहेंगे। तब तक गुजरात की किसी अदालत से उन्हें राहत मिल पाना थोड़ा मुश्किल ही है।

समझा जाता है कि राहुल गांधी निर्धारित तिथि से पहले ही 12, तुगलक लेन वाला अपना सरकारी बँगला खाली कर देंगे।

अचानक सऊदी अरब ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- भारत पर रूस के क्रूड ऑयल की कीमत बढ़ने का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारत ने रूस से ऑयल खरीद के काफी लंबे सौदे कर रखे हैं।

कटौती की जाए। लेकिन सऊदी अरब पहले विपरीत अब अमेरिका को आँखे दिखा रहा है। वह हाल ही चीन से बढ़ी अपनी निकटता से शायद उत्साहित है।

चीन ने एक लम्बे समय से संघर्षरत दोनों पड़ोसी देशों, सऊदी अरब और ईरान के बीच एक शांति समझौत करा दिया है। ये दोनों देश कई दशकों तक आपस में बुरी तरह से लड़े। ईरान समर्थित हाउती उग्रवादियों ने सऊदी अरब के ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर्स पर गंभीर हमला किया था। सऊदी अरब, ईरान द्वारा परमाणु हथियार विकसित किए जाने और उन्हें क्षेत्र में तैनात किए जाने को लेकर भी आशंकित है। उसे डर है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निशाना सऊदी अरब और उसके मित्र देश हैं।

लेकिन दोनों देशों के बीच चीन द्वारा कराए गए समझौते से एक तरह की शांति बहाल हुई है और तनाव थोड़ा कम हुआ है, किन्तु विशेषज्ञ महसूस करते हैं कि इन दोनों पड़ोसी देशों के बीच बैर-भाव इतना गहरा है कि शांति लम्बे समय तक शायद ही कायम रहे।

लेकिन, फिलहाल सऊदी अरब और ईरान के बीच हुए समझौते और ओ.पी.ई.सी. (ओपैक) व उसके मित्र देशों के संगठन को चीन व रूस से मिले समर्थन ने सऊदी अरब में इतनी हिम्मत जुटा दी है कि वह अमेरिका की उपेक्षा कर रहा है। अब अमेरिका के पास सऊदी अरब का मुकाबला करने के बहुत कम विकल्प हैं। इस कदम से रूस को त्वरित लाभ होगा क्योंकि उसे तेल से जो आय प्राप्त नहीं हो रही थी, उसमें वृद्धि होगी। रूस ने तुरन्त प्रभाव से घोषणा की कि वह अपने तेल उत्पादन में इतनी ही कटौती करेगा, जितनी कि सऊदी अरब ने की है। सऊदी की ऑयल इण्डस्ट्री ने तेल के उत्पादन में 5 लाख डॉलर प्रतिदिन की कमी की घोषणा की है और अब रूस भी ऐसा ही करने का वादा कर रहा है। इस प्रकार रूस सुखद स्थिति में रहेगा। उसकी आय बढ़ेगी जबकि वह कम उत्पादन करेगा और बिक्री भी और प्रति यूनिट ऑइल बिक्री से होने वाली आय बढ़ जाएगी। इससे रूस को पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से निपटने में मदद मिलेगी।

रूस से तेल खरीद जारी रखने और अनुबंध को बढ़ाने के भारत के फैसले से भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि भारत का रूस से तेल खरीद का दीर्घगामी अनुबंध है। हालांकि जब तक भारत और रूस के तेल खरीद अनुबंध का ब्यौरा स्पष्ट नहीं हो जाता तब तक यह पता नहीं चलेगा कि भारत भविष्य में कब तक रूस से तेल खरीदता रहेगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600